जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

शुक्ल पक्ष, आर्द्रा, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • गुरूवार • 26 फरवरी 2026 • वर्ष 27 • अंक 87 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

सत्यमेव जयते

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

भारत की माननीय राष्ट्रपति

का वीर भूमि झारखण्ड में

अभिनंदन और

जोहार

दिनांक: 26 फरवरी, 2026

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR. No.-373628/IPRD/2025-26

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

संक्षिप्त समाचार

वारसी कॉलेज पाण्डेयगंगौट में वित्तरहित कर्मियों ने किया आक्रोश प्रदर्शन

कौआकोल। प्रखण्ड के वारसी कॉलेज पाण्डेयगंगौट सहित सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित कॉलेजों में बुधवार को वेतन,पेंशन एवं बकाये अनुदान के भुगतान के मुख्य मांग को लेकर संस्था के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन एवं सत्याग्रह कर अपने आक्रोश का इजहार किया। इसकी जानकारी देते हुए वारसी कॉलेज के प्राचार्य सह वित्तरहित संयुक्त संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष डॉ० बिपिन सिन्हा ने बताया कि उक्त राज्यव्यापी कार्यक्रम का आह्वान वित्तरहित शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने अपनी मांगों को लेकर किया है। उन्होंने बताया कि वित्तरहित शिक्षक-कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा की मुख्य मांगों में वित्तरहित अनुदानित शिक्षकों-कर्मचारियों को अनुदान के बदले वेतन देने, सेवानिवृत्त शिक्षक कर्मचारियों को पेंशन देने, सात वर्षों के बकाये अनुदान का भुगतान माध्यमिक विद्यालयों की मान्यता बहाल रखने आदि मुख्य मांगों को लेकर किया है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सरकार की उपेक्षा के कारण वित्तरहित शिक्षा कर्मियों के भूखमरी का शिकार होने का आरोप लगाया। शिक्षक नेताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि राहत के रूप में मिलने वाला अनुदान भी पिछले 7 वर्षों से बकाया है। वेतन एवं अनुदान की आशा में शिक्षकर्मी लगातार सेवानिवृत्त होते जा रहे है। शिक्षकों ने सभा के माध्यम से राज्य सरकार को चेतावनी दी कि यदि इस गंभीर संकट का हल जल्द नहीं निकाला तो बिहार के वित्तरहित शिक्षक कर्मचारी निर्णायक संघर्ष के लिए बाध्य होंगे।

पांच दिवसीय भगवान सूर्य नारायण प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ का हुआ प्रारम्भ

नारदीगंज(नवादा)। प्रखंड क्षेत्र के कहुआरा पंचायत के जनपुरा गांव में पांच दिवसीय भगवान सूर्य नारायण प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के लिए मंगलवार को श्रद्धापूर्वक जल यात्रा के उपरांत श्रद्धापूर्वक विधिवत महायज्ञ यज्ञ शुरु हो गया। वाराणसी निवासी यज्ञाचार्य विकास पांडेय व उनके सहयोगी वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ करा रहे हैं। इस अवसर पर श्री सीताराम बाबू मंडली, जनपुरा के कलाकारों ने रामलीला का मंचन किया। महन्थ कृष्णदेव शर्मा के देखरेख में रामलीला हो रहा है। कलाकारों ने शिव पार्वती संवाद और नारद मोह प्रसंग पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला के निदेशक बलिंद्र सिंह के निर्देशन में भगवान शिव का अभिनय मनीष सिंह,माता पार्वती का अभिनय सत्यम कुमार,भगवान विष्णु का अभिनय राजा कुमार और नारद मुनि का अभिनय अम्बुज कुमार सिंह ने बखूबी निभाया से निभाया। कलाकारों ने भगवान राम जन्म के अवतार के बारें में जानकारी दी। सभी कलाकार जनपुरा गांव के है। अयोध्या निवासी किशोरी प्रज्ञा पांडेय जी ने संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का बेहद सुंदर तरीके से व्याख्यान किये। महायज्ञ के साथ प्रवचन और रामलीला होने से सारा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। मौके पर पैक्स अध्यक्ष श्रवण कुमार, विक्रम कुमार समेत काफी संख्या में लोग लगे रहे।

गयाजी में 3.712 किलो अफीम जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार, कच्ची सड़क पर घेराबंदी कर कार्रवाई

गयाजी। गयाजी में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पुलिस को सफलता मिली है। आज भदवर थाना क्षेत्र में विशेष छापेमारी के दौरान 3.712 किलोग्राम अफीम दूध के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। एसडीपीओ इमामगंज कमलेश कुमार ने जानकारी दी कि एसएसपी सुशील कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि तीन व्यक्ति रबदी पहाड़ी की ओर से ग्राम रबदी होते हुए अफीम दूध की खेप लेकर गुजरने वाले हैं। इस सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, इमामगंज के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। डुमरिया के अंचलाधिकारी को दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया। पुलिस टीम ने ग्राम रबदी से पूरब पहाड़ी की ओर जाने वाली कच्ची सड़क पर घेराबंदी की। घेराबंदी के दौरान, तीन संदिग्ध व्यक्ति स्टील के कमंडल और प्लास्टिक के जग के साथ आते दिखाई दिए। तलाशी लेने पर उनके पास से कुल 3.712 किलोग्राम अफीम दूध बरामद किया गया। दंडाधिकारी की उपस्थिति में मादक पदार्थ जब्त कर तीनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। भदवर थाना कांड संख्या 12/26, 24 फरवरी 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 17(c)/18(c) के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की गई है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान अमिरका सिंह, मुकेश कुमार और कृष्णदेव सिंह के रूप में हुई है। ये सभी ग्राम पन्नाताड़ टोला मिटार, थाना भदवर, जिला गया के निवासी हैं। छापेमारी दल में एसडीपीओ इमामगंज कमलेश कुमार, अंचलाधिकारी डुमरिया संजय कुमार, थानाध्यक्ष सचिन कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

केसरिया, पू.च। प्रखंड सभागार में बुधवार को ई-ग्राम कचहरी विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न ग्राम कचहरियों के सरपंच, उपसरपंच, न्याय मित्र एवं न्याय सचिवों सहित कुल 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षक रवि शास्त्री एवं दारोगा कुमार ने ई-ग्राम कचहरी पोर्टल के संचालन, ऑनलाइन परिवाद दर्ज करने की प्रक्रिया तथा मामलों के निर्धारित समय-सीमा में निष्पादन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब ग्राम कचहरी में परिवाद ऑनलाइन माध्यम से दायर होंगे और उनका निष्पादन भी ऑनलाइन प्रणाली के तहत किया जाएगा। प्रशिक्षकों ने कहा कि ग्राम कचहरी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग की आवश्यकता है। कार्यक्रम में प्रधान सहायक मिथिलेश कुमार सुमन, सरपंच साधोलाल साह, अरुण यादव, शम्भू राय, मोहन दास, उपसरपंच रंजन कुमार व सचिव इमरान सहित अन्य मौजूद रहे।

होली को लेकर धमौल थाना में शांति समिति की बैठक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

पकरीबरावां। आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने को लेकर बुधवार को धमौल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों के जनप्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए थानाध्यक्ष हिमांशु कुमार ने उपस्थित लोगों को होली पर्व के दौरान जारी सरकारी गाइडलाइन की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि होली के अवसर पर डीजे बजाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। किसी भी परिस्थिति में डीजे की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि कोई व्यक्ति या संचालक नियमों का उल्लंघन करते हुए डीजे बजाते पकड़ा गया तो डीजे जब्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

थानाध्यक्ष ने कहा कि अश्लील एवं द्विअर्थी गीतों के प्रसारण पर भी सख्त रोक रहेगी। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने होलिका दहन को लेकर भी विस्तृत जानकारी ली। किस स्थान पर और किस समय होलिका दहन किया जाएगा, इसकी पूरी जानकारी ली। साथ ही होलिका दहन के दौरान संभावित समस्याओं, विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की गई। उन्होंने क्षेत्र में शराब की अवैध बिक्री एवं शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर सख्ती बरतने की बात कही। शराब धंधेबाजों एवं शराबियों पर विशेष नजर रखने की बात कही। उन्होंने लोगों से अपील की कि होली आपसी भाईचारे और सौहार्द का पर्व है, इसे शांति और मर्यादा के साथ मनाएं।

बैठक में प्रखंड उप प्रमुख धर्मराज सिंह, धमौल मुखिया रामरूप यादव, पंचायत समिति सदस्य उपेन्द्र सिंह, ढोढ़ा मुखिया प्रतिनिधि चंद्रमा यादव, अजीत भारती, गजाधर यादव, विनोद गुप्ता, कैसर मंसूरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। सभी ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक के उपरांत थानाध्यक्ष ने डीजे संचालकों के साथ अलग से बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया कि होली में डीजे किसी भी हाल में नहीं बजना चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कौआकोल प्रखण्ड मुख्यालय का आधार सेंटर बन्द रहने से हो रही परेशानी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

◆ कौआकोल बाजार सहित अन्य स्थानों पर मनमानी राशि वसूल कर अवैध ढंग से बनाये जा रहे आधार

कौआकोल। कौआकोल प्रखंड मुख्यालय में आधार कार्ड केंद्र बंद रहने के कारण आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कौआकोल बाजार सहित अन्य कई स्थानों पर अवैध ढंग से आधार बनाने एवं सुधारने का कार्य किया जा रहा है। जिससे लोगों का आर्थिक दोहन हो रहा है। प्रखण्ड कार्यालय परिसर स्थित आधार सेंटर लगभग एक साल से बन्द है,जिसके कारण आधार से जुड़े जरूरी कार्य,जैसे- नाम सुधार,पता अपडेट,मोबाइल नंबर लिंक कराने समेत नये आधार पंजीकरण के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आधार कार्ड आज के दौर में सरकारी और गैर-सरकारी योजनाओं के लिए अनिवार्य दस्तावेज बन चुका है। ऐसे में आधार सेंटर बंद होने से गरीब,मजदूर,छात्र और महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित हैं। बच्चों के नए आधार कार्ड बनवाने,बैंक खाते खोलने, पेंशन,छात्रवृत्ति,राशन कार्ड और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्य लंबित हैं। आधार अनिवार्य होने के कारण कई लाभार्थी इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। कई लोग मजबूरी में दूर-दराज के प्रखंडों एवं अनाधिकृत रूप से चल रहे आधार केंद्रों में जाकर काम कराने को विवश हैं। जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द कौआकोल प्रखंड मुख्यालय में आधार कार्ड केंद्र को पुनः चालू कराने को लेकर मांग कि है,ताकि लोगों को राहत मिल सके। अपने पुत्र का आधार कार्ड बनवाने प्रखण्ड मुख्यालय पहुंचे डोमनबाग गांव निवासी सीताराम मांझी ने बताया कि आधार बनवाने के लिए वे कई दिनों से भटक रहे हैं। वहीं कई लोगों ने बताया कि अनाधिकृत रूप से चल रहे आधार केंद्रों पर नया बनाने एवं सुधारने में 1000 से 1200 तक रूपये खर्च करने के बावजूद काम नहीं हो रहा है। वहीं इस सम्बंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ० अखिलेश कुमार ने बताया कि वरीय अधिकारियों को सूचना देकर आधार कार्ड केंद्र चालू कराने का प्रयास किया जायेगा।

संगठन सृजन अभियान में पार्टी की मजबूती पर हुई चर्चा

बैठक में उपस्थित पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

◆ संगठन सृजन अभियान का आयोजन नरहट एवं हिसुआ के कार्यकताओं की संयुक्त बैठक

नरहट (नवादा)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के आदेशनुसार संगठन सृजन अभियान का आयोजन नरहट एवं हिसुआ के कार्यकताओं का संयुक्त बैठक आदित्य नगर हिसुआ में आयोजित किया गया। अध्यक्षता कॉंग्रेस नरहट प्रखण्ड अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह ने किया। उपस्थित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संगठन सृजन अभियान में भाग लेकर कांग्रेस पार्टी की मजबूती को लेकर अपना विचार व्यक्त किया। कार्यकताओं को नवादा जिला प्रभारी जय शंकर पाठक, प्रदेश प्रभारी उमर खान, पूर्व विधायिका नीतू कुमारी ने विस्तार पूर्व सम्बोधित किया। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष नरेश सिंह, नवीन पासवान, शैलेन्द्र कुमार, श्रीकांत सिंह, शिवालक यादव, जितेंद्र कुमार, पप्पू सिंह, सोनू रंजन, गोपाल कुमार, विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

इंस्टाग्राम पर मिले युवक-युवती, वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल, जबरदस्ती रिश्ता बनाने से युवती ने किया इंकार

दोस्तों के साथ मिलकर टांगी से किया जानलेवा हमला, बेहोशी हालत में छोड़कर हुआ फरार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पीड़िता से पूछताछ करती पुलिस

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के एक युवती को इंस्टाग्राम पर प्रेम करना भारी पड़ गया। बीते मंगलवार की देर रात्रि प्रेमी ने युवती को जख्मी हालत में सड़क पर छोड़कर भाग खड़ा हुआ। युवती अपने साथ बीती हुई बातों को परिजनों से रोती-बिलखती बताई। परिजनों के द्वारा बुधवार को घायल युवती को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. नीतीश कुमार ने घायल का युवती का इलाज किया। उन्होंने बताया कि युवती के दाहिने पैर में दो जगहों पर की हड्डियां टूटी हुई है। उन्होंने कहा कि युवती द्वारा बताया गया कि टांगी से ताबड़तोड़ जानलेवा हमला किया गया था। चिकित्सक ने कहा कि घायल युवती को काफी रक्तस्राव हुआ है,जिससे खून भी काफी कम है। चिकित्सक ने बताया कि घायल युवती का प्राथमिक इलाज कर पावापुरी रेफर किया गया है। वहीं घटना की सूचना पीड़ित परिजनों द्वारा पुलिस बलों को भी दी गई है।

इंस्टाग्राम से बढ़ी दोस्ती, बनाया गंदा वीडियोः- पीड़ित युवती ने बताई कि बीते 8 माह पूर्व अकबरपुर थाना क्षेत्र के देवरा गांव के छोटू यादव से इंस्टाग्राम से दोस्ती हुई थी।दोस्ती प्यार में तब्दील हुई। बीते 12 फरवरी को युवक और युवती मिलते हैं और युवक द्वारा मोबाइल के माध्यम से कुछ आपत्तिजनक वीडियो बना लिया गया। इसी दौरान पुनः युवक द्वारा बीते मंगलवार की शाम को प्यार का झांसा देकर युवती को मिलने बुलाया गया।

दोस्तों के साथ संबंध बनाने से इंकार करने पर जानलेवा हमला :- पीड़िता ने कहा कि प्रेमी युवक नवादा की ओर एक सुनसान जगह पर ले गया,जहां पहले से प्रेमी के कुछ दोस्त लोग था। प्रेमी के अलावे अन्य लोगों ने संबंध बनाने का जबरन प्रयास किया,किंतु युवती के द्वारा मना किए जाने पर उनलोगों ने टांगी व अन्य धारदार चीजों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में मेरा दाहिना पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गया और ज्यादा मात्रा में खून बहने लगा। युवती के अनुसार मारपीट की घटना लगभग 8 बजे घटित हुई है।

एमएच हॉस्पिटल में इलाज के बाद सड़क पर छोड़ा :- युवती को बेहोशी हालत में ही एमएच नामक एक निजी अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया और इलाज के बाद युवती को लगभग 11:30 बजे पुनः चारपहिया वाहन की मदद से सड़क किनारे छोड़ भाग खड़े हुए।

जांच में जुटी पुलिस :- इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही थाने में पदस्थापित पीएसआई सचिन कुमार और एएसआई संजय कुमार को अस्पताल में इलाजरत युवती और उसके परिजनों से आवश्यक जानकारी ली जा रही है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर जांच कर रही है।

डैम मोड़ से दिबौर तक 7 किमी तक नेशनल हाईवे का कार्य प्रगति पर

ग्रामीणों ने होटल संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करते एनएचएआई के पदाधिकारी

रजौली। नेशनल हाईवे पीआईयू गया के अंतर्गत रजौली-बख्तियारपुर के 7 किलोमीटर लंबाई का मेंटेनेंस कार्य चालू हो गया है। इस कार्य का निरीक्षण एनएचएआई के पदाधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। सड़क में गुणवत्तापूर्ण कार्य को देख पवन कुमार, छोटेलाल यादव समेत दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि बीते कई वर्षों से सड़क निर्माण कार्य का रास्ता जोह रहा था, किंतु वन विभाग के द्वारा कागजी कार्रवाई में देरी होने के कारण विलम्ब हुआ है।ग्रामीणों ने कहा कि सड़क के दोनों ओर होटलों का संचालन किया जाता है, किंतु कुछ होटल संचालकों द्वारा होटल का गंदा पानी अथवा खड़े वाहनों को धोने के लिए ढ़ेर सारा पानी सड़क पर ही बहाया जाता है। इस पानी के कारण उक्त जगहों पर सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे हो जाते हैं। सड़क पर जलजनित गड्ढों के कारण सड़क दुर्घटनाएं घटित होते रहती हैं। ग्रामीणों ने एनएचआई के अधिकारियों से मांग की है कि वे दोषियों पर कार्रवाई करें, ताकि भविष्य में ऐसी गलती ना दोहराई जा सके। उन्होंने बताया कि सड़क का मेंटेनेंस कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जा रहा है, लेकिन होटल संचालकों की लड़ी से सड़क की स्थिति फिर से खराब हो सकती है।ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के बनने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। उन्होंने एनएचआई के अधिकारियों को धन्यवाद दिया है कि उन्होंने सड़क का मेंटेनेंस कार्य शुरू किया है।

वहीं एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि सड़क का मेंटेनेंस कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

27 फरवरी से बोधगया में 'फ्रांग्सी ईस्ट जोनल युवा' कॉन्फ्रेंस, युवा डॉक्टरों का होगा जुटान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाजी। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की गया इकाई ने बोधगया में तीन दिवसीय 'फ्रांग्सी ईस्ट जोनल वीथ युवा 2026' कॉन्फ्रेंस की घोषणा की है। यह आयोजन 27, 28 फरवरी और 1 मार्च को महाबोधि कल्चर सेंटर में होगा। आईएमए गया कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में संघ की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिन्हा ने इस सम्मेलन की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य युवा डॉक्टरों को नवीनतम चिकित्सा पद्धतियों, अनुसंधान और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है, ताकि वे समाज को बेहतर चिकित्सा सुविधा दे सकें।

ख्यातिप्राप्त डॉक्टरों की भागीदारी सुनिश्चित होगीः डॉ. सिन्हा ने कहा कि गया और बोधगया की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक भूमि पर इस स्तर का आयोजन होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से ख्यातिप्राप्त डॉक्टरों की भागीदारी सुनिश्चित होगी। प्रेस वार्ता में बताया गया कि तीन दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में अलग-अलग विषयों पर वैज्ञानिक सत्र, विशेषज्ञ व्याख्यान, पैनल चर्चा और अनुभव साझा करने के कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध, उन्नत उपचार पद्धतियों तथा स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियों और समाधान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन का विशेष जोर युवा चिकित्सकों के कौशल विकास और नेतृत्व क्षमता को सशक्त करने पर रहेगा।

आयोजकों ने जानकारी दी कि कार्यक्रम की सभी प्रशासनिक और तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रतिभागियों के आवास, पंजीकरण, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से अंतिम रूप दिया गया है। सम्मेलन स्थल पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त सभागार, प्रदर्शनी क्षेत्र और संवाद मंच तैयार किए जा रहे हैं।

डॉ. सिन्हा ने विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन से न केवल चिकित्सा समुदाय को लाभ मिलेगा, बल्कि गया और बोधगया की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी। उन्होंने सभी आमंत्रित चिकित्सकों, प्रतिभागियों और स्थानीय नागरिकों से कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग की अपील की।

'राहुल गांधी अब देश का विरोध कर रहे', शाहनवाज हुसैन बोले- सोनपुर एयरपोर्ट से बदलेगी बिहार की तस्वीर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालन्दा। नालंदा के मेहनौर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आज जिलाध्यक्ष राजेश कुमार के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन और बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। शाहनवाज हुसैन ने जहां बिहार के विकास मॉडल की जमकर सराहना की और कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया, वहीं प्रो. नंदन ने मठ-मंदिरों के विकास व उन्हें सामाजिक सरोकार से जोड़ने की विस्तृत कार्ययोजना पेश की।

सोनपुर एयरपोर्ट से बदलेगी बिहार की तस्वीरः राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने ऐलान किया कि सारण के सोनपुर में देश का चौथा सबसे बड़ा हवाई अड्डा बनने जा रहा है। यहां से सीधे अमेरिका, लंदन और सिंगापुर के लिए उड़ानें भरी जा सकेंगी। इस ऐतिहासिक सौगात के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम नीतीश और सांसद राजीव प्रताप रूडी को बधाई दी। राजद की ओर से खजाना खाली होने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि विकास काम के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है। हालांकि, सत्ताधारी विधायकों द्वारा उठाए जा रहे भ्रष्टाचार के सवालों पर उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि उनका रोजा है, ज्यादा बुलवाएंगे तो रोजा लग जाएगा।

देश का विरोध कर रहे राहुल गांधीः कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए शाहनवाज हुसैन ने कहा कि विपक्ष के नेता अब सीधे भारत का ही विरोध करने लगे हैं। एआई समिट में यूथ कांग्रेस की ओर से किए गए हंगामे पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उन्होंने मांग की कि ऐसे लोगों पर रासुका (NSA) के तहत सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि कोई देश को दुनिया में बदनाम करने की हिम्मत न करे। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी सेना, चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट जैसी संवैधानिक संस्थाओं के साथ-साथ देश की हर उपलब्धि पर सवाल उठाते रहते हैं।

मठ-मंदिर बनेंगे सामाजिक सरोकार के केंद्रः बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि सरकार और न्यास बोर्ड मठ-मंदिरों को केवल पूजा-पाठ तक सीमित न रखकर उन्हें समाज से जोड़ रहे हैं। इसके लिए चार सूत्री मापदंड तय किए गए हैं। अब मठ-मंदिर अपने क्षेत्र के गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा देंगे और गरीब कन्याओं की शादी कराएंगे। युवाओं के शारीरिक विकास के लिए वहां अखाड़े और जिम खोले जाएंगे। उन्होंने बिहारशरीफ के ऐतिहासिक मनेराम अखाड़े का उदाहरण देते हुए इसके पूर्ण सदुपयोग पर जोर दिया। साथ ही पूर्णिमा और अमावस्या पर विशेष पूजन की सनातन परंपरा को हर घर में लागू करने की अपील की।

अतिक्रमण पर तुरंत होती है कार्रवाईः हिलसा के खाकी बाबा ठाकुरबाड़ी समेत अन्य धार्मिक स्थलों की जमीन पर अतिक्रमण के सवाल पर प्रो. नंदन ने सख्त लहजे में कहा कि ऐसी शिकायत मिलते ही तुरंत जिलाधिकारी और एसपी को पत्र लिखकर अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निबंधित हो या गैर-निबंधित, सभी मंदिरों की घेराबंदी के लिए बोर्ड सरकार को अनुशंसा करता है। बिहारशरीफ के प्राचीन पुस्तकालय के जीर्णोद्धार पर उन्होंने बताया कि छोटे-मोटे मरम्मत काम बोर्ड कराता है, लेकिन बड़े बजट के कार्यों का प्रस्ताव पर्यटन विभाग को सौंप दिया जाता है।

Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

Page 09

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

खेल

ब्रुक शतक लगाने वाले पहले कप्तान, बाबर लोएस्ट स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज...

देश

सुनेत्रा पवार की जगह बेटे पार्थ जाएंगे राज्यसभा, आधी रात लगी मुहर

शुक्ल पक्ष, आर्द्रा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • गुरूवार • 26 फरवरी 2026 • वर्ष 27 • अंक 87 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,48,400	₹ 2,85,000

आज का इतिहास

2008 : भारत परमाणु अस्त्र ले जाने में सक्षम बैलेस्टिक मिसाइल का समुद्र के भीतर सफल परीक्षण किया।

2010 : आत्मघाती हमलावरों द्वारा किए गए हमलों की संख्या के कारण अफगानिस्तान के काबुल में 17 लोग मारे गए।

न्यूज बाइट्स

14 हजार नए स्थानों पर बनेंगे जेब्रा क्रॉसिंग

पटना (नि.सं.)। बिहार में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। पैदल यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पूरे राज्य में 14 हजार नए स्थानों पर जेब्रा क्रॉसिंग निर्माण का निर्णय लिया गया है। विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुई राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की समीक्षा बैठक के बाद इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 30 अप्रैल 2026 की समय सीमा तय की गई है। सरकार का मानना है कि इस पहल से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और यातायात व्यवस्था अधिक व्यवस्थित बनेगी।

प्लास्टिक कचरे से बनीं 7214 किमी सड़कें

पटना (नि.सं.)। बिहार में ग्रामीण सड़कों के निर्माण में अब पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक तकनीक को प्राथमिकता दी जा रही है। ग्रामीण कार्य विभाग ने ग्रीन टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए राज्य में 7,214 किलोमीटर से अधिक लंबी सड़कों का निर्माण वेस्ट प्लास्टिक के माध्यम से किया है। इस पहल को ठोस कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार सड़क निर्माण में इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक अपशिष्ट से सड़कों की मजबूती और आयु दोनों में वृद्धि होती है। पहले जो प्लास्टिक कचरा प्रदूषण का बड़ा कारण बनता था, अब उसे पुनर्चक्रण कर ग्रामीण आधारभूत संरचना को मजबूत किया जा रहा है।

प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा

उद्योगों की मजबूती से ही कृषि और राष्ट्र का समग्र विकास संभव

निज संवाददाता | पटना

बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्मृति व्याख्यान में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाले देश के समग्र विकास के लिए उद्योगों का सुदृढ़ होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कृषि की वास्तविक उन्नति भी कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार से ही संभव है। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में शामिल हुए। राज्यपाल ने अपने संबोधन में उद्यमियों से बदलते बिहार में नई जिम्मेदारियों को पहचानने और विकास के नए मानक स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बिहार के उद्यमियों ने कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और प्रतिबद्धता के साथ काम किया है, जिसका सकारात्मक असर आज राज्य के औद्योगिक माहौल में दिखाई दे रहा है। उनके अनुसार वर्तमान में बिहार में चतुर्दिक विकास हो रहा है और उद्योगों के लिए वातावरण पहले की तुलना में काफी बेहतर हुआ है।

उन्होंने कहा कि समाज सफल लोगों को आदर्श मानता है, इसलिए उद्यमियों को रोल मॉडल बनकर सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान देना चाहिए। अपने व्याख्यान के दौरान राज्यपाल ने देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उन्हें दया, करुणा और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण महान व्यक्तित्व बताया। भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की एकात्मकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता प्राचीन, समृद्ध और समावेशी रही है। कार्यक्रम की शुरुआत बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष रामलाल खेतान के स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने स्मृति व्याख्यान शृंखला के उद्देश्य और इसकी परंपरा पर प्रकाश डाला। समारोह में बड़ी संख्या में उद्यमी, उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधि और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती : बीपीएसएससी ने जारी किया कैलेंडर

पटना (नि.सं.)। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (बीपीएससी) ने वर्ष 2026 के लिए पुलिस भर्ती कैलेंडर जारी कर दिया है। आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, 2025–26 के दौरान बिहार पुलिस और संबद्ध इकाइयों में विभिन्न पदों पर चरणबद्ध तरीके से भर्तियां की जाएंगी। इससे पुलिस सेवा में जाने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है। जारी कैलेंडर के मुताबिक, दरोगा, अवर निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक, मद्य निषेध विभाग से जुड़े पदों सहित अन्य इकाइयों में कुल मिलाकर 2500 से अधिक पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रस्तावित है।

बिहार में बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती

निज संवाददाता | पटना

बिहार में बच्चा चोरी की अफवाहों को लेकर पुलिस मुख्यालय ने सख्त रुख अपनाया है। राज्य के सभी जिलों और थानों को अलर्ट जारी करते हुए निर्देश दिया गया है कि ऐसी किसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई और सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि किसी भी सूचना पर कानून हाथ में न लें और तुरंत डायल-112 या नजदीकी थाने को जानकारी दें। सीआईडी (कमजोर वर्ग) के एडीजी अमित कुमार जैन ने प्रेस वार्ता में बताया कि पिछले दो दिनों में बच्चा चोरी के पांच मामले सामने आए थे, जिनमें मुजफ्फरपुर के दो तथा जमुई, पूर्णिया और नालंदा के एक-एक मामले शामिल थे। जांच के बाद ये सभी घटनाएं महज अफवाह साबित हुईं। उन्होंने कहा कि ऐसी अफवाहें तेजी से फैलती हैं और देखते ही देखते भीड़ जुट जाती है, जिससे मॉब लिंचिंग जैसी गंभीर घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। कई बार निर्दोष लोग भी इसका शिकार हो जाते हैं, इसलिए लोगों को संयम बरतने की जरूरत है। पुलिस मुख्यालय ने यह भी निर्देश दिया है कि यदि कोई बच्चा 24 घंटे तक लापता रहता है तो संबंधित थाने में मामला दर्ज करना अनिवार्य होगा। गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए राज्य में 44 एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) सक्रिय हैं, जबकि पटना, गया और दरभंगा में विशेष इकाइयां पहले से कार्यरत हैं। पूर्णिया एयरपोर्ट पर भी नई यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव है।

राजस्व वादों के निपटारे में देरी पर सरकार सख्त

उपमुख्यमंत्री ने तय की नई समय-सीमा

निज संवाददाता | पटना

बिहार में राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों के निष्पादन में हो रही देरी को लेकर राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि बिहारभूमि पोर्टल और आरसीएमएस पर दर्ज दाखिल-खारिज, अतिक्रमण और भूमि विवाद से जुड़े मामलों का निपटारा अब तय समय-सीमा के भीतर हर हाल में किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को समयबद्ध न्याय दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजस्व विभाग के प्रधान सचिव सी.के. अनिल ने इस संबंध में सभी समाहर्ताओं को पत्र भेजकर लंबित वादों की नियमित समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया है। पत्र में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करने पर जोर देते हुए कहा गया है कि बिना किसी पक्ष को सुने निर्णय नहीं लिया जाए और कोई भी अधिकारी अपने मामले में स्वयं न्यायाधीश न बने। विभागीय समीक्षा में पाया गया है कि अंचल अधिकारी से लेकर अपर समाहर्ता स्तर तक कई मामले निर्धारित समय-सीमा के बाद भी लंबित हैं, जिस पर सरकार ने गंभीर चिंता जताई है।

नई व्यवस्था के तहत अंचल अधिकारी स्तर पर बिना आपत्ति वाले दाखिल-खारिज मामलों के लिए 35 दिन और आपत्ति वाले मामलों के लिए 75 दिन की समय-सीमा तय की गई है। लोक भूमि अतिक्रमण से जुड़े वादों को 90 दिनों के भीतर निपटाना होगा, जबकि भू-मापी जैसे कार्यों के लिए 7 से 11 दिन का समय निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) और अपर समाहर्ता (एडीएम) न्यायालयों में दाखिल-खारिज अपील का निष्पादन 30 दिनों के भीतर तथा भूमि विवाद, लगान निर्धारण और बटाईदारी से जुड़े मामलों का निपटारा 90 दिनों में करना अनिवार्य किया गया है।

अपर समाहर्ता स्तर पर जमाबंदी रद्दीकरण और दाखिल-खारिज रिवीजन अपील जैसे महत्वपूर्ण मामलों के लिए भी 30 दिन की सख्त समय-सीमा लागू की गई है। प्रधान सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को अपने अधीनस्थ न्यायालयों के लंबित मामलों की सतत निगरानी करने और नियमित प्रगति रिपोर्ट सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस आदेश की प्रति सभी प्रमंडलीय आयुक्तों, डीसीएलआर और अंचल अधिकारियों को भेज दी गई है, ताकि निर्देशों का कड़ाई से पालन हो सके। सरकार का मानना है कि नई समय-सीमा और सख्त मॉनिटरिंग से राजस्व प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ेगी, लंबित मामलों की संख्या कम होगी और आम लोगों का न्याय व्यवस्था पर भरोसा मजबूत होगा।

महिला सशक्तीकरण पर खर्च में 31.46 प्रतिशत की बढ़ोतरी

पटना(नि.सं.)। बिहार सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देते हुए इस मद में होने वाले खर्च में 31.46 प्रतिशत की वृद्धि की है। बुधवार को विधानसभा में वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव तथा विधान परिषद में प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल द्वारा प्रस्तुत बजट में महिला बजट का आकार 63 हजार 964 करोड़ रुपये रखा गया है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इस बार कुल बजट का करीब 18.40 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं के विकास और कल्याण योजनाओं के लिए निर्धारित किया गया है। सरकार का कहना है कि महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के माध्यम से कई योजनाओं का विस्तार किया जाएगा। शिक्षा और ग्रामीण विकास विभागों को इस दिशा में सबसे अधिक राशि आवंटित की गई है, ताकि महिला शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता से जुड़े कार्यक्रमों को गति मिल सके। इसके साथ ही बाल कल्याण और हरित बजट में भी बढ़ोतरी की गई है, जिससे पोषण, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़े कार्यक्रमों को मजबूती मिलेगी। राज्य सरकार के अनुसार महिला बजट में वृद्धि से स्वयं सहायता समूहों, कौशल विकास योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों और शिक्षा से जुड़ी पहल को और विस्तार मिलेगा।

धर्म पत्नी स्व. मंजू सिन्हा की जयंती पर सीएम नीतीश कुमार ने दी श्रद्धांजलि

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी धर्मपत्नी एवं समाजसेवी स्वर्गीय मंजू सिन्हा की जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बुधवार को कंकड़बाग स्थित स्व. मंजू सिन्हा स्मृति पार्क पहुंचकर मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके योगदान को याद करते हुए नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कुछ समय तक पार्क परिसर में रहे और स्व. मंजू सिन्हा के सामाजिक कार्यों एवं उनके व्यक्तित्व को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि मंजू सिन्हा ने हमेशा समाजसेवा और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दी तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए निरंतर प्रयासरत रहीं। उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज में सेवा और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

विधानसभा में आवास योजना में घूसखोरी का मुद्दा गरमाया

सत्ता पक्ष के विधायकों ने ही सरकार को घेरा मंत्री बोले- दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा के बजट सत्र के 17वें दिन सदन में आवास योजना में कथित घूसखोरी और लाभुक चयन में गड़बड़ी का मामला जोरदार तरीके से उठा। रीगा से विधायक बैद्यनाथ प्रसाद ने योजना के लाभुकों के चयन में अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। इसके बाद भाजपा विधायक मिथिलेश तिवारी ने आरोप लगाया कि लाभार्थियों से करीब 25 प्रतिशत तक वसूली की जा रही है, जिससे सदन में कुछ देर के लिए हंगामे की स्थिति बन गई। मामले पर जवाब देते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विधायकों से आग्रह किया कि वे संबंधित मामलों की जानकारी सरकार को दें ताकि जांच कर दोषियों को दंडित किया जा सके। मंत्री के आश्वासन के बाद सदन की कार्यवाही आगे बढ़ी, हालांकि विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों ओर से इस मुद्दे पर तीखी टिप्पणियां होती रहीं।

इसी बीच शराबबंदी की समीक्षा का मुद्दा भी सदन में चर्चा का केंद्र बना रहा। जदयू विधायक श्याम रजक ने स्पष्ट कहा कि बिहार में शराबबंदी जारी रहेगी और यह पूरे एनडीए गठबंधन की साझा नीति है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत राय अलग हो सकती है, लेकिन सरकार का रुख स्पष्ट है। इससे पहले मंगलवार को भी विधानसभा में जोरदार हंगामा देखने को मिला था। चौकीदार-दफादार से जुड़े मुद्दे पर राजद और सत्ता पक्ष के बीच तीखी बहस हुई थी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने चौकीदारों पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाते हुए सरकार की आलोचना की थी। इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि सरकार प्रदर्शन के खिलाफ नहीं है और मांगों पर विचार किया जाएगा।

बहस के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद विधायक भाई वीरेंद्र के बीच भी तीखी नोकझोंक हुई थी। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर काम नहीं करने का आरोप लगाया, जबकि विपक्षी सदस्यों ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। सदन में हुई इस तीखी बहस ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया। विधान परिषद में भी दिनभर विभिन्न विधेयकों पर चर्चा हुई। नगर पालिका संशोधन विधेयक 2026 और बिहार सिविल न्यायालय विधेयक 2026 को लेकर मंत्री विजय सिंह ने जानकारी दी कि नए प्रावधानों के तहत आम लोगों की शिकायतों की सुनवाई को और प्रभावी बनाया जाएगा। हालांकि कुछ देर बाद विधान परिषद की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। बजट सत्र के दौरान लगातार उठ रहे जनहित से जुड़े मुद्दों और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच विधानसभा की कार्यवाही में तीखी बहसों का दौर जारी है, जिससे आने वाले दिनों में सदन का माहौल और गर्म रहने के संकेत मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री महिला स्वरोजगार योजना

मार्च में 18 लाख महिलाओं के खातों में पहुंचेगी आर्थिक सहायता

- शहरी लाभार्थियों को मिलेगी प्राथमिकता

निज संवाददाता | पटना

बिहार में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई गति देने की दिशा में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री महिला स्वरोजगार योजना एक बार फिर चर्चा में है। योजना के तहत मार्च महीने में करीब 18 लाख लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भेजी जाएगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार 15 मार्च के बाद चरणबद्ध तरीके से राशि ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है, जिसके लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस चरण में शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को प्राथमिकता दिए जाने की योजना है। ऑनलाइन आवेदन कर चुकी लाभार्थियों के दस्तावेजों और पात्रता की जांच तेजी से की जा रही है। सत्यापन की जिम्मेदारी नगर विकास विभाग को सौंपी गई है और विभाग को निर्देश दिया गया है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएं, ताकि भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि समय पर सत्यापन पूरा होने से योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक पहुंच सकेगा।

योजना को समूह आधारित मॉडल पर लागू करने की तैयारी भी की गई है। इसके तहत 10 से 15 महिलाओं का एक समूह बनाया जाएगा, जिसे जीविका से जोड़ा जाएगा। समूह गठन के बाद ही महिलाओं को आधिकारिक सदस्य मानते हुए आर्थिक सहायता दी जाएगी। सरकार का मानना है कि सामूहिक स्वरोजगार मॉडल से महिलाएं आर्थिक गतिविधियों में अधिक प्रभावी तरीके से भागीदारी कर पाएंगी और उनकी आय में स्थायी वृद्धि संभव होगी। सूत्रों के मुताबिक सहायता राशि का वितरण चरणबद्ध तरीके से होगा। शुरुआती चरण में कुछ चयनित लाभार्थियों के खातों में राशि भेजी जाएगी, जबकि पूर्ण सत्यापन के बाद सभी पात्र महिलाओं को योजना का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और खासकर शहरी गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।

सात निश्चय-3 के तहत डेयरी क्षेत्र में नस्ल सुधार पर जोर

कॉम्फेड सभागार में टीबीओएस के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत

- कार्यक्रम की अध्यक्षता डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक ने की।
- कॉम्फेड के अनुसार नस्ल सुधार कार्यक्रम से दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

निज संवाददाता | पटना

पटना। सात निश्चय-3 के अंतर्गत "कृषि में प्रगति-प्रदेश की समृद्धि" कार्यक्रम के तहत डेयरी क्षेत्र में नस्ल सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को कॉम्फेड के सभागार में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में आधुनिक तकनीक के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में पशुपालन निदेशालय के निदेशक उज्जवल कुमार सिंह, कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक समीर सौरभ, गव्य विकास निदेशालय के निदेशक विनय कुमार चौधरी तथा बिहार पशुधन विकास अधिकरण (बीएलडीए) के परियोजना निदेशक सुनील ठाकुर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के तहत राज्य के विभिन्न प्रखंडों में कार्यरत 534 भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारियों (टीबीओएस) को मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा, जो आगे अपने-अपने क्षेत्रों में कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं (मैत्री) को प्रशिक्षित करेंगे।

कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक ने बताया कि संस्था अब केवल दुग्ध संग्रहण और विपणन तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक आधारित नस्ल सुधार कार्यक्रम के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली नस्ल विकसित कर दुग्ध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है।

निदेशक, पशुपालन ने भ्रमणशील पशुचिकित्सकों को संबोधित करते हुए कहा कि नस्ल सुधार कार्यक्रम में उनकी भूमिका टीम लीडर की तरह होगी। उन्हें लिंग क्रमबद्ध सीमेन, डिजिटल एआई गन, डिजिटल थाविंग मशीन और आईभीएफ-ईटीटी जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे क्षेत्रीय स्तर पर पशुपालकों और कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को प्रभावी मार्गदर्शन दे सकें।

डेयरी, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के सचिव ने कहा कि सात निश्चय-3 के तहत शुरू किया गया यह नस्ल सुधार कार्यक्रम आने वाले तीन वर्षों में बिहार के दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में बड़ी क्रांति ला सकता है। उन्होंने बताया कि इस योजना में केवल उच्च गुणवत्ता वाले Sex Sorted सीमेन का उपयोग किया जाएगा, जिससे अधिक दूध देने वाली बछिया प्राप्त होगी और पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी। सरकार का लक्ष्य आधुनिक तकनीक के सहारे पशुपालन क्षेत्र को सशक्त बनाना और राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देना है।

एक अप्रैल से देशभर में अनिवार्य होगा ई20 पेट्रोल

नई दिल्ली(ए.)। केंद्र सरकार ने ईंधन नीति में बड़ा बदलाव करते हुए एक अप्रैल 2026 से पूरे देश में न्यूनतम 95 आरओएन (रिसर्च ऑक्टेन नंबर) वाला ई20 पेट्रोल अनिवार्य करने का फैसला लिया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार अब सभी तेल कंपनियों को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के तय मानकों के अनुरूप 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल ही बेचना होगा। यह नियम देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू रहेगा, हालांकि विशेष परिस्थितियों में कुछ क्षेत्रों को सीमित समय के लिए छूट देने की बात भी कही गई है। ई20 पेट्रोल में 20 फीसदी एथनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल का मिश्रण होता है। एथनॉल गन्ना, मक्का और अन्य अनाज से तैयार किया जाता है, जो देश में ही उत्पादित होता है। सरकार का मानना है कि इस बदलाव से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण घटेगा और किसानों को भी फायदा मिलेगा क्योंकि एथनॉल उत्पादन के लिए कृषि उपज की मांग बढ़ेगी।

ज्यूडीशियल करप्शन चैप्टर विवाद : सीजेआई सूर्यकांत की आपत्ति के बाद एनसीईआरटी की किताब की बिक्री पर रोक

एजेंसी | नई दिल्ली

नई किताब में 'ज्यूडीशियल करप्शन' का चैप्टर

एनसीईआरटी ने 23 फरवरी को कक्षा 8 की सोशल साइंस की नई किताब 'एक्सप्लोरिंग सोसायटी: इंडिया एंड बियॉन्ड पार्ट-2' जारी की थी, जिसे शैक्षणिक सत्र 2026-27 से पढ़ाया जाना प्रस्तावित है। इस किताब में 'द रोल ऑफ द ज्यूडीशियरी इन अवर सोसायटी' शीर्षक के अंतर्गत न्यायपालिका की चुनौतियों, लंबित मामलों और कथित भ्रष्टाचार से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की गई है। इसमें न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है जैसी अवधारणाओं के साथ सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और निचली अदालतों में लंबित मामलों के आंकड़े भी शामिल किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की कड़ी आपत्ति के बाद 'ज्यूडीशियल करप्शन' चैप्टर वाली एनसीईआरटी की नई सोशल साइंस किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। एनसीईआरटी सूत्रों ने न्यूज एजेंसी एएनआई को इसकी पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट में मामला उठने के बाद किताब को फिलहाल वेबसाइट से भी हटा लिया गया है और ऑफलाइन बिक्री भी रोक दी गई है।

बुधवार को सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका को बदनाम करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। उन्होंने इस पूरे मामले को "सोची-समझी कार्रवाई" बताते हुए कहा कि वे स्वयं इस केस की सुनवाई करेंगे। मामले को वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कोर्ट के सामने उठाया था। उन्होंने आपत्ति जताई कि कक्षा 8 के विद्यार्थियों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में जिस तरीके से पढ़ाया जा रहा है, वह चिंताजनक है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस पर गंभीरता दिखाई। जस्टिस बागची ने भी टिप्पणी की कि किताब में संविधान की मूल संरचना की संवैधानिक भावना का अभाव दिखाई देता है।

किताब में क्या-क्या शामिल था

नई टेक्स्टबुक में न्यायपालिका की संरचना, जवाबदेही व्यवस्था और चुनौतियों को विस्तार से समझाने की कोशिश की गई थी। इसमें जजों के आचार संहिता, सीपीजीआरएएमएस के जरिए शिकायत प्रणाली, लंबित मामलों की समस्या और न्याय तक गरीबों की पहुंच जैसी बातों का जिक्र किया गया था। साथ ही यह भी बताया गया था कि संसद इम्पीचमेंट प्रक्रिया के जरिए गंभीर मामलों में जजों को हटा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

चोरी के मोबाइल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा गया

काराकाट/ रोहतास। काराकाट थाना की पुलिस ने गोड़ारी से ही चोरी के मोबाइल के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोड़ारी निवासी गुड्डू यादव के रूप में हुई है । थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया ।

काराकाट नगर पंचायत पैक्स चुनाव को लेकर अफवाहों का दौर,प्रखंड विकास पदाधिकारी ने दी स्पष्ट जानकारी

काराकाट /रोहतास। नगर पंचायत क्षेत्र में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति (पैक्स) चुनाव को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह के असमंजस व्याप्त हैं । सक्रिय लोगों का कहना है कि बिहार के दो दर्जन जिलों के 436 पैक्सों में 18 मार्च को चुनाव होने हैं,जिसमें काराकाट का भी शामिल होने की चर्चा जोरों पर है । लेकिन काराकाट प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने साफ किया है कि काराकाट पैक्स चुनाव की कोई आधिकारिक तिथि अभी तय नहीं हुई है । बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने बताया कि बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार पटना से प्राप्त ज्ञापन के अनुसार प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 23 फरवरी 2026 को विहित स्थानों पर कर जिला को भेज दिया गया है । दावे-आपत्तियां 23 फरवरी से 10 मार्च तक दाखिल की जा सकेंगी । इसके बाद दावे- आपत्तियों के निपटारे के पश्चात अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 12 मार्च तक किया जाएगा । उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 12 मार्च के बाद ही उच्च अधिकारी के आदेश पर नामांकन की तिथि,चुनाव की तिथि, मतगणना की तिथि आदि तय होंगे । 18 मार्च को काराकाट पैक्स चुनाव होने की कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है । बीडीओ ने क्षेत्रवासियों से भ्रामक अफवाहों से बचने की अपील की और कहा कि चुनाव तिथि तय होते ही सबसे पहले सबको सूचना दी जाएगी । यह निर्णय बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार के आदेश पर ही होगा ।लोगों के बीच चर्चा का विषय बना यह मुद्दा अब स्पष्ट हो गया है । फिलहाल मतदाता सूची प्रक्रिया पर जोर दिया जा रहा है,ताकि चुनाव सुचारू रूप से संपन्न हो सके ।

सात पियक्कड़ धराए, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बनकटवा। जीतना थाना क्षेत्र के जोलगावा बॉडर से पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई करते हुए शराब के नशे में धुत होकर हंगामा और शोर-शराबा कर रहे कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार पियक्कड़ों को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सुधीर कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में जीतना थाना क्षेत्र के बलुआ धेनुखी निवासी सीपी सिंह,पिता रामचंद्र सिंह, छौड़ादानों थाना क्षेत्र के दोनों एकडरी निवासी मुन्ना कुमार, पिता पांचू शाह, मुन्ना कुमार यादव पिता हरेंद्र राय, छौड़ादानों थाना क्षेत्र के दोनों भेलवा गांव निवासी जेबूल्लाह अंसारी पिता मंसूर आलम, रंजन कुमार पिता विनोद प्रशाद,लखौरा थाना क्षेत्र के दोनों गोला पकड़िया निवासी गुड्डू दास पिता सिकन्दर दास, नितेश कुमार पिता दुर्गा दास को भी गिरफ्तार किया गया है।

चिरैया थाना में शांति समिति की बैठक, होली-रमजान सौहार्द से मनाने की अपील

सिकरहना। चिरैया थाना परिसर में बुधवार को होली एवं रमजान पर्व को शांति और भाईचारे के साथ संपन्न कराने के लिए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर अमन-चैन बनाए रखने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए थानाध्यक्ष महेश कुमार ने कहा कि होली और रमजान आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने लोगों से एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति को उसकी मर्जी के बिना रंग न लगाया जाए। होलिका दहन केवल पुराने निर्धारित स्थलों पर ही किया जाएगा, नए या विवादित स्थानों पर अनुमति नहीं दी जाएगी। त्योहार के दौरान शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। थानाध्यक्ष ने कहा कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। सोशल मीडिया पर अफवाह या भड़काऊ पोस्ट फैलाने वालों पर साइबर सेल की कड़ी नजर रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। बैठक में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में भाईचारा कायम रखने और मिल-जुलकर त्योहार मनाने का भरोसा दिया। इस मौके पर अपर थानाध्यक्ष खगेश नाथ झा, सब इंस्पेक्टर उत्तम कुमार, गौतम कुमार समेत कई पुलिस पदाधिकारी और स्थानीय प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर हुआ टीएचआर का वितरण

कोटवा। प्रखंड क्षेत्र में संचालित सभी 189 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बुधवार को आईसीडीएस निदेशालय के निर्देश के आलोक में टीएचआर वितरण किया गया । टीएचआर वितरण से पहले विभागीय निर्देश पर सेविकाओं ने केंद्र पर विकास समिति की बैठक किया,बैठक में आंगनवाड़ी विकास समिति के सदस्यों को टीएचआर वितरण से संबंधित लाभुकों को इसकी जानकारी दी । विकास समिति की बैठक में सेविका ने लाभुकों को क्रय मूल्य एवं सामग्री की मात्रा की भी जानकारी दिया । बैठक के बाद समिति के देख रेख में सेविका आंगनबाड़ी केन्द्र पर टीएचआर वितरण किया गया ।टीएचआर वितरण में कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूति महिलाओं के बीच एफआरएस के बाद सूखा राशन वितरण किया गया।इस दौरान महिला पर्यवेक्षिका शिवांगी कुमारी, स्वेता गौतम ,रेणु कुमारी ज्योति कुमारी अपने अपने सेक्टर में टीएचआर वितरण का निरीक्षण किया।इसके अतिरिक्त जिला से गठित टीम और सीडीपीओ अर्चना कुमारी ने भी कई केंद्रों पर टीएचआर वितरण का निरीक्षण किया ।सीडीपीओ अर्चना कुमारी ने बताया कि सभी केंद्रों पर टी एचआर का वितरण किया गया।

बैठक आयोजित कर ई-ग्राम कचहरी विहार पोर्टल की सरपंचों को दी गई जानकारी

तुरकौलिया। सरपंच, उपसरपंच, सचिव और न्यायमित्रों की बैठक सभागार भवन में हुई। प्रशिक्षक जयप्रकाश कुमार व चंदन कुमार शुक्ला द्वारा सभी लोगों को ई-ग्राम कचहरी विहार पोर्टल पर आवेदन अपलोड करने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के माध्यम से बताया गया कि अब ग्राम कचहरी में पड़े सभी आवेदनों का आनलाइन किया जाएगा। जो लोग चाहेंगे वह खुद से भी आवेदन आनलाइन करके केस दर्ज करा सकते हैं और पोर्टेबल पर जाकर स्थिति भी मालूम कर सकते हैं। वही बैठक पर सवाल उठाते हुए सरपंचों ने आरोप लगाया कि बैठक में साउंड, प्रोजेक्टर और भोजन की व्यवस्था नही की गई थी। कौन क्या बोल रहा है, कुछ सुनाई भी नहीं दे रहा था। जबकि बैठक में शामिल होने के लिए दिए गए पत्र में सभी सुविधाएं देने की बात बताई गई थी। जो प्रशिक्षण दे रहे थे वह खुद भी जानकार नही थे। एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई है। सभी सरपंच अपने को अपमानित महसूस कर रहे थे। किसी भी ग्राम कचहरी को अभी तक लैपटॉप का व्यवस्था नही कराई गई है। जबकि 25 जनवरी 2026 से आनलाइन करने का नियम लागू कर दिया गया है। जो हास्यास्पद है। बैठक में सरपंच संघ के प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह, सरपंच अतिउल्लाह, लक्ष्मण सिंह, राजेन्द्र सहनी, सकिंद्र पासवान, उपसरपंच अजमल कमाल उर्फ लाल, न्यायमित्र राजीव पाण्डेय, निकहत प्रवीण, अनिल कुमार आदि मौजूद थे।

काराकाटः ज्वेलर्स पर पर्स चोरी भारी गहने और 20 हजार उड़ाए

CCTV में कैद चोर, दूसरी वारदात में एक मोबाइल चोर गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट/रोहतास।काराकाट नगर पंचायत के गोडारी में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। बुधवार दोपहर लगभग 2 बजे थाना क्षेत्र के गोडारी बाद रोड स्थित जय मां कालिका ज्वेलर्स की दुकान पर एक अज्ञात लड़के ने मौका ताड़कर एक दंपति का पर्स चुरा लिया। दंपति अपनी बेटी के साथ पुराने गहने चेंज करवाने और उसके कान छेदवाने के लिए दुकान पर पहुंचे थे। चोरी की यह पूरी वारदात दुकानदार के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित दंपति चिल्हा गांव निवासी है। आवेदनकर्ता नीरज कुमार सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी बेटी का कान छेदवा रही थी और पर्स दुकान के पास ही बगल में रखा था। उसी पर्स में दो

जोड़े भारी पायल, 6 जोड़ी भारी पैर की बिछिया और 20 हजार रुपये नगद रखे थे। चोर ने मौके का फायदा उठाकर पर्स उड़ा लिया। शाम होते ही पीड़िता के पति नीरज कुमार सिंह ने काराकाट थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने चोर को जल्द पकड़ने का भरोसा दियाः काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, "जांच के दौरान प्राथमिकी दर्ज कर चोर को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इलाके में चोरी की घटनाओं पर नजर रखी जा रही है।"

गोड़ारी से ही मोबाइल चोर हुआ गिरफ्तारः इसी बीच काराकाट थाना पुलिस ने गोड़ारी से ही चोरी के मोबाइल फोन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान गोड़ारी निवासी गुड्डू यादव के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने चोरी के मोबाइल भी बरामद कर लिए हैं।स्थानीय लोगों में चोरी की घटनाओं को लेकर आक्रोश है। वे पुलिस से सतर्कता बरतने की मांग कर रहे हैं।

काराकाट के मानिक परासी में हिंदू सम्मेलन का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास)। काराकाट प्रखंड के मानिक परासी स्थित काली मंदिर के प्रांगण में बुधवार को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य पर किया गया। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य अवध बिहारी तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कई लोग शामिल हुए। मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला व्यवस्था प्रमुख धिरेन्द्र ने भारत को एक सशक्त, चरित्रवान और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने हेतु आरएसएस की दीर्घकालिक योजना पंच परिवर्तन पर चर्चा किया। इसके संदर्भ में उन्होंने कहा कि इसके अंतर्गत सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्य जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बल दिया गया है। इनके अंतर्गत समाज में सकारात्मक और आमूलचूल बदलाव का लक्ष्य आरएसएस ने अपने शताब्दी वर्ष पर निर्धारित किया है।

मुख्य अतिथि कथा वाचक श्री नारायण शास्त्री ने हिन्दू के गौरवशाली इतिहास को बताते हुए वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा किया।इस दौरान उन्होंने भेदभाव रहित समाज की परिकल्पना किया। मौके पर जिला प्रचारक विभाष, सुमंत तिवारी, जिला सेवा प्रमुख अनिल एवं जिला मार्ग प्रमुख संतोष राय सहित कई लोग उपस्थित थे।

गुप्ताधाम महोत्सव के सफल आयोजन के लिए चेनारी के लोगों द्वारा सासाराम एसडीएम नेहा कुमारी का किया जा रहा है प्रशंसा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

चेनारी/रोहतास। चेनारी के राम दुलारी गांगा उच्च विद्यालय में गुप्ताधाम महोत्सव सम्पन्न हुए चार दिन हो गए है लेकिन यहां के लोगों के द्वारा महोत्सव का सफल आयोजन को लेकर सासाराम एसडीएम नेहा कुमारी की प्रशंसा किया जा रहा है। बता दें कि चेनारी प्रखंड अंतर्गत कैमूर पहाड़ियों की मनमोहक गोद में स्थित गुप्ताधाम का नाम सर्व विदित है। यहां देश के कोने कोने से श्रध्दालू पवित्र शिवलिंग का जलाभिषेक करने के लिए कठिन रास्ता तय कर आते है। गुप्ता धाम के प्रचार प्रसार के लिए पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन की ओर से प्रत्येक साल शिवरात्रि के आसपास गुप्ता धाम महोत्सव का आयोजन किया जाता है। 21 फरवरी 2026 को आयोजित गुप्ता धाम महोत्सव की सबसे बड़ी खासियत स्थानीय कलाकारों की जमावड़ा थी। जिस महोत्सव का नेतृत्व महिला पदाधिकारी की जिम्मे था। डीएम उदिता सिंह के निर्देशन में सासाराम एसडीम डॉ नेहा कुमारी के कुशल

नेतृत्व में इस बहुत बड़ा महोत्सव का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। चेनारी क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह महोत्सव अब तक का सबसे बड़ा महोत्सव रहा क्योंकि इसमें इस बार सबसे ज्यादा श्रोतागण की भीड़ जुटी थी। एसडीएम नेहा कुमारी के कार्य कुशलता से चेनारी प्रखंड के लोगों ने कहा कि इतनी अच्छी एसडीएम राज्य के सभी अनुमंडल को मिले ताकि इसी तरह जिला अनुमंडल का विकास हो। चेनारी की जनता ने इस महोत्सव की सफल आयोजन के लिए सासाराम एसडीएम डॉ नेहा कुमारी को धन्यवाद भी दिया है। यहां के लोगों को पूरी उम्मीद एवं विश्वास है तेजतर्रार एवं ईमानदार आईएएस ऑफिसर के रहते हुए गुप्ता धाम के साथ-साथ शेरगढ़ किला और दुर्गावती जलाशय परियोजना को भी बहुत ज्यादा विकसित किया जा सकेगा तथा इस क्षेत्र को एक नये पर्यटन हब में पहचान मिलेगा एवं अधिक से अधिक संख्या में पर्यटकों के आने से स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैय्या होगी।

सह शतचंडी महायज्ञ के पांचवें दिन काशी के संतों ने मां काली का विधि-विधान से किया पूजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास। सह शतचंडी महायज्ञ के पांचवें दिन काशी के संतों ने मां काली का विधि-विधान से पूजन किया। इस दौरान जगद्गुरु स्वामी संपत कुमाराचार्य जी ने मौजूद श्रद्धालुओं के साथ मां काली की प्रतिमा लेकर नगर भ्रमण किया। नगर भ्रमण के दौरान "जय मां काली" और "हर-हर महादेव" के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर संतों और मां काली की प्रतिमा का स्वागत किया।

ग्रीन पार्क यज्ञशाला से प्रारंभ हुई शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। आगे-आगे वैदिक मंत्रोच्चार करते आचार्यगण चल रहे थे, जबकि पीछे श्रद्धालु भक्ति गीत गाते हुए शामिल थे। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर मां काली की आराधना की। नगर भ्रमण के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर समिति के सदस्य सक्रिय रहे।

इस अवसर पर जगद्गुरु स्वामी संपत कुमाराचार्य जी ने कहा कि मां काली आदिशक्ति का साक्षात स्वरूप हैं। उनका पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मबल और साहस जागृत करने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि मां काली के पूजन से जीवन में व्याप्त भय, संकट और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है। काली साधना व्यक्ति को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की शक्ति प्रदान करती है और मन में दृढ़ संकल्प उत्पन्न करती है।

स्वामी जी ने कहा कि शतचंडी महायज्ञ जैसे आयोजन वातावरण को पवित्र करते हैं और सामूहिक प्रार्थना से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मां काली की कृपा से घर-परिवार में सुख-शांति, समृद्धि और आरोग्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से मां की आराधना करें और सत्य, सदाचार एवं धर्म के मार्ग पर चलें।

नगर भ्रमण के समापन पर यज्ञशाला में पुनः आरती और हवन हुआ। हजारों श्रद्धालुओं ने मां काली के चरणों में नमन कर आशीर्वाद लिया। आयोजन समिति के अनुसार, महायज्ञ के शेष दिनों में भी विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पांचवें दिन का यह आयोजन भक्तों के लिए आस्था, उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर रहा। काशी से पधारने वालों में आचार्य पंडित सर्वेश्वर पाण्डेय, पंडित बुद्धिसागर, पंडित रंगनाथ पाण्डेय, नर्वदेश्वर पाण्डेय, जय कुमार चौबे, धीरज पाण्डेय, राकेश दुबे, उपकर तिवारी, विंध्याचल और श्रीमन नारायण रहे।

अज्ञात ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की अधेड़ की मौत, एक घायल

♦ **रिश्ते में जीजा व साला थे मृतक व घायल, कुदरा के सकरी गांव के समीप हुई घटना**

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कैमूर। मंगलवार की रात कुदरा थाना क्षेत्र के सकरी गांव के समीप जीटी रोड पार कर रहे बाइक सवार अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहतास जिला के करगहर थाना के बैसपुरा गांव निवासी 43 वर्षीय मनोज कुमार राय के रूप में हुई है। दूसरे बाइक सवार शिवसागर थाना क्षेत्र पड़री गांव निवासी मुन्ना पटेल को गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक व घायल रिश्ते में जीजा और साले बताए जाते हैं। दोनों को निजी एम्बुलेंस से अनुमंडल अस्पताल मोहनियां पहुंचाया गया। जहां चिकित्सक ने मनोज कुमार राय को मृत घोषित कर दिया। घायल मुन्ना पटेल का प्राथमिक इलाज कर चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिये वाराणसी रेफर कर दिया गया। मृतक के बड़े भाई सरोज कुमार राय ने बताया कि मनोज कुमार राय अपने साले मुन्ना पटेल के साथ बाइक पर सवार होकर कुदरा बाजार गए थे। लौटने के क्रम में रात्रि में सकरी गांव के समीप सड़क पार करते समय अज्ञात ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मनोज की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मुन्ना को गंभीर

चोट लगी है। जिनको रेफर किया गया है। इस संबंध में मोहनियां के थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि मंगलवार को कुदरा के सकरी गांव के समीप जीटी रोड पर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हुआ। जिसको रेफर किया गया। शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्यवाही पूरी करने के बाद बुधवार को पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेजा गया।

मासूमों की हिफाजत में लापरवाही नहीं : बच्चों को अकेला छोड़ना बन रहा खतरे की घंटी

बढ़ती घटनाओं के बीच विशेषज्ञों की चेतावनी : अभिभावक बढ़ाएं निगरानी,सुरक्षा को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास। शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में बच्चों से जुड़े हादसों की घटनाओं ने एक बार फिर अभिभावकों को सतर्क कर दिया है । छोटी-सी असावधानी कई बार बड़ी अनहोनी का रूप ले लेती है । विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों को घर,छत,गली या बाजार में अकेला छोड़ना जोखिम को न्योता देने जैसा है । बाल सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार कम उम्र के बच्चे खतरे का आकलन करने में सक्षम नहीं होते । घर के भीतर रसोई गैस,बिजली के खुले तार,पानी से भरे बर्तन,बालकनी और सीढ़ियां दुर्घटना का कारण बन सकती हैं । वहीं बाहर खेलते समय सड़क दुर्घटनाएं,अनजान लोगों से संपर्क या रास्ता भटकने जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं ।मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों की जिज्ञासा स्वाभाविक है,लेकिन यही जिज्ञासा उन्हें जोखिम के करीब ले जाती है । ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को अकेला न छोड़ें,उनकी गतिविधियों पर सतत नजर रखें और समय-समय पर सुरक्षा संबंधी जरूरी बातें समझाते रहें । स्कूल आने-जाने के दौरान विशेष सतर्कता बरतना भी आवश्यक है । प्रशासन और सामाजिक संगठनों ने संयुक्त रूप से लोगों से अपील की है कि यदि कोई बच्चा असुरक्षित या अकेला दिखाई दे तो तत्काल परिजनों या संबंधित अधिकारियों को सूचित करें । सामूहिक जागरूकता ही बच्चों को सुरक्षित माहौल दे सकती है । विशेषज्ञों का स्पष्ट संदेश है कि बच्चों की सुरक्षा समझौते का विषय नहीं हो सकती । थोड़ी-सी सजगता,निरंतर निगरानी और जिम्मेदार व्यवहार से मासूम जिंदगियों को सुरक्षित रखा जा सकता है । आखिरकार बच्चों की हिफाजत ही समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव है ।

होली पर्व भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक हैः आचार्य हरिशरण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रोहतास । होली केवल रंगों का त्योहार नहीं,बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह बातें बिक्रमगंज नगर अंतर्गत वार्ड संख्या 21 धारूपुर निवासी आचार्य हरिशरण दुबे ने होली पर्व की महत्ता पर अपने वक्तव्य में कहीं। आचार्य हरिशरण दुबे ने कहा कि होली हमें आपसी भेदभाव,ईर्ष्या और द्वेष को त्यागकर प्रेम,भाईचारा और सौहार्द के रंग में रंगने का संदेश देती है। उन्होंने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार प्रह्लाद की अटूट भक्ति और होलिका दहन की कथा हमें यह सीख देती है कि अन्याय और अत्याचार का अंत निश्चित है। उन्होंने आगे कहा कि होली सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है। यह पर्व ग्रामीण और शहरी समाज के बीच भी आत्मीयता का सेतु बनता है। आचार्य दुबे ने लोगों से अपील की है कि वे होली में प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें तथा पानी की अनावश्यक बर्बादी से बचें। अंत में उन्होंने सभी नगरवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख,शांति और समृद्धि लेकर आए।

पुलिस सप्ताह अंतर्गत क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कैमूर। पुलिस सप्ताह अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को मोहनियां के जगजीवन मैदान में पुलिस तथा पत्रकार एकादश के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा मोहनियां के सौजन्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस एकादश टीम ने पत्रकार एकादश टीम को 83 रनों से पराजित किया।विजई रही। दोनों टीमों की सहमति से 12-12 ओवरों का मैच खेला गया। पुलिस एकादश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। इस टीम ने 12 ओवरों में दो विकेट खोकर 183 रन बनाए रन

बनाया। मनोरंजन कुमार ने 96 रनों की शानदार पारी खेली। वे अंतिम ओवर में आउट हुए। मोहनियां के डीएसपी प्रदीप कुमार ने दो छक्कों की मदद से 15 रन बनाया। पत्रकार एकादश की टीम 183 रनों का पीछा करते हुए 12 ओवर में आठ विकेट खोकर मात्र 80 रन बना सकी। मनोरंजन कुमार को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। उन्हें ट्राफी व मेडल देकर मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया।पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मोहनियां की एसडीएम रत्ना प्रियदर्शनी उपस्थित रहीं। उन्होंने विजेता व उप विजेता टीम को ट्राफी प्रदान किया। पुलिस एकादश के कप्तान डीएसपी प्रदीप कुमार व पत्रकार एकादश के कप्तान अजय कुमार सिंह ने ट्राफी ग्रहण किया। सभी खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। एसडीएम ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि इस तरह के खेलकूद प्रतियोगिता से आपसी सौहार्द बढ़ता है। खेल भावना जागृत होती है। इस मौके पर बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक व अन्य सहयोगी के साथ मोहनियां के सर्किल पुलिस इंस्पेक्टर सुनील कुमार निर्झर,रामगढ़, कुढ़नी,कुदरा व यातायात थाना के थानाध्यक्ष,समाजसेवी व पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ऑफिस के सामने बीएमएस का प्रदर्शन

बेगूसराय। भारतीय मजदूर संघ (BMS) के बेगूसराय जिला इकाई के बैनर तले श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ अपनी मांगों के समर्थन में डीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन का किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम से मांग पत्र प्रतिनिधि मंडल की ओर से सौंपा गया है। प्रतिनिधि मंडल में भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार, कंस्ट्रक्शन मजदूर संघ बीएमएस के प्रदेश महामंत्री सुनील कुमार, श्रमिक विकास परिषद के महामंत्री प्रवेन्द्र कुमार, बरौनी ताप विद्युत श्रमिक संघ के महामंत्री लालधारी राय, ऑटो चालक संघ के पंकज कुमार सहित अन्य शामिल थे। वक्ताओं ने कहा कि 6 से 8 फरवरी तक जगन्नाथ पुरी में भारतीय मजदूर संघ का अखिल भारतीय अधिवेशन आयोजित किया गया था। उसी अधिवेशन में लिए गए निर्णय के आलोक में मांगों को लेकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत आज डीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया गया है।

कानून में बदलाव की मांग की: हमारी मांग है कि श्रम कानून को बिना किसी अपवाद के सभी श्रमिकों पर सार्वभौमिक रूप से लागू किया जाए। ठेका श्रमिकों के शोषण को खत्म करने के लिए कानून में बदलाव किया जाए। आंगनबाड़ी और आशा कर्मियों को कर्मचारी घोषित करते हुए वेतन और सामाजिक सुरक्षा का फायदा दिया जाए। बैंकों में पांच दिवसीय कार्यप्रणाली हो। सरकारी कर्मियों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए। अष्टम वेतन आयोग का रिपोर्ट समय सीमा के अंदर शीघ्र अनुमोदित कर समय से इसका लाभ मिले। उत्पादकता पर आधारित बोनस की सीमा को न्यूनतम 18 हजार किया जाए। डाक विभाग में कार्यरत करीब 3 लाख ग्रामीण डाक सेवकों को सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पेंशन की सुविधा मिले। प्रदेश में मजदूरों को मिलने वाले लाभ को सुनिश्चित करने के लिए BOCW बोर्ड का गठन अविलम्ब किया जाए। श्रम संसाधन विभाग के सरकारी श्रम पोर्टल को सुचारू रूप से कार्यात्मक किया जाए। श्रम संसाधन विभाग में नए पोर्टल के बनने व सुचारू रूप से कार्यात्मक नहीं होने के कारण हजारों मजदूरों को मिलने वाले फायदा के आवेदन को रद्द कर दिया गया, उसे स्वीकृत कर देय रकम का शीघ्र भुगतान किया जाए।

चिकित्सा योजना को फिर शुरू करने की मांग: चिकित्सा योजना को फिर शुरू किया जाए। परिवहन विभाग की ओर से प्रदेश की राजधानी में शीघ्र रूट परमिट जारी करने के साथ प्रीपेड सुविधा के लिए उचित स्थान मुहैया कराया जाए। बेगूसराय में स्थित औद्योगिक प्रतिष्ठानों में मजदूरों का शोषण एवं दोहन बंद हो। संवेदकों की ओर से बरौनी NTPC में कार्यरत मजदूरों के सैलरी से अवैध रूप से पैसा लेने पर रोक लगे। बेगूसराय में ऑटो-टोटो चालकों से अवैध वसूली बंद किया जाए। जिले में मजदूरी के इलाज के लिए ESI अस्पताल बनाने के लिए आवश्यक पहल हो। प्रदर्शन में घनश्याम शर्मा, पंकज कुमार, कौशल कुमार, अमरजीत गिरी, शम्भू पासवान, गीता निषाद, संगीता देवी, रामचंद्र महतो, रविश कुमार, विपिन कुमार और डॉ. कैलाश मंत्री सहित संगठित व असंगठित संघ के मजदूर शामिल थे।

गंभीर रूप घायल युवक की इलाज के क्रम में मौत

अररिया। जिले के बौसी थाना क्षेत्र में गंभीर रूप से घायल मिले युवक की इलाज के दौरान बुधवार को मौत हो गई। परिजनों ने प्रेम प्रसंग के चलते लड़की के परिजनों पर पिटाई कर हत्या करने का आरोप लगाया है। मंगलवार शाम को नरपतगंज के डुमरिया वार्ड संख्या 12 निवासी संजय दास के 18 वर्षीय पुत्र अमर कुमार दास घायल अवस्था में मिला था,जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था।लेकिन उनकी नाजुक हालत देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया था। हायर सेंटर भागलपुर ले जाने के क्रम में ही रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।मृतक इंस्ट्राग्राम पर हुए प्यार में प्रेमिका से मिलने के लिए उसके घर पहुंचा था,जहां परिजनों ने देख उसकी जमकर पिटाई कर दी थी और बेहोशी हालत में सड़क के किनारे झाड़ी में फेंक दिया था। मृतक नरपतगंज थाना क्षेत्र के डुमरिया वार्ड संख्या 12 निवासी संजय दास के 18 वर्षीय पुत्र अमर कुमार दास है,जो बीए पार्ट 2 का छात्र था और अपने माता-पिता का इकलौता बेटा तथा तीन बहनों में इकलौता भाई था। परिजनों ने बताया कि मंगलवार दोपहर को अमर एक हजार रुपये लेकर फारबिसगंज कॉलेज के लिए निकला था। जानकारी के अनुसार, अमर बौसी थाना क्षेत्र के एक गांव में अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। जहां प्रेमिका के परिजनों और स्थानीय लोगों ने उसे देख लिया। उन्होंने अमर को घेरकर जमकर पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय थाना पुलिस ने उसे तुरंत रानीगंज रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां से बेहतर इलाज के लिए अररिया सदर अस्पताल रेफर किया गया। अररिया सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए पूर्णिया रेफर कर दिया। पूर्णिया में भी स्थिति गंभीर बनी रहने पर उसे भागलपुर रेफर किया गया, लेकिन भागलपुर ले जाते समय रास्ते में ही अमर कुमार दास की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर नरपतगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृत युवक के परिजनों से जानकारी ली और शव को कब्जे में लेकर बुधवार दोपहर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा।पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

तीन गाड़ियां टकराईं, पति-पत्नी समेत छह की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में मंगलवार देर शाम तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं, जिसमें पति-पत्नी समेत 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 9 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा नवगछिया के खरिक थाना क्षेत्र स्थित बगड़ी पुल के पास हुआ। जहां बस और पिकअप में टक्कर हुई, जिसके बाद बस ई-रिक्शा से टकरा गई। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार तीन लोग और पिकअप पर सवार शख्स की जान चली गई। पिकअप पर 15 मजदूर सवार थे, जो इस हादसे में जख्मी हुए हैं। मृतकों की पहचान खगड़िया के मोरकाही थाना क्षेत्र निवासी अमन निषाद के बेटे कुणाल कुमार (6), कटिहार के पोठिया चमेली निवासी अरविंद मंडल (40), भागलपुर के नवगछिया इस्माइलपुर निवासी पूर्मी देवी (35) और उनके पति सुनील दास (40) के तौर पर हुई है। इनके अलावा सोनू और रूपेश की इलाज के दौरान मायागंज अस्पताल में मौत हो गई है। पूर्मी- सुनील के 5 बच्चे अनाथ हो गए है। दोनों पति-पत्नी की अर्थी एक साथ उठी है। इस हादसे में ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। जबकि

बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। पिकअप के आगे का हिस्सा भी बुरी तरह डैमेज हुआ है।

कैसे हुआ हादसा: खगड़िया से नवगछिया की ओर आ रही बस ऑटो को ओवरटेक कर रही थी। तभी सामने से आ रही पिकअप वैन में बस ने जोरदार टक्कर मार दी। पिकअप बिहपुर की तरफ जा रही थी। टक्कर मारने के बाद बस ने ऑटो में टक्कर मारी, जिससे ऑटो के परखच्चे उड़ गए। बस की रफ्तार 100 किमी प्रतिघंटे से ज्यादा थी। हादसे के बाद बस, पिकअप और टोटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

अब जानिए ग्राउंड जीरो पर रिपोर्टर ने क्या देखा: हादसे के महज आधे घंटे बाद मौके पर भास्कर रिपोर्टर पहुंचे। जहां सबसे पहले टोटो के ऊपरी हिस्से के पार्ट पूरी तरह क्षतिग्रस्त मिले। पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त था। बस का अगला हिस्सा भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त था। कुछ लाशें सड़क पर बिखरी पड़ी थीं। हादसे में सुरक्षित बचे लोग घायलों को किसी तरह संभाल रहे थे। राहगीरों ने घटना की जानकारी पुलिस और एंबुलेंस को दी। सभी घायलों को आधा दर्जन एंबुलेंस से नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल और भागलपुर के मायागंज अस्पताल भेजा गया। मौके पर सिर्फ क्षतिग्रस्त वाहन, खून के धब्बे, बच्चों की चप्पलें और इलाज से जुड़े कुछ कागजात पड़े थे, जिनसे मृतकों की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दी।

हादसे की वजह तेज रफ्तार: दरअसल, जिस जगह यह हादसा हुआ वह दयालपुर मोड़ कहलाता है। टर्निंग प्वॉइंट पर यह हादसा हुआ। पिकअप तेज रफ्तार में थी। टोटो में टक्कर मारी, उसी दौरान 70 की रफ्तार से आ रही एक अनियंत्रित बस ने पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी।

तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर पलटी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र में आज बाईपास रोड स्थित फोरलेन मार्ग पर सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक बाइक से जा रहे थे, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को संभाला। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना सुल्तानगंज थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल सुल्तानगंज पहुंचाया गया।

मायागंज हॉस्पिटल किया रेफर: रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें मायागंज स्थित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल रेफर कर दिया। घायल युवकों की पहचान

♦ **दो युवक घायल, बाईपास रोड के फोरलेन पर हुआ एक्सीडेंट**

बांका जिले के शंभुगंज थाना क्षेत्र निवासी रमण कुमार और बादल कुमार के रूप में हुई है। सुल्तानगंज पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार और संतुलन खोना हादसे की वजह मानी जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और घटना के बाद परिजनों को भी सूचना दे दी गई है।

हाथ से मैला उठाने पर पूर्ण प्रतिबंध के सख्त निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बांका। बांका समाहरणालय के मिनी सभागार में जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला की अध्यक्षता में मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम, 2013 के अंतर्गत जिला स्तरीय निगरानी समिति की वर्ष 2026 की पहली बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में हाथ से मैला उठाने की प्रथा पर पूर्ण प्रतिबंध तथा संबंधित कर्मियों के पुनर्वास की स्थिति की समीक्षा करना था।

समिति के सदस्यों से प्रत्येक माह रिपोर्ट ली जाएगी: जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिनियम, 2013 के तहत गठित जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति के सभी सदस्यों से प्रत्येक माह अद्यतन रिपोर्ट अनिवार्य रूप से ली जाए। उन्होंने दोहराया कि हाथ से मैला उठाने वाले किसी भी व्यक्ति का नियोजन पूरी तरह प्रतिबंधित है और यदि कहीं यह प्रथा पाई जाती है, तो तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक

में जागरूकता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए। स्थानीय समाचार पत्रों, प्रचार माध्यमों और अन्य संसाधनों के जरिए आम जनता को इस अमानवीय प्रथा के दुष्परिणामों और संबंधित कानून की जानकारी देने पर जोर दिया गया।

चौक-चौराहों पर लगे जागरूकता के लिए होर्डिंग: जिला पदाधिकारी ने सभी शहरों, नगरों और ग्रामों के लिए हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों की एक अंतिम समेकित सूची तैयार कर उसका प्रकाशन करने का भी निर्देश दिया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, जिला कल्याण पदाधिकारी ने मैनुअल सीवर सफाई कर्मियों की सीवरेज कार्य के दौरान मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में देय मुआवजे की जानकारी दी। बैठक में पुलिस अधीक्षक बांका, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बांका, बेलहर व बौसी, जिला कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी, सदस्य और कर्मी उपस्थित थे। अंत में, सभी अधिकारियों को प्रत्येक बैठक में अनुपालन रिपोर्ट के साथ उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया।सदस्यों ने चौक-चौराहों और महत्वपूर्ण स्थानों पर जागरूकता के लिए होर्डिंग लगाने का भी अनुरोध किया।

ममता बनर्जी बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं। बंगाल की पहचान को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही हैं। बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। सिर्फ झूठ बोलने का ठेका लेती हैं और जो काम करना चाहिए वो नहीं कर रही हैं। बांग्लादेशी मुसलमान को बसाने के लिए इनके पास पूरा समय है और बंगाल को बांग्लादेश बनाने की पूरी योजना है। वहां के लोगों को बेरोजगार बना रही हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसा करके वहां लोगों का माइंड डाइवर्ट करना चाहती हैं। मोदी सरकार कभी किसी भी राज्य से दो तरह की व्यवहार नहीं करती है। बंगाल में घुसपैठ और अवैध गतिविधियों को संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे सामाजिक संतुलन बिगड़ रहा है। केंद्र सरकार सभी राज्यों के साथ समान व्यवहार करती है और संविधान के दायरे में रहकर निर्णय लेती है। एनसीईआरटी ने आठवीं क्लास के सिलेबस में बदलाव किया है, इस पर गिरिरिज सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में समय-समय पर बदलाव आवश्यक है। ताकि छात्रों को संतुलित और तथ्यात्मक जानकारी मिल सके। कांग्रेस पार्टी और पंडित नेहरू ने जो पाप किया उसका खामियाजा देश भुगत रहा है। इसके लिए गांधी फैमिली, सोनिया गांधी, राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। विभाजन के बाद जो शैक्षणिक स्तर था, किताबें थी, उसमें केवल मुगलों को पढ़ाते रहे, मुगलों के गुण गाथा गाते रहे। यह दुर्भाग्य रहा कि विभाजन के बाद भारत के राष्ट्र पुरुषों को महिमा मंडित नहीं कर मुगलों को ही महिमा मंडित करते रहे। अब मोदी सरकार धीरे-धीरे उनके गलतियों को ठीक कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि नई शिक्षा नीति-पाठ्यक्रम में बदलाव का उद्देश्य छात्रों को भारत के समग्र इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है। किसी भी महापुरुष का अपमान करना सरकार का उद्देश्य नहीं है, बल्कि तथ्यों के आधार पर संतुलित शिक्षा देना लक्ष्य है। इसी दिशा में काम हो रहा है।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई–एलएचएस–24ए–12ई–12ए–3, दिनांक: 24.02.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं.: एसडीएसटीई–एलएचएस–24ए–12ई–12ए–3 के तहत खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल– निम्नलिखित के संबंध में सिग्नलिंग कार्य–शेड्यूल ए1– एईएन/आजिमगंज के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 24ए/12(ई) के बदले नए सीमित ऊँचाई के सबवे के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। शेड्यूल ए2– एईएन/आजिमगंज के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 24ए/12(ई) के बदले नए सीमित ऊँचाई के सबवे के निर्माण के लिए टेलीकम लागत। शेड्यूल बी1– एईएन/नबद्वीप धाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 12ए/3 के बदले नए सीमित ऊँचाई के सबवे के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। शेड्यूल बी2–एईएन/नबद्वीप धाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 12ए/3 के बदले नए सीमित ऊँचाई के सबवे के निर्माण के लिए टेलीकॉम लागत। **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 2,60,49,084.22, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** रु. 2,80,300/–, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **समापन अवधि:** 12 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 06.03.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 20.03.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

HWH-644/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

भूकंप से बचाव के लिए दो दिन का मॉक ड्रिल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) नई दिल्ली के निर्देश पर बेगूसराय जिला प्रशासन ने अपने स्तर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। भूकंप जैसी संभावित प्राकृतिक आपदा की स्थिति में राहत-बचाव कार्यों की तैयारियों का आकलन करने के लिए दो दिवसीय टेबल टॉप एक्सरसाइज और मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। डीएम श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि यह अभ्यास दो चरणों में होगा। आज टेबल टॉप एक्सरसाइज (TTEX) आयोजित की जाएगी। जिसमें संबंधित विभागों के पदाधिकारी आपदा की काल्पनिक स्थिति में समन्वय, संसाधन प्रबंधन एवं त्वरित निर्णय प्रक्रिया का अभ्यास करेंगे। 26 फरवरी को फिजिकल मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। जिले के पांच प्रमुख जगहों को इस अभ्यास के लिए चयनित किया गया है। जिसमें सदर अस्पताल, सदर अनुमंडल परिसर, बीपी इंटर स्कूल, रिलायंस स्मार्ट बाजार और बरौनी रिफाइनरी शामिल हैं। इन स्थानों पर भूकंप की काल्पनिक स्थिति निर्मित कर विभिन्न विभागों की तत्परता, संसाधनों की उपलब्धता एवं आपसी समन्वय का परीक्षण किया जाएगा। आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने के लिए जिला मुख्यालय के गांधी स्टेडियम को मुख्य राहत शिविर एवं आश्रय स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। इसी परिसर में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की जाएगी, जहां से संपूर्ण गतिविधियों की निगरानी और समन्वय किया जाएगा।

मेडिकल टीम तैनात रहेगी: मॉक ड्रिल के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी चयनित स्थानों पर मेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। PHED की ओर से राहत शिविरों में स्वच्छता, पेयजल एवं चलंत शौचालयों की व्यवस्था की जाएगी।

अफवाह से बचने की अपील: यातायात प्रबंधन, ग्रीन कॉरिडोर निर्माण और आवश्यक वाहनों की उपलब्धता की जाएगी। फायर ब्रिगेड एवं SDRF की टीम आगजनी नियंत्रण, मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित निकालने के अभ्यास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

गोदाम का ताला तोड़ दरवाजा काटकर लाखों की संपत्ति की चोरी

अररिया। शहर के व्यस्ततम इलाके अस्पताल रोड स्थित काली मेला मोड़ के समीप मेसर्स गंगा प्रसाद एंड संस के गोदाम में अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने पहले गोदाम का ताला तोड़ा और फिर लोहे का दरवाजा काटकर अंदर प्रवेश किया, जिसके बाद लाखों रुपये मूल्य के सामान पर हाथ साफ कर फरार हो गए। घटना की जानकारी सोमवार सुबह उस समय हुई जब गोदाम खोला गया। दरवाजा कटा हुआ देख व्यवसायी और आसपास के लोग सन्न रह गए। अंदर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और कई कीमती मोटर एवं लोहे के एंगल गायब थे। गोदाम के प्रोपराइटर चंदन भगत ने बताया कि चोर कुल पांच मोटर चुरा ले गए हैं। उन्होंने बताया कि चोरी गई मोटरों में एक मोटर की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये है। इसके अलावा लगभग दो लाख रुपये मूल्य का लोहे का एंगल भी गायब है। प्रथम दृष्टया कुल 8 से 10 लाख रुपये की संपत्ति की चोरी का अनुमान लगाया जा रहा है। चंदन भगत ने बताया कि गोदाम पूरी तरह बंद था और रात में कोई असामान्य गतिविधि की जानकारी नहीं मिली। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने पहले रेकी की और फिर सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। इधर घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। अनि लक्ष्मण राम पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की बारीकी से जांच की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा संभावित साक्ष्य जुटाए। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। व्यवसायियों ने रात्रि गश्ती तेज करने और बाजार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

बर्ड फ्लु (एवियन इन्फ्लूएंजा) के संबंध में आवश्यक तथ्य एवं जानकारी

सामान्य जानकारी
- यह वायरस जनित पक्षियों की बीमारी है जो मुख्यतः जंगली जलीय पक्षियों में स्वाभाविक रूप से होते हैं।
- बर्ड फ्लू मुख्यतः मुर्गियों का बड़ा ही संक्रामक रोग है। संक्रमित पक्षी के सम्पर्क में आने से यह संक्रमण मनुष्यों में फैल सकता है। यह अत्यन्त संक्रामक वायरस जनित रोग है। जिसके कारण मुर्गी पालन व्यवसाय को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।
- मनुष्य खासकर बच्चे, अगर बीमार पक्षी की (म्यूकस), बीट और पंखों के सम्पर्क में आ जायें तो उनमें संक्रमण फैल सकता है।
- मनुष्यों में बर्ड फ्लू के लक्षण साधारण फ्लू से मिलते–जुलते हैं। जैसे कि साँस लेने में तकलीफ, तेज बुखार, जुकाम और नाक बहना, ऐसी शिकायत होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र को तुरंत इसकी सूचना दें।
- **सामान्यतः बर्ड फ्लू का वायरस 70°C तापमान पर नष्ट हो जाता है। किसी स्थान पर बर्ड फ्लू रोग की पुष्टि होने पर भी अण्डे व चिकन 70°C तापमान पर पकाकर खाने में कोई नुकसान नहीं हैं।**

इससे डरें नहीं सावधानियाँ बरतें
- बीमार मुर्गियों के सीधे सम्पर्क में न आयें। दस्ताने या किसी भी अन्य सुरक्षा साधन का इस्तेमाल करें। बीमार पक्षियों के पंख, श्लेष्मा (म्यूकस) और बीट को न छुयें। छुये जाने की स्थिति में साबुन से तुरंत अच्छे तरीके से हाथ धोयें।
- मुर्गियों को बाड़े में रखें। संक्रमित पक्षियों को मार कर उनका सुरक्षित निपटान करें। बीमार अथवा मरे हुए पक्षी की सूचना निकटतम पशु चिकित्सालय को तुरंत दें। ऐसा करना जन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

मुर्गे–मुर्गियों के संक्रामक रोगों से बचाव के लिए सोने–से खरे कुछ उपाय
पक्षियों को रानीखेत गम्बोरो और बर्ड फ्लू जैसी कई बीमारियां हो सकती है। ये बीमारियां एक पक्षी से दुसरी पक्षी में व दूषित पानी से अथवा प्रभावित पक्षी के मल–मूत्र, पंखों आदि के जरिये पूरे झुंड को तेजी से प्रभावित कर सकती है। मुर्गी पालन से जुड़े होने के नाते आप अच्छी तरह जानते हैं कि अपने पक्षियों को इन बीमारियों से बचाना कितना महत्वपूर्ण है।

आइये अपने पक्षियों के साथ–साथ अपने बचाव के लिए निम्नलिखित तरीके अपनाएँ :

1. **बाड़े में सुरक्षित रखें :** अपने पक्षियों को बाड़े में रखिये, केवल आपकी पौल्ट्री फार्म की देखभाल करने वालों को ही पक्षियों के पास जाना चाहिए। अनावश्यक लोगों को बाड़े में प्रवेश न करने दें। अपने मुर्गे–मुर्गी को दूसरे पक्षियों/पशुओं के सम्पर्क में न आने दें। दो प्रजातियों के पक्षियों को एक ही बाड़े में न रखें।
2. **साफ–सफाई रखें :** पक्षियों के बाड़े में और उसके आसपास साफ–सफाई बहुत जरूरी है। इस प्रकार जीवाणु और विषाणुओं से बचा जा सकता है, पक्षियों के बाड़ों को साफ–सुथरा रखें। अपने पौल्ट्री फार्म/बाड़े को नियमित रूप से चूने अथवा कीटाणुनाशक दवाओं को छिड़काव कर संक्रमण मुक्त करते रहें।
3. **आहार एवं पेयजल व्यवस्था :** पक्षियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल और संतुलित आहार दें। पक्षियों का भोजन एवं पेयजल रोजाना बदलें व पेयजल और भोजन के बर्तनों की नियमित साफ–सफाई करें।
4. **अपने पौल्ट्री फार्म में बीमारियों को प्रवेश करने से रोकें :** अपने आपको और बाजार या अन्य फार्मों में अन्य पक्षियों के संपर्क में आने वाली हर चीज की साफ–सफाई रखें। नये पक्षी को कम–से–कम 30 दिनों तक अपने स्वस्थ पक्षियों से दूर रखें। बीमारी को फैलने से रोकने या बचाव के लिए पौल्ट्री के संपर्क में आने से पहले और बाद में अपने हाथ, कपड़ों और जूतों को धोयें तथा संक्रमण मुक्त करें।
5. **बीमारी उधार न लें :** यदि आप अन्य फार्मों से उपकरण या पक्षी लेते हैं तो अपने स्वस्थ पक्षियों के संपर्क में आने से पहले भली भांति उनकी सफाई करें और संक्रमण मुक्त करें। अनावश्यक लोगों व अन्य फार्म पर कार्यरत मजदूरों एवं वाहनों को अपने फार्म पर प्रवेश न दें।
6. **लक्षणों को पहचानें :** अपने पक्षियों पर नजर रखें, यदि पक्षियों की आंख, गर्दन और सिर के आस–पास सूजन है और आँखों से रिसाव हो रहा है, कलनी और टांगों में नीलापन आ रहा है, अचानक कमजोरी, पंख गिरना बढ़ रहा है और पक्षियों की हरकत में कमी आ रही है, पक्षी आहार कम ले रहे हैं व अण्डे भी कम दे रहे हैं और असामान्य रूप से अधिक पक्षी मर रहे हैं, तो यह सब खतरे के संकेत हैं। यदि पक्षियों में ऐसे असामान्य लक्षण दिखाई देते है तो इसे छुपायें नहीं क्योकि यह आपके परिवार के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
7. **बीमार पक्षी की सूचना :** अपने पक्षियों की हर असामान्य बीमारी अथवा मौत की सूचना निकटतम पशु चिकित्सालय को तत्काल दें।

PR No.- 025103 (Animal)D. 2025-26

विशेष जानकारी के लिए पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना के नियंत्रण कक्ष के दुरभाष सं. 0612–2226049 पर संपर्क करें।
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, पशुपालन सूचना एवं प्रसार कार्यालय, बिहार, पटना द्वारा जनहित में प्रचारित

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

प्रभारी ने फाइलेरिया अभियान का किया निरीक्षण

गड़हनी। स्थानीय गड़हनी प्रखंड में चल रहा फाइलेरिया मुक्त अभियान का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील महेंद्र कपूर ने अपने टिम के साथ बगवां गांव में घर - घर जाकर निरीक्षण किया। घरों में जाकर जांच कर रहे थे और लोगों से जानकारी ले रहे थे की फाइलेरिया दवा खिलाने को लेकर कर्मी आए थे या नहीं। साथ ही साथ जीतने घरों में निरीक्षण किया सभी लोगों से आग्रह किया गया कि आप लोग फाइलेरिया का दवा जरूर खाए।इस दवा खाने से कोई नुकसान या दुष्प्रभाव नहीं है। बता दें कि ये अभियान 10 फरवरी से चल रहा है और 27 फरवरी तक चलेगा। अभी तक 93050 लोगो को दवा खिलाया जा चुका है। ये दवा सिर्फ गर्भवती महिलाओं व दो साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं देना है। अभियान का उद्देश्य है कि पूरे भारत से फाइलेरिया रोग को समाप्त कर देना है। जब तक एक भी रोगी मिलते रहेंगे फाइलेरिया अभियान चलता रहेगा।

सोशल मीडिया पर किशोरों के लिए बैन की मांग की

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन ने सोशल मीडिया पर किशोरों की बैन की मांग सरकार से की है। उन्होंने ने कहा कि पिछले वर्ष दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया ने किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की पहल की थी। इसके बाद फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन और डेनमार्क ने भी जल्द ही अपनी नीति घोषित करने के संकेत दिए हैं। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका के आठ राज्यों में किशोरों को सोशल मीडिया से अलग रखने संबंधी विधेयक पेश किए गए हैं। मुनमुन ने कहा कि छोटे बच्चों पर सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। अत्यधिक मोबाइल उपयोग से बच्चों के मस्तिष्क विकास की गति प्रभावित हो सकती है। भाषा सीखने की क्षमता में कमी, पढ़ाई में रुचि घटने और याददाश्त कमजोर होने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया के कारण बच्चों की रचनात्मकता और एकाग्रता में गिरावट देखी जा रही है। परिवार के साथ संवाद कम हो रहा है और दोस्तों के साथ खेलकूद की गतिविधियां भी घट रही हैं। स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए उन्होंने बताया कि लंबे समय तक मोबाइल स्क्रीन देखने से आंखों में जलन, सूखापन और धुंधलापन की समस्या बढ़ रही है। मोबाइल की नीली रोशनी नींद के हार्मोन को प्रभावित करती है, जिससे नींद की गुणवत्ता खराब होती है। इसके अलावा लगातार झुककर मोबाइल देखने से गर्दन और रीढ़ की हड्डी में दर्द तथा बैठने की गलत मुद्रा की समस्या भी बढ़ रही है।

वीर कुंवर सिंह विवि में भारतीय ज्ञान परंपरा पर हुआ व्याख्यान

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान स्नातकोत्तर विभाग में मंगलवार को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के शिक्षाविद प्रोफेसर आर. पी. पाठक का आगमन हुआ। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा: कौटिल्य से लेकर वर्तमान तक विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो डॉ कुंदन कुमार सिंह के उद्बोधन से हुई। उन्होंने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए भारतीय बौद्धिक परंपरा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता प्रो. आरपी पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को सही मायनों में समझने के लिए हमें अपने मूल विचारकों और परंपराओं को जानना होगा। उन्होंने कौटिल्य से लेकर आधुनिक काल तक भारतीय ज्ञान परंपरा की निरंतरता को रेखांकित करते हुए कहा कि पश्चिम से सीखना गलत नहीं है।

2 हजार लीटर डीजल चोरी करते दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

आरा। गजराजगंज थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जमीन के अंदर जा रहे इंडियन आयल कंपनी के पाइप लाइन से 2 हजार लीटर लीटर डीजल को चोरी करते गजराजगंज थाना की पुलिस ने तेल से भरा पिकअप गाड़ी और 2 हजार लीटर डीजल तेल के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में उत्तर प्रदेश के कन्नौज के रहने वाले प्रेम सागर के पुत्र सुनील कुमार और अगियाव बाजार थाना क्षेत्र के अमेहता गांव के निवासी चंद्रमा कुमार के पुत्र सुनील कुमार है। नवादा बेन के पास जमीन के अंदर से जा रहे इंडियन कंपनी के तेल के पाइपलाइन को किसी ड्रिल मशीन से छेद कर 2 हजारलीटर तेल चुरा लिया था। गजराजगंज थाना के थानाध्यक्ष चंचल कुमार ने बताया कि गजराजगंज थाना क्षेत्र के पकरिया बार में कुछ दिन पहले एक युवक की हत्या कर दी गई थी। जिसने घटना में शामिल 5 आरोपी फरार चल रहे थे। इसके बाद पुलिस में एक सप्ताह पहले गांव में उनके घर पर इश्तिहार चस्पाया था। उसी के दबाव में आकर 4 आरोपियों माननीय न्यायालय में समर्पण कर दिया 80 लीटर देसी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार गजराजगंज थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के हाईवे के पास वाहन जांच के क्रम में एक बाइक से 80 लीटर देसी शराब को जप्त करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार आरोपी बिहिया थाना क्षेत्र के टिपुरा गांव के निवासी रमेश कुमार है।

होली में अश्लील गाने व डीजे बजाए तो खैर नहीं

बक्सर। मंगलवार को होली पर्व के मद्देनजर को सदर एसडीएम अविनाश कुमार ने अनुमंडल कार्यालय कक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीपीओ गौरव पांडेय, सभी थानाध्यक्ष, सीओ, बीडीओ तथा शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में होली के दौरान अनुमंडल क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की गई। सदर एसडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि होली के अवसर पर पूरे अनुमंडल क्षेत्र में डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा और सभी थानाध्यक्ष इसे सख्ती से लागू कराएंगे। संवेदनशील स्थलों पर पुलिस पदाधिकारियों और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का आदेश भी जारी किया गया है। शांति समिति के सदस्यों के आग्रह पर प्रशासन ने शहर के प्रमुख गंगा घाटों पर विशेष निगरानी और चौकसी बढ़ाने का आश्वासन दिया।

सड़क सुरक्षा व विधि व्यवस्था समेत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

बक्सर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर के सभाकक्ष में डीएम साहिला ने जिला सड़क सुरक्षा समिति, परिवहन विभाग, नीलाम पत्र वाद, मद्य निषेध, खनन, विधि व्यवस्था, भू-विवाद, लोक शिकायत निवारण अधिकार एवं लोक सेवा केंद्र की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर सीओ नावानगर से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया गया। डीएम ने कहा कि भू-समाधान पोर्टल के माध्यम से भूमि विवादों का निपटारा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी सीओ व थानाध्यक्षों को साप्ताहिक बैठक कर प्राप्त परिवादों की शत-प्रतिशत प्रविष्टि पोर्टल पर करने तथा संवेदनशील मामलों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। नीलाम पत्र वाद की समीक्षा में बड़े बकायेदारों के विरुद्ध बॉडी वारंट के अनुपालन और वसूली अभियान चलाने को कहा गया। सड़क सुरक्षा के तहत नगर परिषद बक्सर व डुमरांव क्षेत्र में जाम वाले स्थानों पर क्विक रिस्पांस टीम गठित कर नो-व्हीकल जोन से वाहनों को हटाने तथा फुटपाथी दुकानदारों को वेंडिंग जोन में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया।

संबंधन समिति की बैठक में 26 कॉलेजों के प्रस्तावों को मंजूरी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में सत्र 2026-30 के लिए नवसंबंधन, अस्थायी संबंधन एवं दीर्घकरण के लिए 32 कॉलेजों ने आवेदन किया था। ये कॉलेज भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिले के हैं। संबंधन समिति की बैठक में 26 कॉलेजों के आवेदन को स्वीकार किया गया। इसमें 20 कॉलेजों को स्थाई संबंधन और 6 कॉलेजों को नव संबंधन मिला। विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नवसंबंधन के लिए 12 कॉलेजों ने आवेदन किया था। इनमें से छह कॉलेजों के प्रस्ताव को कमेटी ने अस्वीकृत कर दिया है। एलएलबी और बीएड शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय को मिले एनओसी के प्रस्ताव को पूर्व में कमेटी ने अस्वीकृत कर दिया।

दिल्ली से अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरफ्तार, डॉक्टर से 19 लाख की ठगी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आरा साइबर पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक डॉक्टर से 19 लाख की ठगी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। अंतरराज्यीय गिरोह के मास्टरमाइंड उपेंद्र सिंह को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया है। एसपी राज के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने कार्रवाई की है। आरोपी मूल रूप से राजस्थान के भरतपुर का रहने वाला है। फिलहाल दिल्ली के मॉडल टाउन थाना क्षेत्र के विजयनगर मोहल्ले में रह रहा था। उसके पास से एक मोबाइल भी बरामद हुआ है। साइबर डीएसपी स्नेह सेतू ने बताया कि यह वही गिरोह है, जिसने आरा सदर अस्पताल में तैनात डॉक्टर डॉ. राम निवास को फर्जी एटीएस अधिकारी बनकर फोन किया था। उन्हें गिरफ्तारी वारंट का भय दिखाकर 19 लाख रुपए ठग लिए थे। इस मामले में इससे पहले 25 अक्टूबर 2025 को इसी गिरोह के दो अन्य सदस्य दिल्ली के आजादपुर लालबाग निवासी दलीप कुमार और आदर्श नगर के राणा प्रताप रोड निवासी जिशान खान की गिरफ्तारी हुई था। दोनों ने पूछताछ में उपेंद्र सिंह का नाम मुख्य सरगना के रूप में उजागर किया था।

बैंक के डिप्टी मैनेजर की संलिप्तता: जांच के दौरान पता चला कि गिरोह के सदस्य कमीशन के आधार पर अपने खातों में ठगी की रकम मंगवाते थे और बाद में बैंक से निकाल लेते थे। बैंक के सीसीटीवी फुटेज में दोनों आरोपी रकम निकालते हुए देखे गए थे। इस पूरे नेटवर्क में एक बैंक के डिप्टी मैनेजर अविनाश की संलिप्तता भी सामने आई, जो कथित रूप से पैसे लेकर फर्जी खाते खुलवाने में मदद करता था।

ठगी का एहसास होने पर मामला दर्ज कराया: 26 जून 2025 को डॉक्टर राम निवास को एक कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को एटीएस अधिकारी बताते हुए कहा कि एक अपराधी के पास से उनका आधार कार्ड और मोबाइल नंबर मिला है। पुणे की अदालत से उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। डर से डॉक्टर ने खाते में 19 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। बाद में ठगी का एहसास होने पर उन्होंने एक जुलाई 2025 को साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई।

आरोपियों के खाते में 7-7 लाख भेजे गए: तकनीकी जांच में पुलिस ने पाया कि ठगी की रकम पहले महाराष्ट्र के नागपुर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में नीतिन नरेंद्र के खाते में भेजी गई, फिर वहां से सात-सात लाख रुपए दिल्ली के आरोपियों के खातों में ट्रांसफर किए गए। इस पूरी कार्रवाई में डीएसपी स्नेह सेतू के साथ इंस्पेक्टर राकेश रंजन, दरोगा गांधी नाथ पाठक और स्वाती कुमारी समेत अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही। फिलहाल पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

खुरहा एन मुंहपका अभियान का राज्य स्तरीय टीम ने किया निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गड़हनी। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के द्वारा चलाया जा रहा मुंहपका व खुरहा टीकाकरण अभियान का राज्य स्तरीय टीम ने प्रखंड के कुरकुरी गांव में पशुपालकों के घर जाकर निरीक्षण किया। पशुपालकों के घर पशुओं को कर्मियों के द्वारा किए जा रहे टीकाकरण अभियान का पूरा जानकारी लिया और पशुपालकों को टीकाकरण कराने को लेकर जागरूक किया। साथ ही कहा कि खुरहा व मुंहपका रोग पशुओं के लिये बहुत खतरनाक व घातक रोग है इसको बचाव को लेकर " नि शुल्क एफएमडी टीकाकरण" कार्यक्रम" चरण-6 चलाया जा रहा है। टीकाकरण अभियान निरीक्षण के बाद जांच टीम ने अभियान को संतोष जनक बताया।राज्य स्तरीय टीम में डा० कुमारी प्रमिला सिन्हा, डॉ स्मिता कुमारी व गड़हनी पशुपालन पदाधिकारी के सी निराला शामिल थे। निरीक्षण के दौरान उपस्थित नोडल पदाधिकारी चन्द्रकान्त कुमार निराला ने बताया कि निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि पशुपालकों से सीधा संवाद कर टीकाकरण के बारे में विशेष जानकारी प्राप्त करना है। साथ ही टीकाकरण के दौरान टीके की कोल्ड चेन प्रबंधन और उसकी अपलोडिंग की जांच करना है। पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि 18200 टीका आया हुआ है।

सदर अस्पताल से 2 महिला दलाल को पकड़ा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आरा सदर अस्पताल प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई है। सुरक्षाकर्मियों ने 2 महिला दलालों को पकड़ा है। लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि कुछ महिलाएं मरीजों को बरगलाकर बाहर के निजी क्लीनिकों में डिलीवरी के लिए ले जाती हैं। मंगलवार को वार्ड में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर सुरक्षा में तैनात टीम ने सतर्कता बरतते हुए दो महिलाओं को रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद टाउन थाना पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया।

सख्त कदम उठाए जा रहे हैं: अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. एम. एच. अंसारी ने बताया कि पकड़ी गई महिलाएं लेबर वार्ड और अस्पताल परिसर में आने वाले मरीजों को बहला-फुसलाकर बाहर ले जाकर अवैध तरीके से इलाज करवाती थीं, जबकि सदर अस्पताल में 24 घंटे प्रसव और जांच की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ऐसे दलालों पर नकेल कसने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और पकड़ी गई दोनों महिलाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कानूनी कार्रवाई की मांग: सभी डॉक्टरों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जब सभी जांच और दवाइयों की सुविधा अस्पताल में उपलब्ध है, तो बाहर की जांच या दवा न लिखें, ताकि दलालों की भूमिका खत्म की जा सके। पकड़ी गई दोनों महिलाओं की पहचान फूल कुमारी और नंदनी कुमारी के रूप में हुई है। इस मामले में टाउन थाना में लिखित आवेदन देकर दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। आवेदन में यह भी बताया गया है कि दोनों महिलाएं आए दिन अस्पताल परिसर में घूमती थी और मरीजों को बहलाकर बाहर भेजती थी। जिसका प्रमाण सीसीटीवी फुटेज में भी देखा जा सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अस्पताल प्रशासन ने साफ किया है कि मरीजों के हितों से खिलवाड़ करने वाले ऐसे दलालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

वरमाला के दौरान दुल्हन को युवक ने मारी गोली

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बिहार के बक्सर में वरमाला के दौरान स्टेज पर दुल्हन को उसके प्रेमी ने गोली मारी और वहां से फरार हो गया। दुल्हन को सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी गंभीर हालत देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया गया है। यहां उसका ऑपरेशन किया जा रहा है। घटना मंगलवार रात की है। दुल्हन ने बताया कि उसे दीनबंधु ने गोली मारी है। घटना मुफस्सिल थाना इलाके के नगर चौसा पंचायत के मल्लाह टोला की है। परिवार का कहना है कि युवक उनकी बेटी से एकतरफा प्यार करता है। बेटी की शादी यूपी के बलिया में तय की थी।

अब सिलसिलेवार पढ़िए पूरी वारदात: बक्सर के चौसा में मंगलवार रात नंद मल्लाह के घर खुशी का माहौल था। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के सुलेमनपुर गांव से बारात आई थी। लड़का और लड़की, दोनों पक्ष के लोग खुशी से नाच रहे थे। घर के दरवाजे पर बारात का स्वागत हुआ और होने वाले दामाद की नजर उतारी गई। जयमाला के लिए स्टेज सजाया गया था। दुल्हन आरती (18) भी सजकर तैयार थी। दूल्हे ने हाथ बढ़ाकर दुल्हन को स्टेज पर बुलाया। हंसी-मजाक और शादी के गानों के बीच वरमाला की रस्म होने वाली थी।

सामने से मारी गोली: इसी दौरान एक लड़का चेहरे पर नकाब पहनकर शादी में घुसा और लड़कियों के बीच से होते हुए स्टेज के पास पहुंचा। कोई कुछ समझ पाता इससे पहले उसने बंदूक निकाली और दुल्हन की ओर फायर कर दिया। फायरिंग का वीडियो सामने आया है, जिसमें एक लड़की दूल्हा-दुल्हन की आराती उतार रही है, इसी दौरान नजदीक जाकर युवक सामने से गोली चलाता है। गोली आरती के पेट में लगी, लेकिन तेज गानों के आवाज में गोली की आवाज दब कर रही गई। चंद सेकेंड में ही दुल्हन स्टेज पर गिर पड़ी।

दुल्हन बोली- दीनबंधु ने गोली मारी: दुल्हन के गिरते ही, स्टेज पर खड़ी लड़कियां जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। किसी ने आरती को गोली मार दी। जब परिवार के लोगों ने देखा तो उसके पेट से खून बह रहा था। चंद सेकेंड में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। गोली चलने से अफरा-तफरी मच गई। इसी का फायदा उठाकर आरोपी प्रेमी फरार हो गया।

ट्रेन में अवैध वसूली और यात्री पर हमला, 5 किन्नर गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। रेल मदद पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के बाद रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेन में यात्री के साथ मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने वाले पाँच किन्नरों को गिरफ्तार किया है। यह घटना गाड़ी संख्या 22669 पालाघाट-पटना एक्सप्रेस के जनरल कोच में घटित हुई। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि भागलपुर जिला के गोराडीह थाना क्षेत्र के दहारपुर निवासी पीड़ित यात्री जहांगीर पालाघाट से पटना की ओर यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान कुछ किन्नरों ने उससे अवैध रूप से पैसे की मांग की। जहांगीर द्वारा पैसे देने से मना करने पर मामला बढ़ गया। आरोप है कि किन्नरों ने पहले उसे डराया-धमकाया और फिर पिन व किसी धारदार वस्तु से उस पर हमला कर दिया। इस हमले में जहांगीर की आँख के नीचे गहरी चोट आई और घायल हो गया। हालांकि घायल होने के बावजूद यात्री ने साहस का परिचय देते हुए एक आरोपी किन्नर को पकड़ लिया और उसे अपने साथ पटना तक ले आया। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ ने मामले को गंभीरता से लिया।

27 को बड़े वाहनों के परिचालन पर रहेगी रोक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। आगामी 27 फरवरी को मुंडन संस्कार में होने वाली संभावित भीड़ को लेकर अनुमंडल प्रशासन सजग है। शहर में यातायात को व्यवस्थित करने की रणनीति तैयार कर ली गई है। यातायात व्यवस्था बिगड़े नहीं इसको लेकर शहर में बड़े वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी गई है। सिर्फ दो पहिया वाहनों का ही परिचालन होगा। मुंडन संस्कार को लेकर प्रशासन ने वाहनों के संचालन के लिए रूट का भी निर्धारण कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्योति चौक से थाना चौक, थाना चौक से नाथ बाबा पुल, थाना चौक से रामरेखा घाट, पीपी रोड एवं पुराना सदर अस्पताल तक केवल दो पहिया वाहनों के परिचालन की अनुमति दी गई है। इसी तरह मुनीम चौक से यमुना चौक, ठठेरी बाजार, थाना चौक, सिंडिकेट से यमुना चौक एवं थाना चौक तथा मठिया पुल से मुनीम चौक तक दो पहिया को छोड़कर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। 27 फरवरी की सुबह दो बजे से रात 10 बजे तक शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। वहीं चार पहिया वाहन के लिए भी रूट निर्धारित किया गया है। इसके अंतर्गत चार पहिया वाहन का गोलंबर से सिंडिकेट, बाइपास रोड, ज्योति प्रकाश चौक, आंबेडकर चौक, इटाढ़ी गुमटी तथा इसी रास्ते ज्योति चौक से आईटीआई रोड, मठिया मोड़ एवं दानी कुटिया तक परिचालन होगा। जबकि, ई-रिक्शा गोलंबर से सिंडिकेट, बाइपास, ज्योति चौक के रास्ते स्टेशन तथा ज्योति चौक से आईटीआई रोड एवं नहर के रास्ते नाथ बाबा तक जा सकेंगे। ये गोलंबर से सिंडिकेट, बाइपास, ज्योति चौक होते हुए आंबेडकर चौक से बाजार समिति रोड होते हुए नई बाजार एवं मठिया मोड़ भी जा सकेंगे। उपरोक्त तिथि पर प्रशासन ने विभिन्न स्थानों पर वाहन पार्किंग की व्यवस्था की है। ट्रैक्टर, बस एवं पिकअप की पार्किंग के लिए हवाई अड्डा, गोलंबर एवं इटाढ़ी गुमटी के पास रेलवे मैदान का चयन किया गया है। वहीं चार पहिया एवं तीन पहिया वाहन के लिए सिंडिकेट, डीएवी मोड़ के आगे आईटीआई रोड पर, बाजार समिति ग्राउंड एवं किला मैदान को निर्धारित किया गया है। दो पहिया वाहन किला मैदान एवं वीर कुंवर सिंह चौक व ज्योति चौक सड़क के दोनों किनारे पार्क कर सकेंगे। रूट निर्धारण की इस व्यवस्था से रोगी, एंबुलेंस एवं अति आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई है। कहा गया है कि ऐसे वाहनों के लिए नो इंट्री नहीं रहेगी। परीक्षार्थियों को अपने साथ प्रवेश पत्र रखने तथा रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को रेलवे टिकट साथ लेकर चलने की सलाह दी गई है।

पुलिस सप्ताह पर निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता में दिखा बच्चों का उत्साह

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। मंगलवार को बिहार पुलिस सप्ताह के तीसरे दिन महदह स्थित पुलिस केंद्र, बक्सर में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में पुलिस के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना तथा रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना था। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में बच्चों ने "पुलिस और समाज", "सड़क सुरक्षा", "नशा मुक्ति" तथा "साइबर अपराध से बचाव" जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंगों के माध्यम से पुलिस की कार्यशैली, ट्रैफिक जागरूकता और सुरक्षित समाज का संदेश उकेरा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक क्षमता को निखारती हैं। उन्होंने छात्रों को कानून का पालन करने, समाज में शांति बनाए रखने और पुलिस के साथ सहयोग करने का संदेश भी दिया। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई। विजेताओं को पुलिस सप्ताह के समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस केंद्र परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल रहा और अभिभावकों के साथ आए बच्चों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। आयोजकों ने बताया कि पुलिस सप्ताह के तहत आगे भी खेलकूद, जनजागरूकता रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर संवाद स्थापित हो सके।

सनातन परंपरा विश्व को वसुधैव कुटुंबकम् का देती है संदेश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। शहर के बाबा नगर बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मंगलवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 जगदगुरु स्वामी गोविंदाचार्य गुप्तेश्वर जी महाराज एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. रामनाथ ओझा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वृज किशोर तिवारी व मंच संचालन गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया। सम्मेलन की प्रस्तावना जय शंकर पांडेय ने प्रस्तुत की। आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वही समरसता का संदेश देते हुए समिति ने सफाई कर्मियों को भी अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज की एकता, समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत की सनातन परंपरा विश्व को वसुधैव कुटुंबकम् का संदेश देती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र सेवा, चरित्र निर्माण और सामाजिक सद्भाव के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं।उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित और जागरूक होता है, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। उन्होंने आयोजन समिति को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष केवल एक संगठन का उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक है। इस दौरान हवन पूजन भी कराया गया। कार्यक्रम के अंत में राजेंद्र प्रसाद ने आभार ज्ञापन किया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

गयाजी में छत बनेगी कमाई का जरिया, 15 सोलर कंपनियों ने स्टॉल लगा कर खर्च की दी जानकारी

डीएम बोले- बिल जीरो करने का मौका

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में बिजली के बढ़ते बिल से राहत दिलाने और लोगों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अभियान शुरू हो गया है। हरिदास सेमीनारी इंटर कॉलेज के सभागार में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर मेला 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीएम शशांक शुभंकर, विद्युत अधीक्षण अभियंता संदीप प्रकाश और नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में डीएम ने कहा कि अब समय पारंपरिक बिजली पर निर्भर रहने का नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा अपनाने का है। उन्होंने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को भारी-भरकम बिजली बिल से मुक्ति दिलाना है।

घर-घर ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना मकसद: साथ ही घर-घर ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। डीएम ने बताया कि गया में तेजी से लोग अपनी छतों पर सोलर पैनल लगवा रहे हैं। कई परिवार ऐसे हैं जो अपनी जरूरत से अधिक बिजली उत्पादन कर रहे हैं और अतिरिक्त यूनिट ग्रिड में देकर अपना बिजली बिल शून्य कर चुके हैं। विद्युत अधीक्षण अभियंता ने जानकारी दी कि कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं को सरकार की ओर से 1.1 किलोवाट का मुफ्त सोलर पैनल उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए लाभुकों को केवल सुविधा ऐप के माध्यम से अपनी सहमति देनी होगी। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में योजना का लाभ उठाने की अपील की। विद्युत अधीक्षण अभियंता संदीप प्रकाश ने बताया कि लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अब तक 24 आवेदन आ चुके है। उन 2400 में से 1000 के करीब आवेदकों को लाभान्वित किया जा रहा। अन्य की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि गयाजी को सोलर सिटी के रूप डेवलप करना है। इसे मिशन के रूप में विभाग ने लिया है।

उपभोक्ताओं की शंकाओं का समाधान किया: सोलर मेले में 15 सोलर कंपनियों ने स्टॉल लगाकर लोगों को सोलर सिस्टम लगाने की प्रक्रिया, अनुमानित खर्च और उससे होने वाले फायदे की जानकारी दी। उपभोक्ताओं की शंकाओं का मौके पर ही समाधान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उन उपभोक्ताओं को भी सम्मानित किया गया, जिनका बिजली बिल सोलर सिस्टम लगाने के बाद शून्य हो गया है। साथ ही बेहतर कार्य करने वाले सोलर वेंडरों को भी प्रशस्ति पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया गया। जिले में बढ़ती सोलर जागरूकता को प्रशासन ऊर्जा क्रांति की दिशा में बड़ा कदम मान रहा है। अब लक्ष्य है कि हर घर सोलर, हर घर आत्मनिर्भर।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा मे महिला के साथ अरहर के खेत में रेप, आरोपी ने शरीर पर काटे दांत

नालंदा। नालंदा में आज सुबह टॉयलेट के लिए घर से निकली एक महिला (30) के साथ एक मनचले ने रेप किया है। ये महिला को अरहर के खेत में ले गया, फिर वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को धर दबोचा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कर उसे मेडिकल जांच के लिए भेज दिया है। पीड़िता ने बताया कि आज सुबह करीब 5:30 बजे टॉयलेट के लिए घर से बाहर गई थी। इसी दौरान सुनसान जगह का फायदा उठाते हुए गड़ेरिया बिगहा गांव निवासी नॉलेज प्रसाद यादव के 25 साल का बेटा रविकांत कुमार ने उसे दबोच लिया। आरोप है कि रविकांत ने पीछे से आकर महिला का मुंह बंद कर दिया और उसका हाथ पकड़कर घसीटते हुए पास ही स्थित अरहर के खेत में ले गया, जहां उसने महिला के साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता ने खुद को बचाने और विरोध करने पर दरिंदे ने उसके शरीर के कई हिस्सों पर दांत से काटकर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया।दरिंदगी का शिकार हुई महिला दर्द से चीखती-चिल्लाती रही और बेहोश हो गई। महिला की चीख सुनकर बगल की ही एक अन्य महिला दौड़कर मौके पर पहुंची। लोगों को आता देख आरोपी युवक वहां से फरार हो गया। इसके बाद वहां पहुंचे ग्रामीणों को पीड़िता ने आपबीती सुनाई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए और जब वे आरोपी रविकांत के घर पहुंचे, तो वह उल्टे गाली-गलौज करते हुए मारपीट की धमकी देने लगा। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर उसकी धुनाई कर दी और तुरंत डायल 112 पर पुलिस को इसकी सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी और पीड़िता दोनों को थाने ले आई। एकंगरसराय थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा ने बताया कि पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपी रविकांत कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता को मेडिकल के लिए अस्पताल भेज दिया गया है और मामले की आगे की छानबीन की जा रही है।

मस्जिद के पास डीजे बजाने पर झड़प, पुलिस ने कराया मामला शांत, भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती

नालन्दा। नालंदा के मोगलकुआं इलाके में मंगलवार की रात बारात में डीजे बजाने को लेकर दो समुदायों के बीच विवाद हो गई। हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मामला तुरंत शांत करा लिया गया। एहतियात के तौर पर इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। जानकारी के अनुसार, सोहसराय थाना क्षेत्र के बॉली पर से होते हुए एक बारात मोगलकुआं मस्जिद के पास से गुजर रही थी। बारात में डीजे बज रहा था। उसी समय मस्जिद में दूसरे समुदाय के लोग नमाज अदा कर रहे थे। नमाजियों ने डीजे की आवाज पर आपत्ति जताई और उसे बंद करने को कहा। इसी बात को लेकर बारात में शामिल लोगों और वहां मौजूद दूसरे पक्ष के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बहस हल्की झड़प में तब्दील हो गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। घटना के वक्त मौके पर मौजूद 'डायल 112' की पुलिस टीम ने स्थिति की नजाकत को भांपते हुए तुरंत वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आनन-फानन में कई थानों की पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर अलग किया और मामले को शांत कराया। पुलिस इलाके में गश्त कर रही है और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। सोहसराय थानाध्यक्ष मुकेश कुमार मुकेश ने बताया कि मस्जिद के पास से एक बारात गुजर रही थी। डीजे पर गाना बजाने को लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसके बाद विवाद की स्थिति बनी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को शांत करा लिया है। किसी तरह की कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल कैंप कर रहा है।

मेयर के बॉडी गार्ड 108 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार, गयाजी पुलिस को नहीं मिली सर्विस रिवॉल्वर

गयाजी। गयाजी में होली से पहले शराब तस्करी पर शिकंजा कसने का दावा कर रही पुलिस ने खुलासा किया है। नगर निगम के मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान के सरकारी व प्राइवेट अंगरक्षक दोनों को ही कोतवाली थाना क्षेत्र से 108 लीटर अंग्रेजी शराब (बियर) के साथ गिरफ्तार किया गया है। मामला सामने आते ही शहर की सियासी और प्रशासनिक हलकों में जबरदस्त हलचल तेज हो गई है। डीएसपी सिटी 1 सरोज साह ने बताया कि बैरागी इलाके में भारी मात्रा में शराब जमा किए जाने की गुप्त सूचना पुलिस मुख्यालय को मिली थी। सूचना के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने छापेमारी करते हुए एक गाड़ी की जांच की। तलाशी के दौरान 108 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। मौके से मेयर के सरकारी अंगरक्षक रितेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। मेयर के बॉडीगार्ड की गिरफ्तारी को लेकर शहर में तमाम तरह की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक सरकारी अंगरक्षक की गिरफ्तारी की जानकारी मिलते ही मेयर का प्राइवेट अंगरक्षक अजित कुमार भी थाना पहुंच गया। पुलिस ने उसे भी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है।

जांच का फोकस इस बात पर है कि प्रतिबंधित शराब कहां से लाई गई और होली के मद्देनजर इसे किन इलाकों में सप्लाई किया जाना था। क्या इस सप्लाई चेन में मेयर का सरकारी अंगरक्षक भी शामिल था। सरकारी अंगरक्षक के अलावा किसी और की भी भूमिका की तलाश की जा रही है। खास बात यह भी कि मेयर का निजी बॉडी गार्ड तीन साल पहले भी शराब तस्करी के आरोप में रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया था। उस मय वह डिप्टी मेयर के साथ घूमा करता था। बीते कुछ समय से मेयर गणेश पासवान के अंगरक्षक के रूप में हर महफ़िल में देखा जा रहा था। गिरफ्तारी के समय सरकारी अंगरक्षक के पास उसकी सर्विस रिवॉल्वर नहीं थी। वह सादे लिबास में था। पुलिस अब उसके घर से सर्विस रिवॉल्वर और कारतूस बरामद करने के लिए टीम भेज चुकी है। सूत्रों का कहना है कि हथियार की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही पूरे मामले की गंभीरता और बढ़ सकती है।

होली के पहले शहर में शराब की मांग बढ़ने के बीच इस तरह की बरामदगी ने यह संकेत दिया है कि संगठित तरीके से सप्लाई की तैयारी थी। पुलिस अब इस नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक खंगाल रही है। जांच इस दिशा में भी आगे बढ़ रही है कि यह सिर्फ तस्करी का मामला है या सुरक्षा तंत्र की आड़ में बड़ा खेल चल रहा था। फिलहाल पुलिस आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहने से बच रही है, लेकिन सूत्रों का दावा है कि पूछताछ में कई अहम सुराग मिले हैं।

गयाजी में तेज रफ्तार कार गड्ढे में गिरी, हादसे में चार लोग घायल

सिर में गंभीर चोट, बारात अटेंड कर वापस घर लौट रहे थे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। डायल-112 की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से गाड़ी से बाहर निकालकर कर सभी को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद, तीन घायलों को परिजन निजी अस्पताल लेकर चले गए। सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घायलों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। बारात अटेंड कर वापस गांव लौट रहे थे। घटना मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के गेट नंबर-5 की है।

घायलों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है: मगध मेडिकल थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। आसपास के लोगों का कहना है कि सुबह करीब 3 बजे हादसा हुआ है। सड़क पर रोशनी और यातायात कम होने के कारण ऐसे हादसे होते हैं। पुलिस ने आम लोगों से रात के समय वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

'यादव जी की लव स्टोरी' पर हंगामा, मूवी की थीम को लेकर गुस्सा, डीएम ऑफिस तक प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में फिल्म यादव जी की लव स्टोरी को लेकर शहर में विवाद गहराता जा रहा है। अखिल भारतीय यादव महासभा के बैनर तले समाज के लोगों ने फिल्म के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और इस पर तत्काल बैन लगाने की मांग उठाई। विरोध मार्च शहर के ऐतिहासिक गांधी मैदान से शुरू होकर डीएम आफिस तक पहुंचा, जहां प्रतिनिधिमंडल ने डीएम को ज्ञापन सौंपा।

सड़कों पर फिल्म के विरोध में जमकर नारेबाजी की: प्रदर्शन के दौरान सड़कों पर फिल्म के विरोध में जमकर नारेबाजी की गई। बड़ी संख्या में शामिल लोगों ने आरोप लगाया कि फिल्म के जरिए यादव समाज की छवि को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि किसी भी जाति या समाज को निशाना बनाकर बनाई गई फिल्म सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती है।

कार्यक्रम में शामिल मुखदेव यादव और सुनील यादव ने कहा कि इस फिल्म के माध्यम से समाज की महिलाओं की छवि खराब करने का प्रयास किया गया है, जिसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक फिल्म का मामला नहीं, बल्कि समाज के सम्मान से जुड़ा मुद्दा है। यदि प्रशासन समय रहते कार्रवाई नहीं करता है, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि फिल्म की समीक्षा की जांच कराई जाए और आपत्तिजनक पाए जाने पर इसकी रिलीज पर रोक लगाई जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि अगर फिल्म रिलीज हुई तो संबंधित सिनेमाघरों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

फिलहाल जिला प्रशासन ने ज्ञापन हासिल कर मामले पर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है। होली से पहले इस विवाद के सामने आने से माहौल को लेकर प्रशासन भी सतर्क नजर आ रहा है। पुलिस और प्रशासनिक स्तर पर स्थिति पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी तरह की कानून-व्यवस्था की समस्या न उत्पन्न हो।

विधानसभा में गूंजा पीएम आवास योजना में गड़बड़ी का मुद्दा, विधायक ने कहा- योजना विभागीय लापरवाही की भेंट चढ़ी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। बिहार विधानसभा के चालू सत्र में बिहारशरीफ के विधायक डॉ. सुनील कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) में हो रही भारी अनियमितताओं और अवैध वसूली का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। सदन का ध्यान इस गंभीर विषय की ओर आकृष्ट कराते हुए विधायक ने स्पष्ट किया कि गरीबों को पक्का मकान देने की यह महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर भ्रष्टाचार और विभागीय लापरवाही की भेंट चढ़ रही है। सदन में अपनी बात रखते हुए डॉ. सुनील कुमार ने सबसे पहले बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र की एक बड़ी तकनीकी समस्या को उजागर किया। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली असर्वेक्षित भूमि पर सालों से कई गरीब और असहाय परिवार निवास कर रहे हैं। जमीन का आधिकारिक सर्वे न होने के कारण ये

सभी पात्र परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से पूरी तरह वंचित हैं। विधायक ने जोर देकर कहा कि सर्वे के अभाव में गरीबों को उनके हक से दूर रखना योजना के मूल उद्देश्य के ही खिलाफ है।

विधायक ने नालंदा जिले के रहुई प्रखंड में योजना के नाम पर हो रही खुली लूट का भी पर्दाफाश किया। उन्होंने सदन को बताया कि रहुई प्रखंड में आवास योजना का लाभ दिलाने के एवज में लाभुकों से सरेआम अवैध वसूली की जा रही है। इस भ्रष्टाचार की पुष्टि करने वाले एक हालिया वीडियो का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बिचौलियों की ओर से पैसे मांगने का यह कृत्य अत्यंत चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है।

दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग: सरकार से इस पूरे मामले की जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए डॉ. सुनील कुमार ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि गरीबों के हक पर डाका और उनका किसी भी प्रकार का मानसिक या आर्थिक शोषण बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक ने अपना संकल्प दोहराते हुए कहा कि जरूरतमंद और अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों को उनका वाजिब अधिकार दिलाने के लिए यह लड़ाई सदन के भीतर से लेकर सड़क तक पूरी मजबूती के साथ जारी रहेगी।

मनसरवा नाला के पक्कीकरण-अतिक्रमण हटाने के निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गया में मनसरवा नाला के विस्तारीकरण और पक्कीकरण को लेकर आज समाहरणालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नगर आयुक्त, आरसीडी के अभियंता, अनुमंडल पदाधिकारी सदर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। मनसरवा नाला गया नगर निगम के 18 प्रमुख नालों में से एक है, जिसकी कुल लंबाई 3.02 किलोमीटर है। यह नाला नगर निगम के वार्ड संख्या 40, 44, 45, 46 और कुछ पंचायत क्षेत्रों की लगभग 2 लाख आबादी को प्रभावित करता है। नाला मानसरोवर कॉलोनी से शुरू होकर मधुसूदन कॉलोनी, लोयला स्कूल, पंत नगर, अशोक विहार, बाईपास, घुंघड़ीटांड, नारायणीमाई पुल, मयूर विहार कॉलोनी और विष्णुपूरी कॉलोनी, लखनपुरा से गुजरता है। यह फल्गु नदी के समानांतर बहते हुए ब्राह्मणी घाट के पास फल्गु नदी में मिलता है। नाले की नियमित सफाई वार्ड और भूगर्भ सफाईकर्मियों द्वारा की जाती है, और मानसून से पहले लगभग 1600 मानवदिवस और मशीनों का उपयोग करके पूरी सफाई की जाती है। चूंकि नाला पूरी तरह से कच्चा है, इसलिए इसमें कम समय में ही अत्यधिक गाद भर जाती है, जिससे लगातार सफाई की आवश्यकता पड़ती है। इसी कारण पूरे नाले का पक्कीकरण आवश्यक है।

कच्चे हिस्सों का तेजी से पक्कीकरण कराने का निर्देश: जिलाधिकारी ने कच्चे हिस्सों का तेजी से पक्कीकरण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि नाला निर्माण के दौरान लेवलिंग की अनिवार्य रूप से जांच की जाए, ताकि कहीं भी जल जमाव न हो। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने नाले के रास्ते में मौजूद अतिक्रमण को चिन्हित कर उसे हटाने के भी निर्देश दिए। बैठक में बंगाली आश्रम से विष्णुपद जाने वाली सड़क के चौड़ीकरण पर भी चर्चा हुई। वर्तमान में यह सड़क 5.50 मीटर चौड़ी है, लेकिन पितृपक्ष मेला के दौरान इस पर यातायात और पैदल यात्रियों की भारी भीड़ रहती है। इस समस्या के समाधान के लिए पथ निर्माण विभाग की ओर से सड़क को 7 मीटर तक चौड़ा किया जा रहा है।

ज़िलाधिकारी ने कहा कि पितृपक्ष मेला 2026 को ध्यान में रखते हुए हर हाल में जुलाई 2026 तक सड़क चौड़ीकरण का काम पूरा करवा लिया जाए। साथ ही चौड़ीकरण में बीच सड़क पर आने वाले बिजली खंबो को एकदम साइड में शिफ्ट करवाये ताकि ट्रैफिक मूवमेंट आसान रहे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले आकर्षक साइन बोर्ड जगह-जगह पर लगावे ताकि मोक्ष भूमि का और अधिक प्रचार हो सके।

ब्रांड की हूबहू नकल कर साबुन किया तैयार कार्रवाई में सैकड़ों पीस नकली सामान जब्त

उद्योग परिसर में हुई रेड

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी शहर के दुबहल इंडस्ट्रीज एरिया में नकली उत्पाद बनाकर बाजार में बेचने का मामला सामने आया है। ब्रांड की हूबहू नकल कर साबुन तैयार किया जा रहा था। शिकायत के बाद मगध मेडिकल थाना की पुलिस ने छापेमारी की। कार्रवाई में सैकड़ों पीस नकली साबुन, पैकिंग सामग्री और डाई बरामद की गई है। इस मामले में उद्योग संचालक पर धोखाधड़ी और ट्रेडमार्क के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया गया है।

पश्चिम बंगाल के नदिया निवासी तोतन चक्रवर्ती एक प्राइवेट कंपनी में रिजनल हेड के पद पर कार्यरत हैं और कंपनी के लीगल मामलों को देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि दोपहर सूचना मिली कि दुबहल इंडस्ट्रीज एरिया स्थित आरएम सोप इंडस्ट्रीज में उनकी कंपनी के

ब्रांड से मिलते-जुलते "आहा" और "विसाल" नाम के साबुन अवैध रूप से बनाए जा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने तुरंत मगध मेडिकल थाना को लिखित सूचना दी और पुलिस से कार्रवाई का अनुरोध किया गया।

पुलिस टीम के साथ उद्योग परिसर में छापेमारी: पुलिस टीम के साथ उद्योग परिसर में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान ब्राउन रंग के "आहा" साबुन के 20 बंडल बरामद हुए। हर बंडल में 25 पीस, कुल 500 साबुन थे। इसके अलावा नीले और सफेद रंग के पैकिंग बॉक्स, "विसाल" ब्रांड के 25 बॉक्स, दोनों ब्रांड के लोहे के डाई और अन्य पैकेजिंग सामग्री भी जब्त की गई। कंपनी प्रतिनिधि ने इन सभी उत्पादों को नकली बताते हुए ट्रेडमार्क के गलत इस्तेमाल की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मौके पर ही जब्ती सूची तैयार की गई। स्थानीय गवाह की मौजूदगी में सभी सामान जब्त कर मगध मेडिकल थाना को सौंप दिया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस तरह की गतिविधियों से कंपनी को आर्थिक नुकसान हो रहा है। साथ ही सरकार के राजस्व को भी क्षति पहुंचाई जा रही है।

कार्रवाई के बाद औद्योगिक क्षेत्र में चल रहे नकली उत्पाद के धंधे पर सवाल खड़े हो गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि ब्रांडेड सामान की कॉपी कर सस्ते दाम में बाजार में खपाने का बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो सकता है। पुलिस ने मामले में संबंधित उद्योग संचालक मंसूर आलम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मगध मेडिकल थानाध्यक्ष कृष्ण सिंह काल कहना है कि ट्रेडमार्क उल्लंघन और धोखाधड़ी से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जरूरत पड़ने पर आगे भी छापेमारी की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद इलाके के अन्य छोटे उद्योगों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

श्याम फागण अमृत महोत्सव पर की निकली भव्य ध्वजा निशान शोभायात्रा

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल का रंग रंगीलो श्री श्याम फागण अमृत महोत्सव का भव्य ध्वजा निशान शोभायात्रा सरोवर मंदिर सेवा सदन पथ से बुधवार को शुरू हुआ। रजत सिंहासन पर बैठे बाबा का रथ जब सरोवर मंदिर से निकला तो पूरी राजधानी श्याम के रंग में रंग गई। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि हजारों हाथों में निशान लेकर भक्त अपने बाबा को अरदास लगाते हुए चल रहे थे। ऐसी मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे दिल से पैदल चलकर श्याम बाबा को निशान ध्वज अर्पित करते हैं बाबा श्याम उनकी हर मनोकामनाएं पूरी करते हैं। शोभा निशान यात्रा में आकर्षण का केंद्र गुजरात का डांडिया राजस्थानी वेशभूषा में महिलाएं रहीं जो बाबा को धूप धूवन करते हुए चल रही थीं। वहीं हजारीबाग का ताशा बैंड ढोल नगाड़े बैंड बाजा भी निशान शोभा यात्रा के आकर्षण का केंद्र था। हर ओर हारे के सहारे की जय श्याम प्यारे की जय जैसे जयकारों से पूरा रांची गुंजायमान था। निशान शोभायात्रा सरोवर मंदिर से शुरू होकर रंगलाल जालान रोड, बड़ालाल स्ट्रीट, जेजे रोड, कोतवाली रोड चौक और पुस्तक पथ होते हुए हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर पहुंची। रथ पर मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां और कोषाध्यक्ष मनोज खेतान ने सभी भक्तों को पूजन अनुष्ठान का संकल्प करवाया। राजधानी की सभी मुख्य मार्ग में बाबा की आरती पूजन की गई। मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका ने बाबा श्याम का अद्भुत श्रृंगार किया। मंडल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, महामंत्री गौरव अग्रवाल, मंत्री पंकज गाड़ोदिया, विष्णु चौधरी, उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया, प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल सहित अन्यत ने शोभा यात्रा के संचालन में मुख्य भूमिका निभाई। गुरुवार को अखंड ज्योति पाठ श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में 26 फरवरी को कोलकाता के ज्योति खन्ना अपने नृत्य नाटिका की टीम के साथ बाबा श्याम का अखंड ज्योति पाठ करेंगे।

झारखंड विधानसभा सत्रः सदन में उठा धनबाद एयरपोर्ट का मुद्दा

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन बुधवार को निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने विधानसभा में धनबाद में एयरपोर्ट बनाने का मुद्दा उठाया। विधायक ने कहा कि धनबाद के लोग बार-बार धनबाद में एयरपोर्ट बनाने की मांग करते हैं। अरूप चटर्जी के सवाल पर विधायक मथुरा महतो ने भी साथ दिया और एयरपोर्ट की मांग रखी। विधायक ने सदन में कहा कि धनबाद में एयरपोर्ट बनाने से सवाल का जवाब सरकार की ओर से आ चुका है, जिसमें कहा गया है कि जमीन की कमी और नजदीक में 50 किलोमीटर की दूरी पर बोकारो एयरपोर्ट का काम प्रगति पर है, इससे धनबाद में पर्याप्त जमीन के अभाव में एयरपोर्ट नहीं बनाया जा सकता है। इसके जवाब में प्रभारी मंत्री दीपक बरुआ ने कहा कि धनबाद में बरवाअड्डा हवाई पट्टी है, जो 37 ए में है। कैटेगरी 1 के लिए 113 एकड़ जमीन की आवश्यकता होती है। जहां एयरपोर्ट है, वहां सघन आबादी का इलाका है। इसलिए इसका विस्तार वहां संभव नहीं है। मंत्री ने बताया कि बोकारो में एयरपोर्ट निर्माण प्रक्रिया जारी है। सदन में अरूप चटर्जी ने कहा कि धनबाद में जमीन की कमी नहीं है और सरकार की अगर मंशा एयरपोर्ट बनाने की है तो जमीन उपलब्ध हो जाएगा। एफसीआई के पास 4000 एकड़ जमीन है, तोपचांची में 800 एकड़ जमीन है। विधायक ने कहा कि एयरपोर्ट का यदि वहां निर्माण होगा तो इससे जैन और बौद्ध धर्म के लोगों का भी आना-जाना लगा रहेगा और इलाके में व्यापार की भी बढ़ोतरी होगी। झारखंड सरकार से केंद्र ने पूछा था कि धनबाद में क्या एयरपोर्ट होना चाहिए तो सरकार ने अपनी असमर्थता जाहिर की थी।

सरयू राय के सवाल पर मंत्री का जवाब- सदन में विधायक सरयू राय ने मानगो नगर निगम से जुड़ी छह योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति में कथित देरी को लेकर मामला उठाया। उन्होंने कहा कि नगर विकास विभाग के सचिव को इन योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। उन्होंने पूछा कि 17 फरवरी को जिला योजना चयन समिति की बैठक में चयनित इन योजनाओं को मुख्य अभियंता, तकनीकी कोषांग की ओर से तकनीकी स्वीकृति मिली है या नहीं। यह भी सवाल उठाया कि जब इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए मानगो नगर निगम के पास नागरिक सुविधा मद में पर्याप्त राशि उपलब्ध है और राज्य सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ना है, तो फिर प्रशासनिक स्वीकृति में देरी क्यों हो रही है। इस पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने जवाब दिया कि योजनाओं की स्वीकृति पूर्व में दे दी गई है और विभाग की ओर से इस संबंध में औपचारिक पत्र भी जारी कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है।

अवैध खनन से मौत का मामला- झरिया विधानसभा क्षेत्र में अवैध खनन के दौरान एक दर्दनाक घटना सामने आई है। इस घटना को लेकर विधानसभा में आवाज उठाई गई। विधायक रागिनी सिंह ने सदन में अर्जेंट सूचना के माध्यम से सरकार का ध्यान इस मामले की ओर दिलाया। विधायक ने बताया कि 23 तारीख को झरिया क्षेत्र में अवैध खनन की गतिविधियों के बीच एक मासूम बच्चा सो रहा था। इसी दौरान उसे रौंद दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद और दिल दहलाने वाली है। रागिनी सिंह ने यह भी कहा कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले अक्टूबर में इसी तरह का हादसा हुआ था। अब देव फार्मा के पास दोबारा ऐसी घटना होने से लोगों में डर और गुस्सा है। उन्होंने कहा कि झरिया में अवैध खनन के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। सदन के माध्यम से उन्होंने सरकार से पूछा कि इन घटनाओं पर प्रशासन क्या कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने अवैध खनन पर रोक लगाने और जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

शिक्षित महिला से समाज पर पडता है सकारात्मक प्रभाव : सांसद

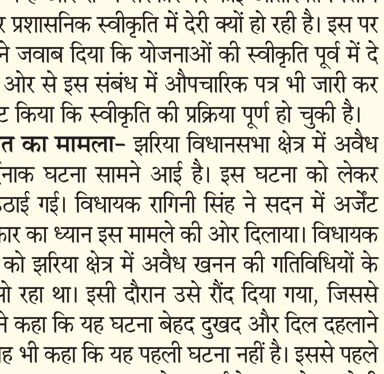

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के बंदगांव प्रखंड अंतर्गत सुबानसाई स्थित शहीद मैदान में बुधवार को प्रदान संस्था की ओर से नारी एकता महिला महासंघ का वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में सांसद ने कहा कि नारी एकता महिला महासंघ ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को संगठित कर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनती हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। महासंघ के माध्यम से महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने और सामाजिक भागीदारी बढ़ाने का जो प्रयास हो रहा है, वह प्रेरणादायी है। अधिवेशन के दौरान महिलाओं के समग्र विकास को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार के अवसरों का सृजन और महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित महिलाओं ने बेहतर भविष्य के निर्माण, एकजुटता बनाए रखने और महिला सुरक्षा के प्रति सजग रहने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम में विभिन्न महिला समितियों की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में सांसद अधिवेशन स्थल पर लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर महासंघ की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी ली। कार्यक्रम का संचालन किरण गागराई और सुभाषिनी देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर नकटी के मुखिया मिथुन गागराई, कालीपद सोरेन, राजेश गागराई, अरूप चटर्जी, प्रदान संस्था के टीम कोऑर्डिनेटर हसन अदीब खान, दिलीप कुमार, निशु मिश्रा, त्रिथी दास, मोहम्मद शहाबुद्दीन, मंजू देवी सहित कई समितियों ने अधिवेशन में सक्रिय भागीदारी निभाई।

होली को लेकर शांति समिति की बैठक में जबरदस्ती रंग नहीं डालने की अपील

एजेंसी । खूंटी

होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को कर्रा प्रखंड अंतर्गत जरियागढ़ थाना परिसर स्थित सभा हॉल में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी बिरेन्द्र कुमार ने की, जबकि जिला परिषद सदस्य जोरोंग आईन्द विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि होली का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर जोरोंग आईन्द ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है, जिसे मेल-मिलाप और खुशियों के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील किया कि किसी पर जबरदस्ती रंग न डालें, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें एवं किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। थाना प्रभारी बिरेन्द्र कुमार ने कहा कि पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा। असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने कहा कि क्षेत्र में वर्षों से होली का त्योहार भाईचारे के साथ मनाया जाता रहा है और आगे भी इस परंपरा को कायम रखा जाएगा। बैठक में सअनि परमेश्वर सिंह, पुअनि शंकर दयाल मेहता, प्रीतम तिर्की, उडीकल पंचायत मुखिया क्षत्री हेमरोम, राहुल केशरी, विनोद उरांव, विनय गुप्ता, बजरंग महतो, गुलजार खान, शिवकुमार केशरी, नौशाद खान, जयराज तोपनो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पारिवारिक विवाद में छोटे भाई ने टांगी से मारकर की बड़े भाई की हत्या

एजेंसी । पूर्वी सिंहभूम

शहर के बागबेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कांचा गांव में पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ झगड़ा इतना बढ़ गया कि छोटे भाई ने बड़े भाई पर टांगी (कुल्हाड़ी) से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 32 वर्षीय शेरू मार्डी के रूप में हुई है। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार शेरू खेती-किसानी का काम करता था, लेकिन वह शराब का आदी था और नशे की हालत में अक्सर घर में विवाद करता था। मंगलवार देर रात भी वह कथित तौर पर शराब पीकर घर पहुंचा और किसी बात को लेकर पिता से उलझ गया। देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज और मारपीट में बदल गया। पिता को बचाने के लिए छोटा भाई मनीष मार्डी बीच-बचाव करने आया, लेकिन झड़प और तेज हो गई। आरोप है कि हाथापाई के दौरान गुस्से में आकर मनीष ने टांगी से शेरू पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल शेरू खून से लथपथ होकर गिर पड़ा। घटना के बाद परिजनों ने उसे तत्काल जमशेदपुर स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) रेफर कर दिया। हालांकि इलाज के दौरान देर रात करीब डेढ़ बजे उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता के बयान पर पुलिस ने छोटे बेटे मनीष मार्डी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को खून से सनी टांगी के साथ गिरफ्तार कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच पड़ताल जारी है।

रैफ में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर चला जागरूकता कार्यक्रम

एजेंसी । पूर्वी सिंहभूम

सुंदरनगर स्थित 106 बटालियन रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) के यूनिट अस्पताल परिसर में बुधवार को फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूनिट के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अश्वनी कुमार (सीएमओ) और जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ मृत्युंजय देवरिया ने विस्तार से फाइलेरिया रोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया मच्छरों के माध्यम से फैलने वाला परजीवी जनित रोग है, जो लसीका तंत्र को प्रभावित करता है। समय पर उपचार नहीं होने की स्थिति में यह रोग हाथ-पांव या अन्य अंगों में असामान्य सूजन (हाथीपांव) जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न कर सकता है। चिकित्सकों ने जवानों को समझाया कि इस रोग से बचाव के लिए मच्छरों से सुरक्षा बेहद जरूरी है। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग, आसपास जलजमाव नहीं होने देना, नियमित रूप से सफाई रखना और सरकार की ओर से संचालित सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम में भाग लेना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित दवाओं का सेवन सुरक्षित है और इससे शरीर में मौजूद सूक्ष्म परजीवियों को नष्ट करने में मदद मिलती है, जिससे रोग के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जवानों और उनके परिवारजनों को फाइलेरिया रोधी दवाओं का वितरण भी किया गया। चिकित्सा टीम ने दवा सेवन की सही विधि, संभावित हल्के दुष्प्रभाव और उनसे निपटने के उपायों की जानकारी दी, ताकि किसी प्रकार की भ्रांति या डर की स्थिति उत्पन्न न हो।

झारखंड विधानसभा सत्र : विधायक अरूप चटर्जी ने उठाया 63 अफसरों की सेवा संपुष्टि का मामला

एजेंसी । रांची

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही अल्पसूचित प्रश्न के तहत विधायक अरूप चटर्जी ने नगर विकास विभाग का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि जेपीएससी (सातवीं, आठवीं और नवमीं) की ओर से नियुक्त 63 अधिकारियों की सेवा संपुष्टि चार साल बाद भी नहीं हुई है। जबकि नियमानुसार दो साल में सेवा संपुष्टि हो जानी चाहिए। विधायक ने यह भी कहा कि सेवा संपुष्टि लंबित रहने से वेतन और अन्य सुविधाओं से जुड़े मामले प्रभावित हो रहे हैं। इस पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने जवाब दिया कि सेवा संपुष्टि की समय-सीमा दो वर्ष है, लेकिन कुछ प्रमाण-पत्रों की जांच में देरी हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभाग. जल्द ही नियमावली बनाकर सभी लंबित मामलों का निपटारा करेगा। सदन में लिट्टिपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने सवाल उठाया कि सरकार के आदेश के बावजूद मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत वर्ष 2024-25 में जारी कई टेंडर लंबे समय तक निष्पादित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि 180 दिन की वैधता समाप्त होने के बाद भी इन टेंडरों को रद्द नहीं किया गया। विधायक ने यह भी जानना चाहा कि क्या ऐसे मामलों में शिथिलता बरतने और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने वाले अधिकारियों चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई होगी और अगर हां तो कब तक। इस पर ग्रामीण कार्य विभाग की मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने जवाब दिया कि पूरे मामले की समीक्षा की जा रही है और 30 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी। यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सदन में सड़क, पुल और पुलिया निर्माण में हो रही देरी को लेकर सत्ता और विपक्ष के विधायकों ने पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की। मंत्री के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ।

बारिश होने से झारखंड में मौसम हुआ सुहाना, तापमान में कमी

एजेंसी । रांची

राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न इलाकों में हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। बारिश की वजह से अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है इससे बढ़ती हुई गर्मी रुक गई है। मौसम विभाग से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार फिलहाल बारिश की कोई संभावना व्यक्ति नहीं की गयी है। यही वजह है कि बुधवार को रांची सहित राज्य के अधिकांश जिलों में मौसम साफ रहा और धूप में तल्खी महसूस की गई। विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान राज्य भर में तापमान में 2 डिग्री के गिरावट होने की संभावना व्यक्त की है। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 32.2 डिग्री और सबसे कम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस गुमला में रिकॉर्ड किया गया। वहीं, बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री, जमशेदपुर में 31.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 30.4 और न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.4 और न्यूनतम 14.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

झारखंड विधानसभा : राज्य के खराब पड़े हैंडपंप की मरम्मत का मुद्दा उठाया

एजेंसी । रांची

झारखंड विधानसभा में बजट सत्र के छठे दिन बुधवार को सारठ विधायक उदय शंकर सिंह ने अल्पसूचित प्रश्न के माध्यम से राज्य के खराब हैंडपंप की मरम्मत का मुद्दा उठाया। जल संसाधन विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने इसके जवाब में कहा कि विभाग ने सभी खराब हैंडपंप की मरम्मत के लिए तैयारी पूरी कर ली है। टोल-फ्री नंबर जारी किया गया है, ताकि नागरिक अपनी शिकायतें सीधे विभाग को भेज सकें। शिकायतें मिलने पर विभाग तुरंत कार्रवाई करेगा। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने भी गर्मी में पानी की समस्या को लेकर चिंता जताई। विधायक और अध्यक्ष दोनों ने कहा कि मरम्मत कार्य जल्द से जल्द पूरा होना चाहिए ताकि जनता को राहत मिल सके।

पेयजल आपूर्ति की समस्या को लेकर सवाल- सदन में विधायक सुरेश पासवान ने देवघर शहर में पेयजल आपूर्ति की समस्या को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि पुनाशी जलाशय से देवघर शहर तक पाइप बिछाकर जलापूर्ति सुनिश्चित करने की परियोजना में देरी क्यों हो रही है। इस पर नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने जवाब दिया कि इकरारनामा के अनुसार परियोजना को पूर्ण करने की तिथि जुलाई 2023 निर्धारित थी। हालांकि चिन्हित वन भूमि पर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और ग्राउंड लेवल सर्विस रिजर्वायर के निर्माण के लिए वन विभाग से एनओसी नहीं मिलने के कारण कार्य में विलंब हुआ।

पुल निर्माण में आ रही समस्या का मुद्दा उठाया- सदन में विधायक अमित कुमार यादव ने अल्पसूचित प्रश्न के माध्यम से ग्राम सेतु योजना के तहत पुल निर्माण में आ रही समस्याओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कभी-कभी पुल की लंबाई ज्यादा होने के कारण 10 करोड़ रूपये की निर्धारित राशि कम पड़ जाती है। सदन में विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने भी अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा कि पिछले 15 सालों में उनके विधानसभा क्षेत्र में एक पुल का निर्माण नहीं हो सका, जिसका मुख्य कारण निर्माण लागत की अधिकता रही। इस पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने स्पष्ट किया कि विधायक की अनुशंसा पर अधिकतम 10 करोड़ रूपये की स्वीकृति देने का प्रावधान है। इससे अधिक लागत आने पर अतिरिक्त राशि स्वीकृत नहीं की जा सकती। विधायकों ने कहा कि योजना में वित्तीय सीमा के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं लेकिन मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह सीमा नियमावली के अनुसार तय की गई है। इसका पालन अनिवार्य है।

चंपाई सोरेन के पोते की कुल्लू-मनाली में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

एजेंसी । पूर्वी सिंहभूम

पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पोते और बाबूलाल सोरेन के बड़े पुत्र वीर सोरेन (21) की हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही सोरेन परिवार सहित समर्थकों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वीर सोरेन अपने कुछ मित्रों के साथ पर्यटन के उद्देश्य से कुल्लू-मनाली गए थे। क्षेत्र में इन दिनों बर्फबारी हो रही है और पर्यटकों की काफी भीड़ है। बताया जाता है कि वीर अपने दोस्तों के साथ बर्फ में खेलने और हिम क्रीड़ा का आनंद लेने गए थे। इस दौरान उन्होंने फिसलपट्टी (स्कीइंग) भी की। दिनभर घूमने-फिरने के बाद वे अपने ठहरने के स्थान पर लौट आए। जानकारी के अनुसार आवासीय विश्राम गृह लौटने के कुछ समय बाद ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। वे अचेत हो गए, जिसके बाद साथ मौजूद मित्रों ने घबराकर तत्काल उन्हें निकटवर्ती चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक स्तर पर मृत्यु के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। चिकित्सकों ने हृदय गति रुकने या अत्यधिक ठंड के प्रभाव की आशंका जतायी है। घटना की सूचना मंगलवार देर शाम परिवार को दी गई। जानकारी मिलते ही पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और बाबूलाल सोरेन गहरे सदमे में हैं। बुधवार को परिवार के सदस्य तत्काल कुल्लू के लिए रवाना हो गए हैं। परिजनों का कहना है कि स्थानीय प्रशासन और चिकित्सकों से विस्तृत जानकारी प्राप्त होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों पर कुछ कहा जा सकेगा। बताया जाता है कि बाबूलाल सोरेन के दो पुत्र हैं, जिनमें वीर सोरेन बड़े थे। कम उम्र में उनके असामयिक निधन से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। क्षेत्र के राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने भी इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।

रांजाबुरु खदान के खिलाफ तीसरे दिन भी ग्रामीणों का आंदोलन जारी

एजेंसी । पश्चिमी सिंहभूम

जिले के सारंडा क्षेत्र में स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की रांजाबुरु खदान के खिलाफ ग्रामीणों का आंदोलन तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। 23 फरवरी की सुबह से 18 गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों ने खदान का संचालन ठप कर रखा है। आंदोलन रोजगार नहीं तो खनन नहीं के नारे के साथ सारंडा विकास समिति, जामकुंडिया-दुईया के बैनर तले चल रहा है। आंदोलन का नेतृत्व सारंडा पीढ़ के मानकी लागुड़ा देवगम, मुखिया राजू शांडिल और विभिन्न गांवों के मुंडा कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान संचालन ग्रामसभा की अनुमति और मानकी-मुंडाओं की सहमति के बिना शुरू कर दिया गया। उनका कहना है कि स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के बजाय ठेका कंपनी मां सरला पावर वर्क की बाहरी लोगों को काम पर रखा गया है। ग्रामीणों के अनुसार खदान में ड्राइवर, ऑपरेटर, हेल्पर और मजदूर तक बाहर से लाए गए हैं, जबकि आसपास के गांवों में प्रशिक्षित युवा उपलब्ध हैं। इसे आदिवासी अधिकारों की अनदेखी बताया जा रहा है। सेल गुवा के कुछ अधिकारी वार्ता के लिए पहुंचे, लेकिन ठेका कंपनी के जिम्मेदार प्रतिनिधि के अनुपस्थित रहने से कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कहा है कि जब तक स्थानीय युवाओं को लिखित रूप में रोजगार की गारंटी नहीं दी जाएगी, तब तक खदान का संचालन शुरू नहीं होने दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

10 मार्च को सीएसआर एवं सस्टेनेबिलिटी कॉनक्लेव-2026 होगा

गाजियाबाद, एजेंसी। विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक की। बैठक में गाजियाबाद सीएसआर एवं सस्टेनेबिलिटी कॉनक्लेव 2026 की जानकारी दी गई। 10 मार्च को रैडीसन ब्लू होटल, कौशांबी में कॉनक्लेव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 50 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी। कॉनक्लेव में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण से जुड़े विषयों पर विचार विमर्श किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने बताया कि कॉनक्लेव से संबंधित अधिक जानकारी वेबसाइट पर जा सकते हैं।

बिना इंसान दरवाजे तक खुद चलकर आएगा सामान

गुरुग्राम, एजेंसी। कंपनी ने इस सर्विस को लॉन्च करने के लिए अमेरिका की तीन अलग-अलग कंपनियों से मदद ली है। सोमवार को गुरुग्राम के सेक्टर 102 में हुए लॉन्चिंग कार्यक्रम में डिलीवरी की पूरी प्रक्रिया को दिखाया भी गया। गुरुग्राम की कंपनी स्काई एयर मोबिलिटी ने गुरुग्राम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित ड्रोन डोर स्टेप डिलीवरी शुरू की है। इस सर्विस के जरिए बिना इंसानी मदद एआई सिस्टम के जरिए सामान को ग्राहकों के घर तक डिलीवर किया जाएगा। कंपनी ने इस सर्विस को लॉन्च करने के लिए अमेरिका की तीन अलग-अलग कंपनियों से मदद ली है। सोमवार को गुरुग्राम के सेक्टर 102 में हुए लॉन्चिंग कार्यक्रम में डिलीवरी की पूरी प्रक्रिया को दिखाया भी गया। सामान की डिलीवरी के लिए स्काई पोर्ट, स्काई शिप, अराइव प्वाइंट (एक स्मार्ट मेलबॉक्स सिस्टम) और ऑटोनॉमस रोवर एकसाथ मिलकर काम करेंगे। ड्रोन स्काई पोर्ट से उड़ान भरेंगे और फिर सामान को अराइव प्वाइंट तक लेकर जाएंगे। इसके बाद ऑटोनॉमस रोवर यानी एक रोबोट जो कि सामान को ऑटोमेटिकली अराइव प्वाइंट (एक तरह की तिजोरी) से निकालेगा और ग्राहक के दरवाजे पर जाकर डिलीवरी करेगा। जैसे ही ऑटोनॉमस रोवर ग्राहक के दरवाजे पर पहुंचेगा ओटीपी दर्ज करना होगा। इसके बाद ऑटोनॉमस रोवर के पीछे के हिस्से में लगी ट्रे खुलेगी और सामान रिसीव हो जाएगा। स्काई एयर मोबिलिटी के संस्थापक और सीईओ अंकित कुमार ने बताया कि हमने अपने हाइपरलोकल डिलीवरी पोर्ट स्काई पोर्ट को एक फिजिकल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ा है। अब तक हम ड्रोन का इस्तेमाल करके डिलीवरी कर रहे थे।

गौरव गलती से फिलीपीनी कमेटी में, पाकिस्तानी समूह में होना चाहिए

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने मंगलवार को फिर गौरव गोगोई पर तंज कसा। उन्होंने कहाकि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को फिलीपीन पर संसदीय मैत्री समिति के बजाय 'भारत-पाकिस्तान' समूह में शामिल किया जाना चाहिए था। माना जा रहा कि यह टिप्पणी उन्होंने विपक्षी नेता पर 'पाकिस्तानी एजेंट' होने के अपने आरोप के संदर्भ में की। वहीं, प्रदेश कांग्रेस ने कहा कि 'भारत-फिलीपीन संसदीय मैत्री समूह' के प्रमुख के रूप में उसके अध्यक्ष का नामांकन ऐसे समय में हुआ है जब मुख्यमंत्री गोगोई के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चला रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने किया है गठन मुख्यमंत्री ने कहाकि उन्हें भारत-पाकिस्तान समूह दिया जाना चाहिए था। गलती से उन्हें भारत-फिलीपीन समूह दे दिया गया। जोरहाट जिले के मारियानी में एक आधिकारिक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से बातचीत में सरमा ने नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर यह टिप्पणी की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया था, जिनमें विभिन्न विपक्षी सदस्य शामिल थे।

ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय ने थाने में खुद को लगाई आग, पुलिस नहीं छोड़ रही थी बाइक

बरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से एक दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ के बारादरी थाने में मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे उस वक्त हड़कंप मच गया, जब ब्लिंकिट कंपनी के एक डिलीवरी बॉय ने पुलिस की कार्यशैली से परेशान होकर खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा ली। आग की लपटों से घिरा युवक चिल्लाते हुए थाने के भीतर की ओर भागा, जिसे देख पुलिसकर्मियों के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन में आग बुझाकर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

क्या है पूरा विवाद?

घटना की जड़ सोमवार शाम को हुए एक सड़क हादसे से जुड़ी है। फतेहगंज पश्चिमी का निवासी अक्षय कुमार अपनी माँ के साथ कोतवाली क्षेत्र में किराए पर रहता है और ब्लिंकिट में डिलीवरी बॉय का काम कर अपना गुजारा करता है। सोमवार को जब वह गंगापुर क्षेत्र में सामान की डिलीवरी देने गया था, तभी संजयनगर निवासी विकास नाम का युवक उसकी बाइक लेकर भाग निकला। भागने के प्रयास में विकास ने माधोबाड़ी निवासी आकाश को टक्कर मार दी, जिससे आकाश के दोनों पैर टूट गए। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विकास को हिरासत

में ले लिया और अक्षय की बाइक (जिससे हादसा हुआ था) को जब्त कर बारादरी थाने में खड़ा कर दिया।

रोजी-रोटी छिनने के डर ने बनाया आत्मघाती

एक डिलीवरी बॉय के लिए उसकी बाइक ही उसकी आय का एकमात्र साधन होती है। अक्षय सोमवार शाम से ही अपनी बाइक छुड़ाने के लिए थाने की चौखट पर चक्कर काट रहा था। उसने पुलिसकर्मियों को बार-बार दलील दी कि बाइक उसकी है और चलाने वाला कोई और था, लेकिन पुलिस ने मामले के कानूनी निपटारे तक बाइक छोड़ने से साफ इनकार कर दिया।

पूरा मंगलवार अक्षय थाने में मिन्नतें करता रहा। गरीबी और काम बंद होने के तनाव ने उसे इस कदर तोड़ दिया कि उसने आत्मघाती कदम उठाने का फैसला कर लिया। मंगलवार रात वह एक बोतल में पेट्रोल लेकर पहुँचा और थाने के गेट पर ही खुद को आग के हवाले कर दिया। थाने के भीतर आग की लपटों में घिरे युवक को देख इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय और अन्य पुलिसकर्मियों ने किसी तरह आग बुझाई और उसे अस्पताल पहुँचाया। सूचना मिलते ही सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव भी जिला अस्पताल पहुँचे। डॉक्टरों के मुताबिक, अक्षय का चेहरा, बाल और गर्दन का हिस्सा काफी झुलस गया है, लेकिन फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है कि क्या बाइक रोकने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही या दुर्व्यवहार हुआ था।

नमो भारत में आनंद विहार-गाजियाबाद स्टेशन से अधिक यात्री सफर कर रहे

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में नमो भारत ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। रोजाना औसतन 60 हजार यात्री सफर कर रहे थे, लेकिन हाल ही में यह संख्या एक लाख तक पहुँच गई। आनंद विहार, गाजियाबाद और बेगमपुल स्टेशन से सबसे अधिक यात्री सफर कर रहे हैं। आने वाले दिनों में और इजाफा होने का अनुमान है। अन्य दिनों में रोजाना करीब 60 हजार लोग एक दिन में यात्रा कर रहे थे - नमो भारत ट्रेन में आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या में और इजाफा होने का अनुमान गाजियाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। नमो भारत ट्रेन में आनंद विहार, गाजियाबाद और बेगमपुल स्टेशन से सबसे अधिक यात्री सफर कर रहे हैं। कॉरिडोर पर एक लाख से अधिक यात्रियों ने एक दिन में सफर कर रिकॉर्ड बनाया है। नमो भारत ट्रेन में अभी तक रोजाना औसत 60 हजार यात्री सफर कर रहे थे। इस तरह लगभग 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 23 फरवरी को सोमवार होने के कारण नमो भारत ट्रेन में यात्रियों की ज्यादा भीड़ रही। मेरठ से आने वाली सभी ट्रेन में यात्रियों की भीड़ थी। एनसआरटीसी के अनुसार, कॉरिडोर के तीन स्टेशन आनंद विहार, गाजियाबाद और बेगमपुल स्टेशन से सबसे ज्यादा यात्री सफर कर रहे हैं। आनंद विहार स्टेशन के पास छह परिवहन साधन हैं।

सुनेत्रा पवार की जगह बेटे पार्थ जाएंगे राज्यसभा, आधी रात लगी मुहर

महाविकास अघाड़ी के पास एक को भेजने की क्षमता

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सात राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव से पहले राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। महायुति की सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने इस संबंध में

अपने उम्मीदवार को लेकर बड़ा फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार,सोमवार की रात प्रफुल्ल पटेल के आवास पर पार्टी की कोर कमेटी की हुई बैठक में पार्थ पवार को राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाने पर सहमति बनी है। इस अहम बैठक मुंबई में प्रफुल्ल पटेल के अलावा उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में केवल राज्यसभा उम्मीदवार ही नहीं, बल्कि पार्टी की आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। 26 फरवरी को होने वाली इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर मुहर लग सकती है, जहां सुनेत्रा पवार का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। यह बैठक मुंबई के वर्ली डोम में आयोजित होने की संभावना है।

बीजेपी कोर कमेटी की आज बैठक: दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी भी अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। सूत्रों के अनुसार, इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निवास पर मंगलवार की रात करीब 10 बजे कोर कमेटी की बैठक बुलाई गई है। पार्टी इस बार राज्यसभा की चार सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। इनमें रामदास अठावले का नाम लगभग तय माना जा रहा है, जबकि विनोद तावड़े, विजया रहाटकर और धैर्यशील पाटिल के नामों पर अंतिम निर्णय होना बाकी है।

बीजेपी चार सांसद भेज सकती है: महाराष्ट्र में इस बार राज्यसभा की 7 सीटें खाली हैं और 286 विधायकों के आधार पर एक उम्मीदवार को जीत के लिए 37 वोटों की जरूरत होगी। आंकड़ों के अनुसार, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के पास स्पष्ट बढ़त है। अकेले भाजपा के पास एक निर्दलीय को मिलाकर कुल (131+1) यानी 132 विधायकों का समर्थन है, जिससे वह 3 से 4 सांसद आसानी से भेज सकती है। वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) अपने 58 विधायकों के साथ एक सीट सुरक्षित कर सकती है, जबकि एनसीपी (अजित पवार गुट) भी एक सीट जीतने की स्थिति में है क्योंकि अजित पवार की मौत के बाद उसके पास 40 विधायक हैं। इसके मुकाबले महाविकास अघाड़ी, जिसमें कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (ठाकरे गुट) शामिल हैं, के पास कुल मिलाकर लगभग 49 विधायकों का समर्थन है। इस संख्या के आधार पर एमवीए केवल एक सीट ही सुरक्षित कर सकती है। राजनीतिक समीकरणों के हिसाब से महायुति गठबंधन 6 सीटों पर मजबूत स्थिति में नजर आ रहा है, जबकि विपक्षी गठबंधन को सीमित सफलता मिलने की संभावना है। ऐसे में राज्यसभा चुनाव 2026 में सत्ता पक्ष का पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है, लेकिन उम्मीदवारों के चयन और अंतिम रणनीति पर सबकी नजरें टिकी हैं।

सी-फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया कड़ी

सुक्खू सरकार कड़े किए टैक्स नियम; समय पर सी-फॉर्म जमा नहीं करने पर भारी पेनाल्टी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सरकार ने आगामी बजट से पहले राज्य का राजस्व बढ़ाने के लिए टैक्स नियमों को कड़ा कर दिया है। इसके तहत केंद्रीय बिक्री कर नियमों में बदलाव कर सी-फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया को सख्त बनाया गया है। अब व्यापारियों को फॉर्म जारी होने के छह महीने के भीतर लेनदेन पूरा करना होगा वरना देरी होने पर भारी जुर्माना देना पड़ेगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का मानना है कि वित्तीय दबाव के कारण ऐसा कदम उठाया जाना बेहद जरूरी था। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के अनुसार, हिमाचल प्रदेश सरकार साल 2026-27 के बजट से

पहले वित्तीय दबाव को कम करने के लिए अपने संसाधनों को बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। इसी दबाव के कारण सरकार ने राज्य कर एवं आबकारी विभाग के नियमों में बदलाव करके सी-फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया को और कड़ा कर दिया है। नये प्रावधानों के तहत अब करदाताओं को सी-फॉर्म देरी से जमा करने पर भारी जुर्माना भरना होगा। हिमाचल प्रदेश के अधिकांश उद्योगों के ग्राहक राज्य के बाहर हैं इसलिए फॉर्म जमा करने में देरी से राजस्व की वसूली प्रभावित हो रही है। नए नियम के अनुसार, व्यवसायी अब घोषणा पत्र या प्रमाण पत्र जारी होने की तारीख से छह महीने के भीतर लेनदेन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। तो उसे नए फॉर्म की कीमत का 0.1 प्रतिशत या कम से कम 50,000 रुपये (दोनों में से जो भी अधिक हो) का जुर्माना देना होगा।

पुलिस की अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता शुरू

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में मेरठ जोन की तृतीय अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता शुरू हुई, जो 26 फरवरी तक चलेगी। पहले दिन, 79 और 88 किलोग्राम वर्ग में हापुड़ और सहारनपुर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन अतिरिक्त सीपी राज करन नैय्यर ने किया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। पुलिस लाइन में 26 फरवरी तक चलेंगी भारोत्तोलन, योग और पावर लिफ्टिंग स्पर्धाएं -मेरठ जोन की प्रतियोगिता के 79 व 88 किलोग्राम वर्ग में हापुड़ व सहारनपुर के खिलाड़ियों ने बाजी मारी गाजियाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। मेरठ जोन की तृतीय अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता का शुभारंभ को रिजर्व पुलिस लाइन में किया गया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता 26 फरवरी तक चलेगी, जिसमें भारोत्तोलन, योग एवं पावर लिफ्टिंग की विभिन्न भार वर्गों की स्पर्धाएं होंगी। मंगलवार को पहले दिन 79 व 88 किलोग्राम वर्ग में हापुड़ व सहारनपुर के खिलाड़ियों ने बाजी मारी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे एडिशनल सीपी कानून व्यवस्था एवं यातायात राज करन नैय्यर ने किया। निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का संदेश देते हुए कहा कि खेल पुलिस बल में शारीरिक दक्षता के साथ-साथ मानसिक संतुलन और टीम भावना को भी सुदृढ़ करते हैं।

2013 के उद्घाटन पर क्यों नहीं बोली कांग्रेस, मंत्री अविनाश गहलोत ने उठाए सवाल

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की सियासत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर विधानसभा में बंटे एक बुकलेट तक का मुद्दा गर्मा गया है। मंत्री अविनाश गहलोत ने मंगलवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि एआई समिट जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषय पर देश जहां प्रधानमंत्री के फैसले की सराहना कर रहा है, वहीं कांग्रेस इसे लेकर अर्द्धनग्न प्रदर्शन कर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश कर रही है।

मंत्री गहलोत ने कहा कि 'एआई समिट को लेकर देश की जनता सकारात्मक सोच रखती है। भारत तकनीकी रूप से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में कांग्रेस के कार्यकर्ता अर्द्धनग्न होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे दुनिया के सामने क्या संदेश जाएगा?' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वीडियो और ऑडियो संदेश जारी कर ऐसे प्रदर्शनों को बढ़ावा दिया है। गहलोत ने सवाल किया कि क्या यह जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका है?

बुकलेट विवाद पर सियासी संग्राम

इधर राजस्थान विधानसभा में राजस्व विभाग की ओर से वितरित एक बुकलेट को लेकर भी हंगामा देखने को मिला। बुकलेट पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की तस्वीर छपी होने पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति दर्ज कराई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इसे सरकारी मंच का राजनीतिक उपयोग बताते हुए सवाल उठाए। हालांकि राजस्व मंत्री ने सदन में स्पष्ट किया कि यह बुकलेट

उनके निजी खर्चे से छपवाई गई है और इसका उद्देश्य केवल विभागीय उपलब्धियों को प्रस्तुत करना है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री अविनाश गहलोत ने कांग्रेस पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया।

रिफाइनरी उद्घाटन का मुद्दा उठाया

गहलोत ने 2013 का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता से जाते-जाते रिफाइनरी का उद्घाटन कराया था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से उद्घाटन कराया था। मंत्री ने सवाल किया कि उस समय सोनिया गांधी किस पद पर थीं और तब कांग्रेस ने इसका विरोध क्यों नहीं किया?

उन्होंने कहा, 'आज जब भाजपा के किसी पदाधिकारी की तस्वीर पर कांग्रेस आपत्ति जता रही है, तब उसे अपने अतीत को भी देखना चाहिए। उस समय उन्हें सरकारी कार्यक्रमों में पार्टी नेतृत्व की मौजूदगी पर कोई एतराज नहीं था।'

मंत्री गहलोत ने कांग्रेस की अंदरूनी स्थिति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में हुई कांग्रेस की कैबिनेट बैठक में वरिष्ठ नेता शांति धारीवाल और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। यह सब तब हुआ जब स्वयं अशोक गहलोत बैठक में मौजूद थे। गहलोत ने कहा, 'कांग्रेस पहले अपने घर को संभाले, फिर सदन में विरोध करे। वे खुद उलझे हुए हैं और मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।' इस पूरे विवाद के बीच यह भी संकेत मिला है कि सरकार बुधवार को औपचारिक जवाब दे सकती है। विधानसभा के भीतर और बाहर दोनों जगह राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस जहां इसे लोकतांत्रिक विरोध बता रही है, वहीं भाजपा इसे देश की छवि से जोड़कर सवाल उठा रही है। राजस्थान की राजनीति में एआई समिट जैसे राष्ट्रीय मुद्दे से लेकर एक बुकलेट की तस्वीर तक पर छिड़ी बहस ने यह साफ कर दिया है कि विधानसभा सत्र के दौरान सियासी तापमान लगातार बढ़ता रहेगा। आने वाले दिनों में सरकार के जवाब और विपक्ष की रणनीति पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

18 महीने बाद कोलकाता- ढाका- अगरतला बस सेवा बहाल

कोलकाता, एजेंसी।

बांग्लादेश में लगभग 18 महीने से जारी राजनीतिक उथल-पुथल के कारण स्थगित की गई कोलकाता-अगरतला बस सेवा मंगलवार को फिर से शुरू हो गई। त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने अखौरा एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) पर यात्रियों का स्वागत किया। बताया जा रहा है कि कम से कम 18 यात्रियों के साथ यह बस कोलकाता से ढाका होते हुए अगरतला पहुंची, जबकि दूसरी बस पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के लिए रवाना हुई। बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद इस लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय बस सेवा शुरू हुआ है। इसे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संचार, सहयोग और संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

पत्रकारों से बातचीत में परिवहन एवं पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा कि इस मार्ग के फिर से खुलने से दोनों पड़ोसी देशों के बीच पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को नई गति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और सुगम आवागमन से भारत-बांग्लादेश के संबंध और भी मजबूत होंगे। मंत्री ने क्षेत्रीय संपर्क के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि रेल कनेक्टिविटी के साथ-साथ सबरूम में मैत्री पुल का बेहतर उपयोग और बंदरगाहों तक सुगम पहुंच से पूर्वोत्तर भारत की अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ होगा तथा व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी। बताया गया कि पहले दिन कोलकाता से 18 यात्रियों ने इस सेवा का उपयोग किया। डेढ़ साल से अधिक समय तक निलंबित रहने के कारण इस सेवा के बंद होने से पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा था। अब इसके दोबारा शुरू होने से हितधारकों को आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने और सीमा पार सहयोग बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, यात्रियों और साथ आए अधिकारियों ने बताया कि यात्रा सुगम रही और

रास्ते में कोई बड़ी समस्या नहीं आई। महानगरों में कुछ मामूली दिक्कतें आईं, लेकिन कुल मिलाकर स्थिति सामान्य रही। गौरतलब है कि अगरतला-ढाका बस सेवा भी जल्द ही नियमित रूप से फिर शुरू होने वाली है, जिससे दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय संपर्क और मजबूत होगा। मैत्री बस सेवा का यह पुनरुद्धार एक सकारात्मक विकास है, जो भारत और बांग्लादेश के बीच संचार, वाणिज्य तथा मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करेगा। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने रविवार को कहा कि भारत बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संबंधों को मजबूत करने की इच्छा रखता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को और सुदृढ़ करना चाहता है तथा सहयोग को बढ़ावा देना चाहता है। वर्मा ने कहा कि इन सभी संदेशों में हमने बांग्लादेश के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने तथा बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने की इच्छा व्यक्त की है। हमने एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया।

दिनदहाड़े न्यायिक हत्या है ट्रायल जज का फैसला, हाईकोर्ट बरसा

गाजियाबाद, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद नगर निगम के एक मामले में निचली अदालत के फैसले को दिनदहाड़े न्यायिक हत्या करार देते हुए रद्द कर दिया है। कोर्ट ने पाया कि ट्रायल जज ने एक मृत व्यक्ति के खिलाफ मालिकाना हक की डिक्री जारी कर दी थी, जो कानूनन शून्य है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मृत व्यक्ति के खिलाफ पारित डिक्री कानून में शुरू से ही शून्य है। कोर्ट ने गाजियाबाद नगर निगम से जुड़े एक मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए उसे 'शून्य' करार दिया है। अदालत ने संबंधित ट्रायल जज के आचरण पर भी गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यह फैसला दिनदहाड़े की गई न्यायिक हत्या के समान है। कोर्ट ने संबंधित ट्रायल कोर्ट जज के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई के लिए मामला मुख्य न्यायाधीश को भेजने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति संदीप जैन ने

गाजियाबाद नगर निगम की प्रथम अपील पर पारित किया है। मामले के अनुसार वादकर्ता इंद्र मोहन सचदेव ने दावा किया था कि वह आनंद इंडस्ट्रियल एस्टेट, जीटी रोड, गाजियाबाद स्थित प्लॉट संख्या 9 (नया नंबर 12/9) के मालिक हैं। उन्होंने यह अधिकार वर्ष 2022 में एक अन्य वाद में पारित एकपक्षीय डिक्री के आधार पर प्राप्त बताया था, जिसमें उन्हें प्रतिकूल कब्जे के आधार पर स्वामित्व घोषित किया गया था। उन्होंने नगर निगम गाजियाबाद से अपने नाम दर्ज करने के लिए आवेदन किया, लेकिन कार्रवाई न होने पर अनिवार्य निषेधाज्ञा का वाद दायर किया, जिसे सिविल जज (सीनियर डिवीजन), गाजियाबाद ने 13 मई 2025 को स्वीकार कर लिया। अपील में नगर निगम की ओर से कहा गया कि जिस वाद में वादी का स्वामित्व घोषित किया गया था, उस वाद की प्रतिवादी श्रीमती सुशीला मेहरा की मृत्यु वर्ष 1996 में ही हो चुकी थी जबकि मुकदमा वर्ष 2019 में दायर किया गया और 2022 में एकपक्षीय डिक्री पारित हुई। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में सुप्रीम कोर्ट के कई महत्वपूर्ण फैसलों का हवाला दिया।

विचार-मंथन

संपादकीय

दुनिया में गहराता जल संकट

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है। जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है। समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे। मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा। अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए। हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है। इसी तरह दुनिया में पानी मौजूद है, लेकिन उसकी उपलब्धता, उसके उपयोग और उसके पुनर्भरण के बीच संतुलन तेजी से टूट रहा है। हम भू-गर्भ से जितना पानी निकाल रहे हैं, उतना पुनर्भरण नहीं कर रहे हैं। यानी जल खाता खाली हो रहा है संयुक्त राष्ट्र के शोधकर्ताओं ने रपट में जो कुछ कहा है, उसके अनुसार इस असंतुलन की जड़ें दशकों पुरानी हैं। भूजल के अंधाधुंध दोहन, नदियों को गंदे नालों में बदल दिए जाने, वनों की कटाई, मिट्टी के क्षरण और जलवायु परिवर्तन ने मिलकर पानी की प्राकृतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। जब पानी प्रदूषित हो जाता है, तो वह मौजूद होते हुए भी उपयोग के लायक नहीं रहता। जब भूजल जरूरत से ज्यादा निकाला जाता है, तो वह वापस भरने से पहले ही खत्म हो जाता है। धीरे-धीरे यह स्थिति एक ऐसी सीमा पर पहुंच जाती है, जहां से लौटना बेहद मुश्किल हो जाता है। यह बात भी सच है कि इस संकट का असर सब पर बराबर नहीं पड़ता। जिस प्रकार आर्थिक दिवालियापन में सबसे पहले गरीब तबके टूटते हैं, वैसे ही जल संकट और जल दिवालियापन का सबसे बड़ा बोझ भी कमजोर वर्गों पर पड़ना स्वाभाविक है। छोटे किसानों, आदिवासियों, शहरी गरीब बस्तियों, महिलाओं और युवाओं के जीवन पर सबसे पहले इसका प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत जिन संपन्न एवं शक्तिशाली वर्गों ने सबसे ज्यादा पानी का दोहन किया होता है, उसके लाभ तो अक्सर उन्हीं तक सीमित रहते हैं, लेकिन इसके दुष्परिणाम दूसरों को भुगतने पड़ते हैं। भारत के संदर्भ में देखें, तो संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी और भी गहरी चिंता पैदा करने वाली है। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा हमारे देश में है, पर उसके हिस्से में उपलब्ध मीठा पानी सीमित है। इसके बावजूद भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जो सबसे ज्यादा भूजल दोहन कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

मानवशास्त्रियों के अनुसार, स्थानीय भाषाएँ ज्ञान का खजाना हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाना आवश्यक है। इसीलिए यूनेस्को का मानना है कि सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भाषायी विविधता और बहुभाषावाद का उपयोग सहयोगी हो सकता है। इससे विश्व स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए जरूरी है कि मातृभाषाओं को तकनीक के लिहाज से विकसित किया जाए।

तकनीक के जरिए मातृभाषाओं को बचाने की जरूरत

(उमेश चतुर्वेदी)

मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। तकनीकी दौर में मातृभाषाएं सबसे ज्यादा संकट में हैं। इसकी वजह यह है कि मातृभाषाओं को बोलना भी तकनीक से प्रभावित हो रहा है और लेखन तो पूरी तरह उसी पर निर्भर हो गया है। तकनीक की खासियत कहें या कमी, वह बाजार के लिहाज से खुद को विकसित करती है और अपने उत्पादों के लिए इसी नजरिए से शोध करती है। चूंकि मातृभाषाओं में कई ऐसी हैं, जिन्हें बोलने या जिनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या बेहद कम है, इसलिए उनसे कमाई की संभावना कम है। चूंकि तकनीकी विकास में काफी धन लगता है, और मातृभाषाओं के एक हिस्से से कमाई की गुंजाइश नहीं दिखती, इसलिए तकनीक उनके सहज इस्तेमाल में दिलचस्पी नहीं दिखाती। इसलिए मातृभाषाओं की बड़ी संख्या लुप्त होने के कगार पर हैं। भारत को ही देखिए। साल 1961 की जनगणना के आंकड़ों के लिहाज से भारत में 1652 भाषाएं थीं। लेकिन सिर्फ दस साल बाद यानी 1971 में यह संख्या घटकर महज 808 रह गई। ऐसा बदलाव तब हुआ, जब तकनीक का बोलबाला नहीं था। लेकिन अब बात उससे भी आगे बढ़ चुकी है। 2013 के भारतीय लोकभाषा सर्वेक्षण के अनुसार, विगत 50 वर्षों में 220 भाषाएँ जहां लुप्त हो गई हैं, वहीं 197 भाषाएँ खत्म होने की कगार पर हैं। मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। इसके बावजूद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो मातृभाषाओं को लेकर कुछ इलाकों में सम्मोहन बरकरार है। शायद यही वजह है कि इस बार के अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के लिए यूनेस्को ने जो थीम रखा है, वह बेहद अहम जान पड़ता है। यह थीम है, 'भाषाओं का महत्व– रजत जयंती और सतत विकास'। इस थीम का ध्येय वाक्य 'अनेक भाषाएँ, एक भविष्य' है। पूर्वी बंगाल में 1952 में शहीद हुए भाषा आंदोलनकारियों की याद में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की पिछले साल यानी 2025 में रजत जयंती थी। तब यूनेस्को ने इस दिवस को भाषाई विविधता, डिजिटल सशक्तिकरण और समावेशी शिक्षा के माध्यम से सतत विकास पर जोर देने पर केंद्रित किया था। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर हर साल यूनेस्को किसी न किसी अहम विषय को ध्येय बनाता है और उस नजरिए से पूरे साल भाषाई विविधता को विकसित करने और उन्हें लागू करने पर जोर देता है। इस बार के ध्येय वाक्य से साफ है कि यूनेस्को चाहता है कि विश्व के सतत विकास में मातृभाषाओं की महत्ता को रेखांकित किया जाए। मातृभाषाएं एक तरह से भाषायी लोकतंत्र को रचती हैं। इस लोकतंत्र को बचाए बिना विविधरंगी संसार को नहीं बचाया जा सकता। सोचिए, अगर उपभोक्तावाद, व्यक्तिवाद और तकनीकी वर्चस्व की वजह से एक रस और एक भाषायी संसार तैयार हो जाए तो दुनिया कितनी नीरस होगी, ज्ञान के तमाम स्रोत तब या तो सूख चुके होंगे या फिर भुला दिए गए होंगे। इसलिए मातृभाषाओं को बचाना और उन्हें सांस्कृतिक लोकतंत्र के प्रतीक के रूप में जिंदा रखना जरूरी हो जाता है। यूनेस्को की ओर से घोषित 'भाषाओं का महत्व – रजत जयंती और सतत विकास' विषय, एक तरह से भाषायी विविधता, बहुभाषावाद और सतत विकास के बीच गहरे संबंधों को ही रेखांकित करता है। चूंकि यूनेस्को ने मातृभाषाओं को संरक्षित करने, भाषायी विविधता को जिंदा रखने और उन पर रश्क करने के साथ ही शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए प्रयासरत है, इसलिए वह लगातार भाषाओं को बचाने का संदेश दे रहा है। दुनिया में इन संदेशों को सुना और समझा भी जा रहा है। चूंकि भाषाएँ सिर्फ संवाद का साधन ही नहीं होतीं, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने का अहम औजार भी हैं, लिहाजा प्राथमिक शिक्षा में उन पर जोर दिया जा रहा है। 2020 में आई भारत की नई शिक्षा नीति में भी मातृभाषाओं में शिक्षा-विशेषकर प्राथमिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। दुनियाभर के शिक्षाशास्त्री मानते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा समावेशी होती है और बच्चों की समझ को बेहतर बनाने में मददगार होती है। इतना ही नहीं, इसके चलते बच्चे की सीखने की प्रक्रिया भी तेज होती है। मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के भी नतीजे बेहतर होते हैं। चूंकि सतत विकास में शिक्षा का स्थान अहम है और मातृभाषा आधारित शिक्षा बेहतरीन होती है, यही वजह है कि सतत विकास के लक्ष्यों को अब मातृभाषा के जरिए मिलने वाली शिक्षा में गंभीरता से खोजा जा रहा है। इसीलिए दुनिया एक बार फिर मातृभाषाओं के जरिए शिक्षा की ओर उन्मुख होती दिख रही है। जैसे-जैसे अधिकाधिक भाषाएँ विलुप्त होती जा रही हैं, भाषायी विविधता खतरे में पड़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व की 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल रहा है, जिन्हें वे बोलते या समझते हैं। मातृभाषाओं का संरक्षण इसलिए भी जरूरी है कि स्थानीय समाज उनके जरिए शिक्षा हासिल कर सकें। मातृभाषा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक नींव की आधारशिला है। यह सोचने, समझने और संवाद करने का सबसे सहज माध्यम है, जो बच्चे को उसकी विरासत से जोड़ती है। मातृभाषा में शिक्षा से आत्मविश्वास बढ़ता है, संज्ञानात्मक कौशल विकसित होते हैं, और दूसरी भाषाएं सीखना आसान हो जाता है। मातृभाषा में शिक्षा से बच्चे की अवधारणाओं को समझने की क्षमता तेज होती है और रचनात्मकता बढ़ती है। मातृभाषा संस्कृति, परंपराओं और इतिहास को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का मुख्य माध्यम है। व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और संवेदनाओं को मातृभाषा में सबसे अच्छी तरह व्यक्त कर सकता है, जिससे मानसिक स्पष्टता आती है। शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार, जिन बच्चों की नींव मातृभाषा में मजबूत होती है, मातृभाषाओं से इतर भाषाओं में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होता है। मातृभाषाएं परिवार और समुदाय से एक मजबूत भावनात्मक संबंधों की गारंटी भी होती हैं। दुनिया की हर मातृभाषा अपनी संस्कृति, परंपरा और इतिहास की संवाहक है। इसी वजह से दुनियाभर के मानवशास्त्री मानते हैं कि सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भाषायी विविधता का संरक्षण जरूरी है। इतना ही नहीं, मातृभाषाएँ आपसी समझ, सम्मान और सहयोग को भी बढ़ावा देती हैं।

लक्ष्य से दूर कार्बन उत्सर्जन पर लगाम, भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां

(सुशील कुमार)

धरती का तापमान न बढ़े, इसके लिए कवायद तो हो रही है, लेकिन दुनिया भर के देशों की वर्तमान नीतियां ऐसी हैं जो तापमान को 2.3 से 2.5 डिग्री तक ले जा सकती हैं। हालांकि कई देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दिया है। फिर भी 29 देशों में कार्बन उत्सर्जन उच्च स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, भारत कम उत्सर्जन के साथ मध्यम प्रदर्शन कर रहा है। 'कार्बन मार्केट वाच' की रपट बताती है कि वर्तमान समय में विश्व के कई बड़े देश जलवायु परिवर्तन रोकने में सफल नहीं रहे हैं। लिहाजा 1.5 डिग्री तापमान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43 फीसद कमी लाने की जरूरत है। मगर इसकी उम्मीद अभी नहीं दिख रही है। कई बड़े उद्योगों का कामकाज जलवायु लक्ष्यों के अनुकूल नहीं है। सच यह है कि वैश्विक तापमान बढ़ने से रोकने के प्रयास अपर्याप्त हैं। पिछले जी-20 सम्मेलन में शामिल देशों में वर्ष 2050 तक पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को डेढ़ डिग्री तक रखने पर सहमति बनी थी। यह अच्छी बात है कि इस वर्ष का केंद्रीय बजट ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देता है। मगर यह भी सच है कि भारत के विकास लक्ष्यों के साथ जलवायु अनुकूलन का तालमेल स्थापित करने में कहीं न कहीं कमी रह जाती है। गौरतलब है कि वर्ष 2022 में भारत ने कई महीनों तक गर्म हवाओं, बाढ़ और चक्रवात जैसी विषम मौसमी घटनाओं का सामना किया था, जिससे जन-जीवन से लेकर लोगों की आजीविका तक प्रभावित हुई। साथ ही विकास कार्यों के लिए यह स्थिति बाधा बनी रही। 'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं 'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं है, बल्कि इन गैसों को दूसरे कामों से संतुलित करना भी है। ऐसी अर्थव्यवस्था भी तैयार करना है, जिसमें जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल न के बराबर हो। साथ ही कार्बन उत्सर्जन करने वाली दूसरी चीजों का इस्तेमाल भी कम से कम हो। अभी जितना कार्बन उत्सर्जन किया जा रहा है, उसी के अनुपात में उसे अवशोषित करने का भी इंतजाम हो। यह पर्यावरण संरक्षण से ही संभव है। यदि कार्बन उत्सर्जन एक निश्चित मात्रा में होता है और उत्सर्जन करने वाली इकाई उसी अनुपात में पेड़ों को महत्त्व देती है, तो कार्बन उत्सर्जन और अवशोषण की समानता के कारण उत्सर्जन को शून्य स्तर पर ले जाना आसान हो जाएगा। मगर मौजूदा दौर में जिस तरह से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, उससे अब शून्य उत्सर्जन के बारे में सोचना सपना ही लगता है। फिलहाल दुनिया में केवल दो देश भूटान और सूरीनाम ही हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन शून्य है। इसकी वजह वहां कम आबादी और चारों तरफ हरियाली है। महज वादे करने और इरादे जताने भर से इस उत्सर्जन को शून्य पर लाना संभव नहीं है। छोटे-बड़े कई देशों ने संकल्प तो जताया, लेकिन उत्सर्जन रोकने के के ठोस उपाय नहीं किए। नतीजा अब पूरी दुनिया देख रही है। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसी तरह होता रहा, तो वर्ष 2050 तक पृथ्वी का तापमान दो डिग्री बढ़ जाएगा। यह पूरी दुनिया के लिए भयावह होगा। लोगों को भीषण सूखा से लेकर विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। हिमखंड और अधिक पिघलेंगे। समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। ऐसे में कई देशों के सामने अस्तित्व का संकट पैदा होगा। दुनिया के 192 देश संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का हिस्सा हैं। इनमें 137 देश शून्य उत्सर्जन का समर्थन करते हैं। देखा जाए, तो कुल ग्रीनहाउस उत्सर्जन में इनकी हिस्सेदारी 80 फीसद है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6015

		1			3	2		
9						1	7	
8	4			1		6		9
				2	5			
2	6						8	3
			7	6				
1		3		7			2	4
	9	7						6
		8	4			9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6014

5	4	3	9	1	7	2	6	8
9	8	6	5	3	2	1	7	4
7	1	2	8	6	4	9	5	3
3	2	5	6	4	1	7	8	9
1	6	8	7	5	9	3	4	2
4	9	7	2	8	3	6	1	5
2	7	4	1	9	5	8	3	6
6	3	9	4	7	8	5	2	1
8	5	1	3	2	6	4	9	7

वर्ग पहेली 6015

1	2	■	3	4	5		6
7		■	8			■	
	■	9			■	10	
11	12	■		■	13		
14		15	■	16			■
■	17				■	18	19
20	■		■	21	22	■	
23				■	24		

संकेतः बाएं से दाएं
1. अफ्रीका का यह देश एक प्रजातंत्र राज्य है जिसे 1 जुलाई 1960 को गणराज्य घोषित किया गया (2)
3. जम्मू-कशमीर में 4054 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हिंदुओं का तीर्थ स्थल (5)
7. ऐसा वाद्य जिसमें तार लगे हो, वही, वह, उस, उसी (2)
8. सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
9. मन की कल्पना, विचार, ख्याल (3)
10. पुराणानुसार एक दैत्य का नाम जिसे श्रीकृष्ण ने अपनी बाल्यावस्था में मारा था, बगला नामक पक्षी (2)
11. फन, हुनर (2)
13. बुहारना, पोछना, चलता करना (3)
14. सिख संप्रदाय के आदि गुरू (3)
16. लहर, उमंग, तरंग, झूमने का भाव (3)
17. उत्पात, उपद्रव, खलबली (4)
18. इंसाफ, फैसला (2)
21. मध्यप्रदेश का एक प्रसिद्ध रेलवे जंक्शन, प्रसिद्ध अभिनेता प्रदीप कुमार की अभिनेत्री बेटी (2)
23. चप्पू (4)
24. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण यमुना नदी का एक नाम (3)

ऊपर से नीचे(2)
1. हमला करने का अवसर देखना (5)
2. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
3. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि (4)
4. रगड़ना, घिसना (3)
5. अत्यंत महीन कण, सूजी (2)
6. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना (4)
10. दूल्हा-दुल्हन को यह भी कहा जाता है (4)
12. तिरस्कारपूर्ण बात, भर्त्सना, धिक्कार (3)
13. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
15. शास्त्रीय संगीत में एक ताल (4)
16. छिछली गोल तथा छोटी थाली (3)
19. हरजत मूसा के धर्म का अनुयायी (3)
20. स्वयं, स्वतः, खुद (2)
22. किसी नगर या कस्बे में प्रवेश द्वार (2)

वर्ग पहेली 6014 का हल

उ	त	र	प्र	दे	श	■	वा
प	■	म	जा	■	म	द	न
न	■	क	■	द	शा	■	र
य	मु	ना	■	ल	द	ना	■
न	■	■	लू		बे	टा	■
सं	ता	न	■	सा	ग	■	ब
स्का	■	म	र	ह	म	■	हु
र	ह	न	■	स	■	भा	त

आज का राशिफल

मेष
आज आप ऑफिस में एक 'स्तंभ' की तरह देखे जाएंगे। आपकी स्थिरता और कठिन परिस्थितियों में शांत रहने की क्षमता वरिष्ठों को प्रभावित करेगी। यदि आप पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की तलाश में हैं, तो आज अपनी बात रखने का सबसे सही समय है। आपकी नेतृत्व क्षमता आज निखर कर सामने आएगी।? आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
आज आपमें गजब का आत्मविश्वास देगा। आप केवल काम का हिस्सा नहीं रहेंगे, बल्कि आज आप नए नियम तय करेंगे। नेतृत्व के लिए यह एक शानदार दिन है, जहां क्रिएटिव और बॉस आपके विजन पर पूरा भरोसा करेंगे। यह आपके रचनात्मक करियर को एक नई दिशा देगा। दीर्घकालिक निवेश या विदेशी नजर से बड़ा लाभ मिल सकता है।

कर्क
आज योजना के साथ चलने वाले दूरदर्शी साबित होंगे। घर से काम करने वाले जातकों या रियल एस्टेट और निर्माण से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है। आपकी एकाग्रता और मेहनत आपको कठिन लक्ष्यों तक आसानी से पहुंचाएगी। आज का मुख्य फोकस बचत और घरेलू संपत्ति को मजबूत करने पर होना चाहिए।

सिंह
आज आपकी संवाद शैली और साहस आज नए अवसरों के द्वार खोलेंगे। प्रेजेंटेशन और मीटिंग्स में आपकी बात बड़े ध्यान से सुनी जाएगी और मानी जाएगी। सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे आपका काम का बोझ काफी हल्का हो जाएगा। लेखन, मार्केटिंग या कम्युनिकेशन से जुड़े कार्यों में आर्थिक सफलता मिलेगी।

मिथुन
आज आप एक 'कुशल रणनीतिकार' की भूमिका में रहेंगे। आप उन गुप्त प्रोजेक्ट्स पर काम करेंगे जो भविष्य में बड़े परिणाम देंगे। अपने क्रिएटिव विचारों के लिए जरूरी फंड जुटाने में आप सफल रहेंगे। ऑफिस की राजनीति से दूर रहकर काम पर ध्यान दें।

कन्या
टीमवर्क और सामाजिक संपर्कों से आज आपको बड़ा लाभ होगा। आपके पास जटिल समस्याओं का मनोवैज्ञानिक समाधान होगा, जिससे आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। ऑफिस में अपनी साख मजबूत करने के लिए सहकर्मियों का सहयोग लें और उनके साथ मिलकर काम करें।

तुला
आज करियर में नई ऊंचाइयां हासिल करने का मौका मिलेगा और आपकी सलाह को हर तरफ पहचान मिलेगी। बड़े प्रोजेक्ट्स को हाथ में लेने या कोई नई शुरुआत करने के लिए यह बहुत ही शुभ समय है। हालांकि, प्रोफेशनल प्रतिद्वंद्वियों की चालों के प्रति सतर्क रहें, क्योंकि वे आपके छोटे-मोटे खर्च बढ़ा सकते हैं।

वृश्चिक
आज व्यावहारिक ज्ञान आपकी सफलता का आधार बनेंगे। जिससे भविष्य की जटिल योजनाएं बनाना आसान होगा। शिक्षण, सलाहकार और प्रकाशन से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन विशेष रूप से सफल रहेगा।? भाग्य का साथ मिलने से पिछले निवेशों में अच्छा मुनाफा होगा। लंबी दूरी की यात्रा या विदेशी संपर्कों से आर्थिक बढ़ोतरी मिलेगी।

मकर
आज आपको जबरदस्त सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण डील्स और नए कॉन्ट्रैक्ट्स पर साइन करने के लिए दिन सबसे अच्छा है। लोग आप पर भरोसा करेंगे, जिससे आपकी प्रोफेशनल साख और ब्रांड वैल्यू दोनों में बढ़ोतरी होगी। संयुक्त निगमों या बिजनेस पार्टनरशिप से लाभ होगा। आज किए गए वित्तीय समझौते भविष्य में बहुत स्थिरता प्रदान करेंगे। घर या ऑफिस के लिए की गई।

कुंभ
कार्यकुशलता आज आपकी सबसे बड़ी ताकत है। आप पुराने अधूरे कामों को बिजली की गति से निपटाने में सफल होंगे। ऑफिस में नई देनदारियां लागू करने या सिस्टम को सुधारने के लिए दिन अच्छा है। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपकी कार्यशैली की सराहना करते नजर आएंगे। आपका ध्यान आज मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और खर्च के प्रबंधन पर रहेगा। छोटे बिलों का भुगतान करके आप मानसिक शांति पाएंगे।

धनु
आज आप पूरी तरह 'योजना बनाने' के मूड में रहेंगे। मानसिक व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन आप कार्यों को कुशलतापूर्वक दूसरों को सौंपने में सफल होंगे। रणनीतिक फैसलों और भविष्य के प्रोजेक्ट्स की रूपरेखा तैयार करने के लिए आज का दिन सबसे अच्छा है। खर्च पर नियंत्रण रखना आज की सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकती है।

मीन
आज कार्यों में आज आपकी विशिष्ट छाप स्पष्ट रूप से दिखेगी। आप अपने प्रत्येक कार्य को अत्यंत कलात्मकता और निपुणता के साथ पूर्ण करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके मानवीय दृष्टिकोण और संवेदना की सराहना होगी, जिससे आपके सहयोगी आपसे जुड़ा हुआ और उत्साहित महसूस करेंगे। सट्टेबाजी या जोखिम भरे निवेश से लाभ के संकेत मिल सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

बॉक्सिंग में मेवेदर और पैकियाओ के बीच ऐतिहासिक री-मैच सितंबर में

सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फाइट के दोनों दिग्गज बॉक्सर एक बार फिर होंगे आमने-सामने

लास वेगास (एजेंसी)। मुक्केबाजी की दुनिया के दो सबसे बड़े दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर और मैनी पैकियाओ एक बार फिर प्रोफेशनल रिंग में आमने–सामने होंगे। इस ऐतिहासिक री–मैच की घोषणा कर दी गई है, जो 19 सितंबर को लास वेगास के अत्याधुनिक 'द स्फीयर' में होगा। दोनों खिलाड़ी 11 साल बाद एक बार फिर आमने–सामने होंगे। इससे पहले 2 मई 2015 को हुई उनकी

पहली भिड़ंत ने कमाई और व्यूअरशिप के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। उस फाइट से 410 मिलियन डॉलर (करीब 2680 करोड़ रुपए) का रेवेन्यू जनरेट हुआ था जबकि टिकट विंडो से 72.2 मिलियन डॉलर (करीब 470 करोड़) की कमाई हुई थी। वह मुकाबला मेवेदर ने अपने नाम किया था।

मेवेदर का 50–0 का परफेक्ट रिकॉर्ड जबकि पैकियाओ ने पिछले साल की थी वापसी– अमेरिका के मेवेदर ने हाल ही में रिंग में वापसी की पुष्टि की। 49 वर्षीय मेवेदर 2017 में कोनोर मैक्ग्रेगोर को हराने के बाद 50–0 के परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ रिटायर हुए थे। वहीं, फिलीपींस के 47 वर्षीय पैकियाओ ने भी 2025 में मारियो बैरियोस के खिलाफ ड्रॉ खेलकर रिंग में वापसी की है। उन्होंने करियर में 73 फाइट में से 62 जीती हैं।

रिंकू के पिता नोएडा के अस्पताल में भर्ती

- क्रिकेटर टीम इंडिया को छोड़कर घर लौटे, जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना मुश्किल

अलीगढ़ (एजेंसी)। क्रिकेटर रिंकू सिंह टीम इंडिया का साथ छोड़कर घर लौट गए हैं। दरअसल, लिवर कैंसर से जूझ रहे रिंकू के पिता खानचंद सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ गई। फिलहाल वे ग्रेटर नोएडा के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती हैं। मीडिया सूत्र के अनुसार मुताबिक जब रिंकू को पिता के बारे में जानकारी मिली, उस वक्त वे चेन्नई में थे। बीसीसीआई के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि रिंकू प्रैक्टिस सेशन में भी शामिल नहीं हुए। परिवार में आई मेडिकल इमरजेंसी के कारण रिंकू का 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना भी मुश्किल लग रहा है।

पिता को फोर्थ स्टेज का लिवर कैंसर है– क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह को फोर्थ स्टेज का लिवर कैंसर है। उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद घरवालों ने उन्हें ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ओमेगा वन के यथार्थ अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

ब्रुक शतक लगाने वाले पहले कप्तान

बाबर लोएस्ट स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज, इंग्लैंड लगातार 5वीं बार सेमीफाइनल में

कोलंबो (एजेंसी)। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में इतिहास रचते हुए लगातार 5वीं बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। मंगलवार रात पाकिस्तान को 2 विकेट से हराकर टीम इस एडिशन के नॉकआउट में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक बतौर कप्तान टी-20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम इस टूर्नामेंट में सबसे कम स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाजों में शामिल हो गए।

- **इंग्लैंड लगातार 5वीं बार सेमीफाइनल में–** इंग्लैंड टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में पहुंच गया है। टीम 2016 से 2026 तक लगातार पांच बार सेमीफाइनल में पहुंची है। इससे पहले पाकिस्तान और श्रीलंका चार-चार बार लगातार अंतिम चार में पहुंचे थे, लेकिन इंग्लैंड अब इस मामले में सबसे आगे निकल गया है।
- **बाबर आजम सबसे कम स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज–** टी-20 वर्ल्ड कप में जहां बल्लेबाजों से तेज रन बनाने की उम्मीद होती है, वहीं बाबर आजम का स्ट्राइक रेट 111.5 रहा है, जो 500 से ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे कम है। इस लिस्ट में हफीज, संगकारा और विलियमसन जैसे बड़े नाम भी हैं, लेकिन बाबर सबसे नीचे हैं।
- **शाहीन पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज–** शाहीन अफरीदी नई गेंद से टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे खतरनाक गेंदबाज साबित हुए हैं। उन्होंने पावरप्ले में 18 विकेट लेकर इस फेज में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया।
- **शाहीन सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पाकिस्तानी बॉलर–** पाकिस्तान के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अब शाहीन अफरीदी के नाम है। उन्होंने 102 मैचों में 135 विकेट लेकर हारिस रऊफ को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 133 विकेट हैं।

वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा

हैरी ब्रूक ने कप्तान रहते हुए पाकिस्तान के खिलाफ 100 रन की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह टी–20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले कप्तान बने। इससे पहले क्रिस गेल का 98 रन सर्वोच्च स्कोर था। ब्रूक टी–20 वर्ल्ड कप रन चेज में शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज भी बने।

ब्रूक दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज– हैरी ब्रूक ने 50 गेंदों में शतक लगाकर टी–20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। वह सिर्फ क्रिस गेल (47 गेंद) से पीछे हैं। साथ ही ब्रूक इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बने। उनसे पहले जोस बटलर, डेविड मलान ऐसा कर चुके हैं।

अब पाकिस्तान का क्वालिफिकेशन दूसरों के भरोसे

इंग्लैंड टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने मंगलवार को ग्रुप-2 में पाकिस्तान को 2 विकेट से हराया और नॉकआउट राउंड में एंट्री की। 2010 और 2022 की चैंपियन टीम ने लगातार पांचवें एडिशन के सेमीफाइनल में जगह बनाई।दूसरी ओर पाकिस्तान सुपर-8 स्टेज में एक भी मैच नहीं जीत सका। टीम को अब क्वालिफाई करने के लिए श्रीलंका के खिलाफ आखिरी मैच जीतने के साथ न्यूजीलैंड के हारने की दुआ भी करनी होगी।

भारत को क्वालिफाई जीतना होगा दोनों मैच?

ग्रुप-1 पॉइंट्स टेबल में फिलहाल वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका 2-2 पॉइंट्स के साथ टॉप-2 पोजिशन पर हैं। भारत और जिम्बाब्वे आखिरी 2 पोजिशन पर हैं, दोनों का रन रेट माइनस में है।भारत को सीधे क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे, साथ ही साउथ अफ्रीका के वेस्टइंडीज के खिलाफ जीतने की उम्मीद भी करनी होगी।भारत आखिरी दोनों मैच जीत गया और वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को हरा दिया तो 3 टीमों के 4-4 पॉइंट्स हो जाएंगे। ऐसे में क्वालिफाई करने के लिए भारत को अपना रन रेट बाकी टीमों से बेहतर रखना होगा।भारत अगर एक भी मैच हारा तो टीम नॉकआउट की रेस से बाहर हो जाएगी।

ग्रुप–1 में बाकी टीमों के क्या समीकरण हैं?– साउथ अफ्रीका अब वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। टीम एक भी मुकाबला हारी तो उन्हें अपना रन रेट बेहतर रखना होगा। दोनों मैच हारने पर टीम बाहर हो जाएगी। वेस्टइंडीज को क्वालिफाई करने के लिए साउथ अफ्रीका और भारत के खिलाफ आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। टीम एक भी मुकाबला हारी तो उन्हें अपना रन रेट बेहतर रखना होगा। दोनों मैच हारने पर टीम बाहर हो जाएगी।जिम्बाब्वे एक मैच हार चुकी है। टीम को क्वालिफाई करने के लिए भारत और साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दोनों मैच जीतने ही होंगे। एक भी मैच हारने पर टीम बाहर हो जाएगी।

इंग्लैंड नॉकआउट में पहुंचा, पाकिस्तान की उम्मीदें कम

ग्रुप–2 में 4 पॉइंट्स के साथ इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर टीम अपने ग्रुप में नंबर–1 पर फिनिश कर सकती है। अगर श्रीलंका से न्यूजीलैंड जीता तो श्रीलंका बाहर हो जाएगी, फिर टीम पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर भी क्वालिफाई नहीं कर पाएगी।

16 साल पहले आज ही सचिन ने लगाया था दोहरा-शतक

उनके बाद 4 भारतीयों ने डबल सेंचुरी लगाई, रोहित के नाम सबसे बड़ा स्कोर

नईदिल्ली (एजेंसी)। 16 साल पहले मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने इतिहास रचा था। 24 फरवरी 2010 को ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सचिन वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। इस ऐतिहासिक पारी में सचिन ने 147 गेंदों का सामना करते हुए 25 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 200 रन बनाए। यह वनडे इतिहास का पहला ही दोहरा शतक था।

सईद अनवर का रिकॉर्ड तोड़ा था– वनडे क्रिकेट में सचिन से पहले 2 बैटर्स 194 तक पहुंचे थे। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सईद अनवर ने 1997 में भारत के खिलाफ चेन्नई में ही 194 रन बनाए थे। 2009 में फिर जिम्बाब्वे के चार्ल्स कॉवेंट्री ने बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 194 रन की पारी खेली थी।

- **सचिन ने 5 बार 150+ का स्कोर बनाया–** सचिन ने वनडे इंटरनेशनल में 5 बार 150 या उससे ज्यादा के स्कोर बनाए। डबल सेंचुरी के अलावा सचिन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 186, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 175, न्यूजीलैंड के खिलाफ ही 163 और नामीबिया के खिलाफ 152 रन बनाए हैं।

स्टीव बकनर ने माना- तेंदुलकर को एलबीडब्ल्यू देना गलती थी

अंपायर स्टीव बकनर ने सचिन तेंदुलकर को गाबा टेस्ट में आउट होने पर माना है कि उनसे गलती हो गई थी। वेस्टइंडीज के पूर्व अंपायर ने मैच के 22 साल बाद कहा कि आज भी लोग उनसे इसके बारे में सवाल करते हैं।दरअसल, 2003–04 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर स्टीव बकनर ने सचिन तेंदुलकर को एलबीडब्ल्यू आउट दिया था। यह मैच ड्रॉ हो गया था। 4 मैचों की सीरीज भी 1–1 से बराबरी पर रही थी।

3 रन पर आउट हुए थे तेंदुलकर– पहले टेस्ट में सचिन तेंदुलकर 3 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी की गेंद को उन्होंने छोड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके पैड पर लगी। जोरदार अपील के बाद स्टीव बकनर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया। बाद में टीवी रीप्ले में स्पष्ट हुआ कि गेंद स्टंप के ऊपर से जा रही थी।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

जम्मू-कश्मीर कप्तान पारस डोगरा और कर्नाटक के केवी अनीश के बीच झड़प

जम्मू (एजेंसी)। हुबली में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन मुकाबला उस समय तनावपूर्ण हो गया जब जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा और कर्नाटक के सब्स्टीट्यूट फील्डर केवी अनीश के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बहस इतनी बढ़ी कि डोगरा ने अनीश को हेडबट मार दिया, जिसके बाद मैदान पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप कर स्थिति संभालनी पड़ी। इस घटना ने हाई-प्रोफाइल फाइनल के रोमांच के बीच अनुशासन और खेल भावना पर भी सवाल खड़े कर दिए। यह घटना जम्मू-कश्मीर की पारी के 101वें ओवर में हुई। डोगरा ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर शानदार शॉट खेलकर बाउंड्री हासिल की। इसके तुरंत बाद सिली पॉइंट पर तैनात अनीश के साथ उनकी कहासुनी शुरू हो गई। चश्मदीदों के अनुसार, बहस बढ़ने पर डोगरा अनीश की ओर बढ़े और हेलमेट पहने फील्डर को हेडबट मार दिया। स्थिति बिगड़ती देख कर्नाटक कप्तान मयंक अग्रवाल सहित अन्य खिलाड़ियों ने बीच-बचाव किया। अंपायरों ने भी दोनों को अलग कर मैच दोबारा शुरू कराया।पारस डोगरा पहले दिन 48 गेंदों पर 9 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे।

भारतीय कमेंटेटर ने कोच गंभीर पर कसा तंज, बोले- हर समस्या का एक ही इलाज वॉशिंगटन सुंदर

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 76 रन की करारी हार के बाद टीम चयन और रणनीति पर तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने हेड कोच गौतम गंभीर के फैसलों पर सवाल उठाते हुए वॉशिंगटन सुंदर को हर समस्या का एक ही इलाज करार दिया।

सुपर-8 मुकाबले में भारत ने एकमात्र बदलाव करते हुए अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया। लेकिन यह दांव उल्टा पड़ता दिखा।

नेट रन रेट और टीम का आत्मविश्वास दोनों प्रभावित हुए; इस बदलाव से बल्लेबाज़ी संतुलन बिगड़ गया और फिनिशिंग क्रम में भी गड़बड़ी देखने को मिली।

मांजरेकर ने लाइव चर्चा के दौरान कहा, पहले एक दवा हुआ करती थी कैलास जीवन।

सिरदर्द हो या पेट दर्द, हर चीज़ का एक ही इलाज। गौतम गंभीर के पास भी हर समस्या का एक ही समाधान है वॉशिंगटन सुंदर।

उन्होंने आगे कहा, बैटिंग की दिक्कत है तो वॉशी, बॉलिंग की दिक्कत है तो वॉशी। आज उन्हें नंबर 5 पर भेज दिया गया, जबकि रिंकू सिंह और हार्दिक पांड्या नंबर 7 पर आए। यह कुछ ज़्यादा हो गया। सुंदर को नंबर 5 पर प्रमोट करने से विशेषज्ञ फिनिशरों को नीचे आना पड़ा- रिंकू सिंग नंबर 6 पर, हार्दिक पंड्या नंबर 7 पर, आलोचकों का मानना है कि इस फेरबदल से भारत की फिनिशिंग ताकत कमजोर हुई, जो टी20 क्रिकेट में टीम की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती रही है।

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज़ों ने खासकर स्लोअर गेंदों और वैरिएशन से भारतीय बल्लेबाज़ों को परेशान किया। मांजरेकर ने तकनीकी कमी की ओर इशारा करते हुए कहा, तेज गेंदबाज़ी को भूल जाइए, असली समस्या स्लोअर गेंदों और स्पिन के खिलाफ है। कप्तान खुद भी धीमी गेंदों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। यह संकेत है कि विरोधी टीमें अब इसी कमजोरी को निशाना बनाएंगी। बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने स्वीकार किया कि संयोजन पर दोबारा विचार किया जा सकता है। वहीं सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने माना कि विशेषज्ञ बल्लेबाज़ों के विकल्पों की कमी चिंता का विषय है।

एफआईएच प्रो लीग 2025-26: 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट में स्पेन ने भारत को हराया

होबार्ट (एजेंसी)। एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के ऑस्ट्रेलिया चरण में भारत को स्पेन के खिलाफ कड़ी टक्कर के बाद शूटआउट में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में चूकों ने भारत से जीत छीन ली। मैच तसमानिया हाकी सेंटर में खेला गया। स्पेन ने शुरुआत में आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित ने शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर बचाकर टीम को संभाले रखा। 19वें मिनट में कप्तान हार्दिक सिंह ने बेहतरीन टर्न लेते हुए मनिंदर सिंह को पास दिया, जिन्होंने जोरदार टोमहॉक शॉट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन भारतीय डिफेंस और गोलकीपर ने शानदार बचाव किया। भारत को भी मौके मिले, पर स्पेनिश गोलकीपर लुइस कालजाडो ने अहम सेव किए। भारत 59वें मिनट तक 1-0 से आगे था, लेकिन एक रक्षात्मक चूक का फायदा उठाते हुए ब्रूनो फॉन्ट ने शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। अंतिम सेकंडों में स्पेन को लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, पर भारतीय रक्षा पंक्ति ने उन्हें रोक दिया।

राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को द हंड्रेड से बाहर करने की अटकलों के बीच ईसीबी ने कहा-

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और 'द हंड्रेड' की फ्रेंचाइजी ने संयुक्त बयान जारी करके कहा है कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसी आशंका है कि इस प्रतियोगिता के लिए अगले महीने होने वाली नीलामी में भारतीय स्वामित्व वाली कम से कम चार टीमें पाकिस्तानी क्रिकेटरों को जानबूझकर नजरअंदाज कर सकती हैं।

आठ फ्रेंचाइजी में से चार मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (आरपीएसजी ग्रुप), एमआई लंदन (रिलायंस), सदर्न ब्रेव (जीएमआर) और सनराइजर्स लीड्स (सन ग्रुप) के मालिक आईपीएल के टीमों के मालिक भी हैं और ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार ये टीमें नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लेने से परहेज कर सकती हैं।

पिछले साल 'द हंड्रेड' कि किसी भी टीम का मालिक भारतीय नहीं था। इसके बावजूद इस प्रतियोगिता के लिए केवल दो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चुना गया था। इस टूर्नामेंट के पहले पांच सत्र में पाकिस्तान के केवल 9 खिलाड़ी ही खेल पाए हैं। टीमों के नए मालिक इस सत्र से इन फ्रेंचाइजी का संचालन करेंगे।ईसीबी और आईपीएल से जुड़े मालिकों सहित 'द हंड्रेड' की सभी आठ फ्रेंचाइजी का स्वामित्व रखने वाले मालिकों ने संयुक्त बयान में कहा, द हंड्रेड की शुरुआत नए दर्शकों तक पहुंचने, क्रिकेट को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि हर कोई, चाहे वह किसी भी जाति, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता या अन्य किसी भी आधार पर हो, हमारे खेल में अपनी जगह महसूस कर सके। खिलाड़ियों को उनकी राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए। बयान के अनुसार, टूर्नामेंट को संचालित करने के निकाय के रूप में ईसीबी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भेदभाव के लिए कोई जगह न हो। किसी भी तरह के भेदभाव किए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए नियम बनाए गए हैं। बयान में कहा गया है, सभी आठ टीमें इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह से उनके प्रदर्शन, उपलब्धता और प्रत्येक टीम की जरूरतों के आधार पर होगा।पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने सोमवार को 'द हंड्रेड' में खेलने की इच्छा व्यक्त की थी।

न्यूज बाइट्स

गांव से युवक लापता

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज थाना क्षेत्र के राजा बिगहा गांव से एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार सुमित कुमार (लगभग 25 वर्ष) 10 जनवरी 2026 को घर से निकला था, जिसके बाद से वह वापस नहीं लौटा है। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। लापता युवक के पिता अशोक कुमार सोनी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि परिवार और रिश्तेदारों ने अपने स्तर पर संभावित स्थानों पर सुमित की खोजबीन की, लेकिन अब तक उसकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। बेटे के अचानक गायब होने से परिवार गहरे सदमे और चिंता में है। परिजनों ने प्रशासन से जल्द से जल्द युवक का पता लगाने की गुहार लगाई है। बताया गया है कि सुमित कुमार का रंग गोरा है और उसकी लंबाई लगभग 5 फीट 7 इंच है। जिस दिन वह घर से निकला था, उसके बाद से उसका मोबाइल भी बंद बताया जा रहा है।

जल-जीवन-हरियाली अभियान

सोन नदी से औरंगाबाद शहर को मिलेगा शुद्ध पेयजल, डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

- बारुण प्रखंड में सोन नदी के सतही जल स्रोत से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी परियोजना संचालित है।
- योजना का उद्देश्य शहरवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित और निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना तथा भू-जल पर निर्भरता कम करना है।
- निरीक्षण के दौरान तकनीकी पहलुओं, निर्माण कार्यों की प्रगति और सुरक्षा मानकों की विस्तार से समीक्षा की गई।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत औरंगाबाद शहर में संचालित पेयजल आपूर्ति योजना का जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया। बारुण प्रखंड अंतर्गत सोन नदी के सतही जल स्रोत पर आधारित इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूर्ण होने के बाद शहरवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित और निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने परियोजना से जुड़े तकनीकी पहलुओं, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा सुरक्षा मानकों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं तथा गुणवत्ता और पारदर्शिता से किसी प्रकार का समझौता न हो। डीएम ने स्पष्ट कहा कि यह योजना शहर की दीर्घकालिक जल आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, इसलिए हर स्तर पर मानकों का सख्ती से पालन आवश्यक है। बताया गया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य औरंगाबाद शहर के नागरिकों को भू-जल पर निर्भरता से राहत दिलाते हुए सतही जल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। परियोजना के सफल क्रियान्वयन से जल-जीवन-हरियाली अभियान के उद्देश्यों को मजबूती मिलेगी और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान सदर एसडीएम संतन कुमार सिंह, सदर डीसीएलआर श्वेतांक लाल सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने परियोजना स्थल पर चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। प्रशासन का मानना है कि योजना के पूर्ण होते ही औरंगाबाद शहर में पेयजल आपूर्ति की स्थिति में बड़ा सुधार होगा तथा नागरिकों को लंबे समय तक स्वच्छ और निर्बाध जल उपलब्ध कराया जा सकेगा।

पुलिस का बड़ा अभियान

अलग-अलग मामलों में 54 बदमाश गिरफ्तार, 45 लीटर देसी शराब बरामद, 63 हजार से अधिक जुर्माना वसूला

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से पुलिस ने व्यापक विशेष अभियान चलाया। अलग-अलग थानों की संयुक्त कार्रवाई में कुल 54 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गिरफ्तार लोगों में शराबबंदी कानून के उल्लंघन, एससी-एसटी एक्ट, हत्या के प्रयास समेत विभिन्न आपराधिक मामलों में शामिल आरोपी शामिल हैं। इनमें से नौ आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक एससी-एसटी एक्ट के तहत एक आरोपी की गिरफ्तारी की गई, जबकि हत्या के प्रयास से जुड़े एक मामले में भी एक बदमाश को दबोचा गया। मद्यनिषेध अधिनियम के तहत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, वहीं अन्य मामलों में 47 आरोपितों को पकड़ा गया। शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए चलाए गए अभियान में पुलिस ने 45 लीटर देसी शराब बरामद की और अवैध रूप से तैयार किए जा रहे करीब 13 हजार लीटर महुआ घोल को नष्ट कर दिया। नवीनगर थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो अवैध शराब भट्ठियों को भी ध्वस्त किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब निर्माण और तस्करी पर लगातार नजर रखी जा रही है और आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। अभियान के दौरान न्यायालय से जारी वारंटों के निष्पादन में भी सफलता मिली, जिसमें कुल आठ वारंटों का निष्पादन किया गया और दो मामलों में कुर्की की कार्रवाई पूरी की गई। इसके अलावा यातायात नियमों के पालन को लेकर चलाए गए वाहन जांच अभियान में 1222 वाहनों की जांच की गई और नियमों के उल्लंघन पर 63 हजार 500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस बीच एससी-एसटी एक्ट से जुड़े एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा एक आरोपी पुलिस दबाव के चलते न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधीक्षक अंबरीश राहुल ने बताया कि फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी, जिसके कारण उसने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण, शराबबंदी कानून के सख्त अनुपालन और वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

दस सूत्री मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

भारतीय मजदूर संघ की औरंगाबाद जिला इकाई ने बुधवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर समाहरणालय परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री को संबोधित दस सूत्री मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपा गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संघ के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार सिंह और जिलाध्यक्ष विनोद सिंह ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में संगठन से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान श्रमिक हितों से जुड़ी कई प्रमुख मांगें उठाई गईं। संघ के नेताओं ने नए श्रम कानूनों को बिना किसी अपवाद के सभी श्रमिकों पर लागू करने और ठेका श्रमिकों के शोषण को समाप्त करने के लिए कानून में आवश्यक बदलाव की मांग की। साथ ही आंगनबाड़ी कर्मियों को राजकीय कर्मचारी घोषित कर उन्हें वेतन एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने की बात कही गई। प्रदर्शनकारियों ने त्रिपक्षीय तंत्र को पुनर्जीवित कर प्रभावी तरीके से लागू करने, बैंकों में पांच दिवसीय कार्य प्रणाली शुरू करने और सरकारी कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की भी मांग उठाई।

इसके अलावा अष्टम वेतन आयोग की रिपोर्ट को समय सीमा के भीतर अनुमोदित करने, उत्पादकता आधारित बोनस की न्यूनतम सीमा 18 हजार रुपये करने, डाक विभाग में कार्यरत ग्रामीण डाक सेवकों को पेंशन सुविधा देने, ईपीएस-95 के तहत न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये करने तथा ईएसआई लाभार्थियों के लिए न्यूनतम अर्हता सीमा 21 हजार से बढ़ाकर 42 हजार करने की मांग भी शामिल रही। प्रदर्शन में संघ के उपाध्यक्ष राकेश कुमार देवता, मंत्री हरि राम, अभय कुमार, प्रमोद राम, अजय ठाकुर, रामदयाल राम, मुन्ना राम और राजू पासवान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण-सह-किसान गोष्ठी का आयोजन

वैज्ञानिक खेती की तकनीक से किसानों को किया गया जागरूक, 285 किसानों ने लिया हिस्सा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बुधवार को प्रखंड मुख्यालय में आत्मा के माध्यम से जिला स्तरीय प्रशिक्षण-सह-किसान गोष्ठी कार्यक्रम 'गरमा 2026' का आयोजन किया गया। एक दिवसीय इस कार्यक्रम में जिले के लगभग 285 किसानों ने भाग लिया, जहां कृषि विशेषज्ञों और अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक व वैज्ञानिक खेती की तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, सहायक निदेशक, मिट्टी जांच वैज्ञानिक (केवीके) सिरिस, अंचलाधिकारी, बीटीएम, एटीएम, एग्रीकल्चर कोऑर्डिनेटर, किसान सलाहकार सहित कई संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। विशेषज्ञों ने किसानों को मौसम के अनुकूल खेती, उन्नत बीजों का चयन, फसल अवशेष प्रबंधन, संतुलित उर्वरक का प्रयोग, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा प्रभावी सिंचाई प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी प्रदान की।

इस दौरान किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के महत्व और पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। साथ ही बिहार कृषि ऐप के उपयोग और उससे मिलने वाले लाभों की जानकारी देकर किसानों को डिजिटल माध्यम से कृषि योजनाओं और सेवाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और अनुदानों की जानकारी देते हुए किसानों से इनका लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ाने की अपील की।

गोष्ठी में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को भी सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक सुझाव दिए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जहां किसानों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही गई।

सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज स्थापना को लेकर मुख्य सचिव की समीक्षा, ओबरा व मदनपुर में संचालन की तैयारी तेज

- 1 मार्च तक प्राचार्य नियुक्ति और 31 मई तक व्याख्याताओं का चयन करने का लक्ष्य तय किया गया।
- 1 जुलाई से नए शैक्षणिक सत्र में कला संकाय के छह विषयों में पढ़ाई शुरू होगी।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राज्य के सभी प्रखंडों में डिग्री महाविद्यालय की स्थापना और शैक्षणिक सत्र 2026-30 से पढ़ाई शुरू कराने को लेकर बुधवार को बिहार सरकार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में औरंगाबाद की जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत संबंधित विभागीय अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि जिन प्रखंडों में अब तक डिग्री कॉलेज संचालित नहीं हैं, वहां स्थापना की प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर समयसीमा के भीतर पूरी की जाए। समीक्षा के बाद औरंगाबाद जिले के ओबरा और मदनपुर प्रखंड, जहां अभी तक डिग्री महाविद्यालय नहीं हैं, वहां संचालन की दिशा में तेजी से कदम उठाए गए हैं। इसके तहत ओबरा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय करसावां और मदनपुर प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय पिरवां के नए भवनों को अस्थायी संचालन के लिए चयनित कर जिलाधिकारी द्वारा विभाग को प्रतिवेदन भेज दिया गया है।

विभाग की ओर से निर्देश दिया गया है कि 31 मार्च तक प्रस्तावित महाविद्यालयों के लिए प्राचार्य की नियुक्ति तथा 31 मई तक अन्य व्याख्याताओं का चयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि 1 जुलाई से नए शैक्षणिक सत्र की विधिवत शुरुआत हो सके। प्रथम चरण में कला संकाय के अंतर्गत हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र जैसे छह विषयों में पढ़ाई शुरू की जाएगी। साथ ही आवश्यक आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए विभाग द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की बात भी कही गई है।

द्वितीय चरण में इन महाविद्यालयों के स्थायी भवन निर्माण की योजना है, जिसके लिए शहरी क्षेत्रों में कम से कम 2.5 एकड़ और ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम 5 एकड़ भूमि चिन्हित की जाएगी। स्थायी भवन बनने के बाद कॉलेजों को वहां स्थानांतरित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशों के अनुपालन में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है और युवाओं को सुलभ, सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

फ्लाई ऐश लदा हाइवा सड़क किनारे पलटा, चालक सुरक्षित

- रेलवे लाइन पार करने के बाद मोड़ पर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

जिले के नबीनगर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक बड़ा सड़क हादसा टल गया, जब छाईं (फ्लाई ऐश) से लदा एक हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। घटना नबीनगर रोड स्टेशन के पास नबीनगर से तेतरिया जाने वाली मुख्य मार्ग पर हुई, जहां उस समय मौजूद लोग बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।

जानकारी के अनुसार हाइवा एनटीपीसी नबीनगर से फ्लाई ऐश लोड कर भारतमाला हाईवे निर्माण कार्य के लिए जा रहा था। रेलवे लाइन पार करने के बाद जैसे ही वाहन मोड़ पर पहुंचा, चालक का संतुलन बिगड़ गया और हाइवा सड़क किनारे पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वाहन तेज रफ्तार में था और संभवतः ओवरलोड भी था, जिसके कारण हादसा हुआ।

दुर्घटना के दौरान चालक वाहन के अंदर फंस गया था। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए हाइवा का शीशा तोड़कर उसे बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए भेजा। चालक को हल्की चोटें आई हैं और उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, हालांकि हाइवा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद नबीनगर स्टेशन रोड पर कुछ घंटों तक यातायात बाधित रहा, जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। सूचना मिलते ही नबीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और क्षतिग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया। बाद में क्रेन की मदद से हाइवा को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका।

स्थानीय लोगों का कहना है कि एनटीपीसी से रोजाना बड़ी संख्या में फ्लाई ऐश लदे हाइवा इसी मार्ग से गुजरते हैं और अक्सर तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाए जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। साथ ही उड़ने वाली धूल से राहगीरों और बाइक चालकों को काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि फ्लाई ऐश ढुलाई के दौरान वाहनों की गति सीमा तय की जाए और धूल नियंत्रण के प्रभावी उपाय किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

सड़क हादसे में युवक की मौत अप्रैल में होने वाली थी शादी

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

जिले के जम्होर थाना क्षेत्र अंतर्गत शंकरपुर ओवरब्रिज के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक 20 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कर्मा रोड पकहा गांव निवासी स्वर्गीय सुरेश यादव के पुत्र प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों के अनुसार प्रदीप कुमार अपने एक रिश्तेदार के घर से लौट रहा था। जैसे ही वह शंकरपुर ओवरब्रिज पर पहुंचा, तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और सूचना मिलते ही जम्होर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक सुमित कुमार पंडित दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही अस्पताल में मौजूद उसकी मां बेहोश होकर गिर पड़ीं, जिन्हें साथ आए लोगों ने संभाला। पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। इस दौरान नगर थाना की पुलिस भी अस्पताल पहुंची और परिजनों को कानूनी प्रक्रिया की जानकारी दी।

परिवार के लोगों ने बताया कि प्रदीप पांच बहनों के बीच इकलौता भाई था और ऑटो चलाकर घर का खर्च चलाता था। उसकी शादी तय हो चुकी थी और 27 अप्रैल को तिलक तथा 30 अप्रैल को बारात निकलनी थी। शादी की तैयारियों के बीच हुए इस हादसे ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिजनों ने सरकार से मृतक के आश्रितों को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस दर्दनाक घटना से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है और परिवार के सामने अब आजीविका की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।

झोपड़ी पर पलटा हाइवा, दो सगी मासूम बहनों की हुई मौत, चालक हुआ फरार

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

जिले के अंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगतुआ गांव के पास भटकुर मोड़ पर मंगलवार को एक हृदयविदारक हादसे में दो मासूम सगी बहनों की मौत हो गई। सड़क निर्माण कार्य में लगा एक हाइवा मटेरियल गिराने के दौरान अचानक असंतुलित होकर सड़क किनारे बनी झोपड़ी पर पलट गया, जिसके नीचे दबकर दोनों बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। मृत बच्चियों की पहचान प्रियंका उर्फ रिद्धि (6 वर्ष) और प्रीति उर्फ सिद्धि (3 वर्ष) के रूप में हुई है, जो रामपुर गांव निवासी उदय यादव की बेटियां थीं। जानकारी के अनुसार उदय यादव ने पशुओं को रखने और खेती-बाड़ी के काम के लिए सड़क किनारे एक झोपड़ी बना रखी थी। दोपहर में दोनों बहनें उसी झोपड़ी में सो रही थीं, तभी डुमरी से भटकुर मोड़ तक चल रहे सड़क निर्माण कार्य में गिट्टी लेकर आया हाइवा सड़क धंसने के कारण संतुलन खो बैठा और सीधे झोपड़ी पर पलट गया।

पलक झपकते ही झोपड़ी मलबे में तब्दील हो गई और दोनों बच्चियां भारी वाहन के नीचे दब गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ग्रामीणों ने पहले ही निर्माण एजेंसी के कर्मचारियों को झोपड़ी के पास मटेरियल गिराने से मना किया था, क्योंकि वहां जगह कम थी। इसके बावजूद चालक और कर्मियों ने वहीं गिट्टी गिराने का प्रयास किया, जिसके दौरान हादसा हो गया। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बच्चियों को निकालने की कोशिश की, लेकिन हाइवा के नीचे दबे होने के कारण वे सफल नहीं हो सके। करीब एक घंटे बाद निर्माण कार्य में लगी जेसीबी मशीन की मदद से वाहन को हटाया गया, तब तक दोनों मासूमों की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही अंबा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष राहुल राज ने बताया कि हाइवा को जब्त कर लिया गया है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विधिज्ञ संघ चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया पूरी, अंतिम दिन 20 अभ्यर्थियों ने भरा परचा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला विधिज्ञ संघ, औरंगाबाद के सत्र 2026-28 के चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन बुधवार को विभिन्न पदों के लिए कुल 20 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। चुनाव समिति के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद सिंह तथा सदस्य कामता प्रसाद सिंह, सरोज रंजन सिंहा, राधेश्याम सिंह और अभय कुमार ने बताया कि इस बार चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। अध्यक्ष पद के लिए पूर्व सचिव नागेंद्र सिंह ने नामांकन किया, जबकि उपाध्यक्ष पद के लिए पूर्व कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, महासचिव पद के लिए अखिलेश कुमार और नीरज कुमार सिंह मंटू ने परचा दाखिल किया। वरिष्ठ कार्यसमिति सदस्य के लिए सुनील कुमार सिंह, संत सिंह, संजय कुमार सिंहा, मिथलेश कुमार और सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने नामांकन किया।

कोषाध्यक्ष पद के लिए अमरेश सिंह, प्रभावती राय, सुदर्शन यादव और शिवराम, सहायक सचिव के लिए श्याम नंदन तिवारी, निगरानी सदस्य के लिए अनील आशुतोष तथा पुस्तकालय अध्यक्ष पद के लिए पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष चंद्रकांता कुमारी ने नामांकन पत्र भरा। इसके अलावा कार्यसमिति सदस्य के लिए राजेश कुमार सिंहा, सुरेंद्र प्रसाद पप्पू, उमेश कुमार सिंह और बबन प्रसाद सिंह ने भी अपनी उम्मीदवारी दर्ज कराई। चुनाव समिति के अनुसार पहली बार इतनी बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया है। अध्यक्ष पद के लिए वर्तमान अध्यक्ष विजय कुमार पांडेय, नागेंद्र सिंह और अरुण कुमार शर्मा समेत कुल 27 पदों के लिए 67 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

27-28 फरवरी को विष्णु धाम महोत्सव : तैयारियों की समीक्षा, आयोजन को लेकर सभी व्यवस्थाएं पूरी

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

सदर प्रखंड के जम्होर थाना क्षेत्र अंतर्गत मोक्षदायिनी पुनपुन और पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर स्थित विष्णु धाम परिसर में 27 एवं 28 फरवरी को आयोजित होने वाले विष्णु धाम महोत्सव की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बिहार सरकार के पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस दो दिवसीय महोत्सव को लेकर आयोजन समिति के अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और अंतिम तैयारियों का जायजा लिया गया।

बैठक में मौजूद सदस्यों ने मंच व्यवस्था, पूजा-पाठ, अतिथि सत्कार और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श करते हुए बताया कि महोत्सव को लेकर लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंच व्यवस्था में सहयोग की जिम्मेदारी पूर्व मुखिया सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता, राजीव कुमार बब्लू और पूर्व मुखिया संजीव द्विवेदी को सौंपी गई है, जबकि 27 फरवरी को मंदिर पूजन-पाठ की व्यवस्था न्यास समिति को दी गई है। यजमान के रूप में उपेंद्र यादव को मनोनीत किया गया है। अतिथियों के स्वागत और सत्कार की जिम्मेदारी अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, रंजीत कुमार सिंह बब्बू, कुंदन सोनू, सुजीत कुमार सिंह पिंकू, संजय गुप्ता और अनिल अग्रवाल को सौंपी गई है। कार्यक्रम का उद्घाटन जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा किया जाएगा, जिसके बाद स्थानीय कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित होंगी। पहले दिन संध्या में मुख्य कलाकार कपिल थापा अपनी प्रस्तुति देंगे। महोत्सव के दूसरे दिन 28 फरवरी को स्थानीय कलाकारों की प्रतियोगिताएं, विद्यालयी बच्चों द्वारा रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

लोकल फोरम व एसएचजी के सदस्यों की बैठक संपन्न

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि.सं.)। हसपुरा के सरदार बल्लभ भाई पटेल पुस्तकालय सभागार में बुधवार को लोकल फोरम एवं एसएचजी के सदस्यों की सेंसिटाइजेशन मीटिंग हुई। बैठक की अध्यक्षता लोकल फोरम के अध्यक्ष कामाख्या नारायण सिंह ने की। बैठक में एनएलआर इंडिया फेडरेशन के राज्य समन्वयक अक्षय कुमार प्रजापति ने दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों एवं अधिनियम की जानकारी दी। उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ने पर बल दिया, ताकि दिव्यांगजन सशक्त बन सकें। बैठक में आए सभी दिव्यांगजनों को स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार, सरकारी योजनाओं तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के बारे में विस्तार से बताया गया एवं जागरूक करने का प्रयास किया गया। साथ हीं उनसे प्राप्त हो रहे सरकारी लाभों की जानकारी ली गई। उन सभी की समस्याएं सुनकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

माता भगवती प्रतिमा का नगर भ्रमण, सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह जारी

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज प्रखंड की पोगर पंचायत अंतर्गत पड़राही सलेमपुर गांव में आयोजित सात दिवसीय माता भगवती प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तहत बुधवार को श्रद्धालुओं ने मां भगवती की प्रतिमा का भव्य नगर भ्रमण कराया। 20 फरवरी को कलश यात्रा के साथ शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन के पांचवें दिन यज्ञ मंडप से नगर भ्रमण की शुरुआत हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु शामिल हुए। भक्तों ने मां भगवती की प्रतिमा को कंधों पर उठाकर पूरे गांव का भ्रमण कराया और भक्ति गीतों के बीच माहौल भक्तिमय बना रहा।

नगर भ्रमण के बाद श्रद्धालु पुनः यज्ञ मंडप पहुंचे, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि करीब पांच दशक पुराना माता भगवती का मंदिर जर्जर हो चुका था, जिसे गांववासियों के सहयोग से नए स्वरूप में बनाया गया है। इसी के उपलक्ष्य में सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जा रहा है।